हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • शनिवार • 27.12.2025 • वर्ष : 16 • अंक : 152 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

मुख्यमंत्री से केंद्रीय सरना समिति, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा एवं आदिवासी छात्रावास के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

पेसा कानून लागू होने से जनजातीय क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था होगी मजबूत : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- पूर्वजों के संघर्ष से मिला झारखंड
- पेसा कानून की जानकारी सभी को रखने की आवश्यकता
- गांव मजबूत होगा तभी राज्य मजबूत होगा

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में केंद्रीय सरना समिति, राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा एवं आदिवासी बालक-बालिका छात्रावास रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। सीएम ने कहा कि मुझे विगत दो दिनों से शहर, गांव तथा कस्बों सहित राज्य विभिन्न क्षेत्रों से लोगों की भावनाओं एवं उनके उत्साह की जानकारी मिल रही है।

आप सबको यह मालूम है कि झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, यहां की जल, जंगल, जमीन तथा सभ्यता-संस्कृति को संरक्षित करने को लेकर हमारे पूर्वजों ने कितना संघर्ष किया है।

समय-समय पर इस राज्य में कई नियम तथा कायदे-कानून बने। कुछ कायदे-कानून यहां के आदिवासी एवं मूलवासियों के हक में रहे लेकिन कई चीजे विरोध में भी रहीं, परंतु जो कायदे-कानून विरोध में रहे उसे ठीक करने के लिए भी पुरजोर संघर्ष हमारे पूर्वजों ने किया।

झारखंड की सभ्यता-संस्कृति के साथ-साथ जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए हमारे कई वीर सपूतों ने अपना बलिदान दिया। हमारे पूर्वजों को न जाने कितनी प्रताड़नाएं झेलनी पड़ी, लेकिन झारखंड में संघर्ष का दौर कभी खत्म नहीं हुआ।

हमारे पूर्वजों ने अलग झारखंड राज्य की परिकल्पना की। हमारे अग्रणी नेताओं की लंबी लड़ाई। यहां के आदिवासी एवं मूलवासियों के हक-अधिकार पर सेंधमारी की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतोगत्वा आप सभी ने मुझे इस राज्य की बागडोर को संभालने की जिम्मेदारी सौंपी।

मुझे आप सभी लोगों का निरंतर आशीर्वाद और स्नेह मिलता आ रहा है। आपने जो जिम्मेदारी मुझे दी उस जिम्मेदारी को निभाने के लिए भी काफी जद्दोजहद करना पड़ा।

लेकिन आप सभी के आशीर्वाद और स्नेह तथा राज्यहित में काम करने के सच्ची नियत से हमारा कारवां आगे बढ़ता रहा, अंततः सच्चाई की जीत हुई। आज आप सभी के सहयोग से झारखंड निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है।

जनजातीय स्वशासन, सम्मान और सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षा प्राथमिकता

झारखंड में पंचायत मजबूत हो इस हेतु हमारी सरकार कृत संकल्पित है। जनजातीय स्वशासन, सम्मान और सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षा की दिशा में पेसा कानून को हमारी सरकार ने मंजूरी दी है।

राज्य में पेसा कानून के लागू होने से जनजातीय क्षेत्र की ग्राम सभाओं को निर्णय लेने का अधिकार सहित कई शक्तियां प्राप्त होंगी। झारखंड में आदिकाल से निवास करने वाले जनजातीय समुदाय हमारी सभ्यता-संस्कृति की आत्मा हैं। उनके अधिकार, स्वाभिमान और स्वशासन को मजबूत करने वाला यह पेसा कानून आने वाले समय में समाज और राज्य के सर्वांगीण विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

25 वर्ष का यह युवा झारखंड मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार ने महज कुछ ही दिनों पहले यहां के लगभग 10 हजार नौजवानों को सरकारी नियुक्ति देने का कार्य किया है। आने वाले समय में भी नियुक्तियों के साथ-साथ रोजगार के विभिन्न साधनों का सृजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गहन चिंतन और मंथन के बाद पेसा नियमावली को कैबिनेट से पास करने का काम किया है। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि जो नियम और कायदे बनाए जाते हैं इसकी जानकारी भी आप सभी को रखनी होगी तभी इन नियम और कायदों का लाभ विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकेगा। कुछ ऐसे तत्व हैं जो हमारे ग्रामीणों को दिग्भ्रमित करने की कोशिश करते हैं, इसलिए नीतियों की जानकारी सभी के पास होनी चाहिए। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हमारे सीधे-साधे लोगों को ठगा और छला जाता है उन्हें संरक्षित कर उनका हक-अधिकार उन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

हमारी सरकार गांव की सरकार है। गांव मजबूत होगा तभी राज्य मजबूत होगा। आज आप सभी लोग यहां ढोल-नगाड़ों के साथ काफी उत्साह पूर्वक अपनी भावनाओं का संप्रेषण कर रहे हैं। आप सभी की यह भावना और उत्साह मुझे और अधिक उत्साह तथा शक्ति के साथ काम करने की ताकत देती है।

बिचौलियों के बहकावे में नहीं आएं किसान भाई : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखण्ड सरकार द्वारा राज्य के 700 से अधिक धान अधिप्राप्ति केंद्रों पर धान खरीद की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। सभी किसान अपने प्रखंड के नजदीकी धान अधिप्राप्ति केंद्र पर जाकर धान की बिक्री कर सकते हैं। किसानों को प्रति क्विंटल धान ₹2450 की दर से भुगतान सीधे उनके बैंक खातों में किया जा रहा है। मैं सभी किसान भाइयों-बहनों से अपील करता हूं कि मुआवजा अथवा भुगतान दिलाने के नाम पर किसी भी बिचौलिए के बहकावे में न आएं।

यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से धन की मांग करता है या किसानों को गुमराह करता है, तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अंचल कार्यालय अथवा जिला प्रशासन को दें। किसानों की समृद्धि ही झारखण्ड की शक्ति है एवं सरकार हमेशा आपके अधिकारों की रक्षा के लिए संकल्पित है।

30 को मोरहाबादी मैदान में मुख्यमंत्री सौंपेंगे सीजीएल के सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राज्य के लगभग 2015 युवाओं को नये साल का तोहफा देंगे। ये वही अभ्यर्थी हैं जिन्होंने झारखंड साममान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा (सीजीएल)-2023 उत्तीर्ण की है। मुख्यमंत्री 30 दिसंबर को मोरहाबादी मैदान में दिन के दो बजे सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र देंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री सचिवालय ने कैबिनेट और जिला प्रशासन को मोरहाबादी मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण को लेकर तैयारी शुरू करने का निर्देश दिया है। यहां मालूम हो कि सीजीएल परीक्षा को लेकर राज्य में काफी विवाद हुआ था। अंततः विवाद झारखंड हाईकोर्ट भी पहुंचा। हाईकोर्ट ने लंबी सुनवाई के बाद तीन दिसंबर 2025 को जेएसएससी को रिजल्ट जारी करने का आदेश दिया था। उसके बाद आठ दिसंबर को जेएसएससी ने नेपाल गए 10 अभ्यर्थियों को छोड़ अन्य सभी सफल अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी कर दिया था। रिजल्ट जारी होने के बाद पिछले एक सप्ताह से विभिन्न विभागों द्वारा सफल अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों की जांच की प्रक्रिया प्रारंभ और पूरी कर ली गयी। उसके बाद मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के आयोजन की तिथि भी तय कर दी गयी। मालूम हो कि सीजीएल परीक्षा में 847 एएसओ, 293 कनीय सचिवालय सहायक, 170 श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, 4 प्लानिंग असिस्टेंट, 191 प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, 249 प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी और 178 अंचल निरीक्षक पद के लिए अभ्यर्थी सफल हुए हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट द्वारा किसी तरह का हस्तक्षेप किए जाने से पहले नियुक्ति पत्र सौंप कर सीजीएल परीक्षा को लेकर जारी विवाद का पटाक्षेप कर देना चाहती है। क्योंकि कुछ छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में सीजीएल परीक्षा को लेकर कैविएट दायर की है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अभी कैविएट पर कोई निर्णय नहीं लिया है।

एक नजर

भारत ने अमेरिकी पक्ष से वीजा में देरी का मुद्दा उठाया

नयी दिल्ली : भारत ने नई दिल्ली और वाशिंगटन डीसी में अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष भारतीयों को वीजा जारी करने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया है। भारत का कहना है कि देरी के कारण प्रभावित व्यक्तियों और उनके परिवारों को लंबे समय तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। इसमें शिक्षा में व्यवधान भी शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि सरकार इस मुद्दे को सुलझाने और भारतीय नागरिकों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए अमेरिकी पक्ष के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को भारतीय नागरिकों से कई शिकायतें मिली हैं। उन्हें अमेरिकी वीजा अप्वाइंटमेंट शेड्यूल या रीशेड्यूल करने में देरी और दिक्कतें आ रही हैं।

सिलीगुड़ी के होटलों में बांग्लादेशी नागरिकों के प्रवेश पर रोक

सिलीगुड़ी : बांग्लादेशी नागरिकों के लिए सिलीगुड़ी के होटलों के दरवाजे बंद कर दिए गए है। शहर के विभिन्न होटलों में इस संबंध में पोस्टर टांग दिए गए है। बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय सिलीगुड़ी होटल ओनर्स एसोसिएशन की ओर से लिया गया है। गौरतलब है कि, बांग्लादेश में जारी हिंसा का असर अब भारत में भी देखने को मिल रहा है। सिलीगुड़ी में लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी स्थिति को देखते हुए शहर के होटलों में बांग्लादेशी नागरिकों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

भारत ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और बौद्धों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ चरमपंथियों के लगातार अत्याचार की घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शुक्रवार को बांग्लादेश में हाल ही में एक हिंदू युवक की हत्या की निंदा की और उम्मीद जताई कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में आज प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पड़ोसी देश से जुड़े कई प्रश्नों का उत्तर दिया। प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रमों पर भारत करीब से नजर रख रहा है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को मीडिया की अतिश्योक्ति या राजनीतिक हिंसा कह कर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अंतरिम सरकार के कार्यकाल में स्वतंत्र स्त्रोतों द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की 2,900 से अधिक घटनाएं दर्ज की गईं। प्रवक्ता ने कहा कि बांग्लादेश पर हमारा रुख शुरू से बहुत स्पष्ट और सुसंगत रहा है। भारत, बांग्लादेश के लोगों के साथ संबंधों को मजबूत करने के पक्ष में है। हम बांग्लादेश में शांति और स्थिरता चाहते हैं। हम बांग्लादेश में शांतिपूर्ण माहौल में होने वाले स्वतंत्र, निष्पक्ष, समावेशी और भागीदारी वाले चुनावों के पक्ष में हैं। चुनाव से पहले 17 साल बाद बीएनपी नेता तारिक रहमान की बांग्लादेश वापसी पर उन्होंने कहा कि हम बांग्लादेश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का समर्थन करते हैं और इस घटनाक्रम को उसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। वहीं, बांग्लादेश में पेश किए जा रहे भारत विरोधी झूठे नैरेटिव को खारिज करते हुए उन्होंने दोहराया कि कानून व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखना बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी है।

तीन दिवसीय पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का हुआ आगाज, झारखंड से अविनाश कुमार हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : देश की राजधानी नई दिल्ली में शुक्रवार से तीन दिवसीय (26 से 28 दिसंबर) पांचवें राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इस भव्य सम्मेलन का नेतृत्व प्रधानमंत्री द्वारा किया जा रहा है। सम्मेलन के माध्यम से केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, सरकारी नीतियों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने और साझा प्रयासों से शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय विकास से जुड़े अहम मुद्दों पर हो रहे इस विचार-विमर्श का उद्देश्य केंद्र-राज्य साझेदारी को और अधिक सशक्त करना है।

इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन में झारखंड सरकार की ओर से मुख्य सचिव अविनाश कुमार, परिवहन विभाग के सचिव कृपानंद झा, योजना एवं विकास विभाग के सचिव मुकेश कुमार तथा विशेष सचिव राजीव रंजन सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य प्रधानमंत्री, नीति आयोग, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों तथा विषय विशेषज्ञों के साथ समन्वित विचार-विमर्श के माध्यम से सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करना और प्रभावी शासन मॉडल विकसित करना है।

सम्मेलन में मानव पूंजी के विकास पर जोर

इस वर्ष सम्मेलन में मानव पूंजी के विकास जैसे व्यापक विषयों पर विस्तृत चर्चा हो रही है, जिसके अंतर्गत पांच प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जिनमें प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा, स्कूली शिक्षा, कौशल विकास, उच्च शिक्षा, खेल एवं पाठ्येतर गतिविधियां शामिल हैं। इसका लक्ष्य 'विकसित भारत' के लिए एक साझा विकास रोडमैप तैयार करना है। यह सम्मेलन न केवल नीति निर्माण को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि केंद्र और राज्यों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से समावेशी, सतत एवं भविष्य-उन्मुख विकास की दिशा में एक ठोस आधार भी तैयार करेगा।

इस दौरान, प्रारंभिक बाल्यावस्था, स्कूली और उच्च शिक्षा तथा कौशल विकास, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों पर विशेष जोर दिया जाएगा। यह सम्मेलन पिछले चार वर्षों से प्रतिवर्ष आयोजित किया जा रहा है।

जेन जी, जेन अल्फा ही देश को 'विकसित भारत' के लक्ष्य तक ले जाने वाली पीढ़ी है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर कहा कि जेन जी यानी 1997 से 2012 के बीच जन्मी डिजिटल-सक्षम युवा पीढ़ी और जेन अल्फा यानी 2013 के बाद जन्मे तकनीक-केंद्रित बच्चे ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचाएंगे। प्रधानमंत्री ने यहां भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जेन जी और जेन अल्फा ही भारत को ह्यविकसित भारतह्ण के लक्ष्य तक ले जाने वाली पीढ़ी है। उन्होंने कहा कि वे युवाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और सामर्थ्य को समझते हैं और इसलिए उन पर उन्हें पूरा भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि उम्र नहीं, कर्म और उपलब्धियां व्यक्ति को बड़ा बनाती हैं, और कम उम्र में भी ऐसे कार्य किए जा सकते हैं जो पूरे समाज को प्रेरणा दें।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने वीर साहिबजादों के अदम्य साहस और बलिदान को याद करते हुए कहा कि साहिबजादों ने यह नहीं देखा कि रास्ता कितना कठिन है, उन्होंने केवल यह देखा कि रास्ता सही है या नहीं। यही भावना आज भारत के युवाओं से अपेक्षित है—बड़े सपने देखना, कठिन परिश्रम करना और आत्मविश्वास को कभी डगमगाने न देना। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब उसके बच्चों और युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा। उनका साहस, प्रतिभा और समर्पण ही देश की प्रगति का मार्गदर्शन करेगा। आज देशभर में लाखों बच्चे अटल टिंकरिंग लैब्स के माध्यम से नवाचार, शोध, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सस्टेनेबिलिटी और डिजाइन थिंकिंग से जुड़ रहे हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा का विकल्प बच्चों के लिए सीखने को और सहज बना रहा है।

प्रधानमंत्री ने गुलामी की मानसिकता पर प्रहार करते हुए कहा कि साहिबजादों की गाथा देश के हर नागरिक की जुबान पर होनी चाहिए थी लेकिन दुर्भाग्यवश आजादी के बाद भी देश इस मानसिकता से पूरी तरह मुक्त नहीं हो सका। उन्होंने कहा कि 1835 में मैकाले द्वारा बोए गए गुलामी के विचारों के बीजों ने भारत की अनेक सच्चाइयों को दबा दिया। अब देश ने तय कर लिया है कि इस मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। उन्होंने कहा कि 2035 तक, जब मैकाले की इस सोच को 200 साल पूरे होंगे, तब तक हमें पूरी तरह गुलामी की मानसिकता से मुक्त होना है– यह 140 करोड़ भारतीयों का साझा संकल्प होना चाहिए। मोदी ने हालिया शीतकालीन सत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि संसद में हिंदी और अंग्रेजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लगभग 160 भाषण दिए गए, जिनमें तमिल, मराठी और बंगाली प्रमुख रहीं।

झारखंड ने दिल्ली-शिमला की ठंड का रिकॉर्ड तोड़ा, गुमला का तापमान 2.8 डिग्री रहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में सर्दी का डबल अटैक जारी है। राज्य में पड़ रही कड़ाके की ठंड ने शिमला और दिल्ली को भी पीछे छोड़ दिया है। 26 दिसंबर को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 और न्यूनतम नौ डिग्री सेल्सियस रहा, तो शिमला का अधिकतम तापमान 13 और न्यूनतम छह डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि झारखंड के गुमला का न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी रांची का पारा भी गिरकर सात डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है।

अगले दो दिनों में दो डिग्री और गिरेगा पारा

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में दो डिग्री सेल्सियस गिरने की संभावना जताई है। वहीं पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार में शीतलहर चलने का पूवार्नुमान है। वहीं रांची के आसपास के क्षेत्रों में 27 दिसंबर को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस, 28 दिसंबर को अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस और 29 दिसंबर को अधिकतम तापमान 23 और न्यूनतम नौ डिग्री सेल्सियस और 30 दिसंबर को अधिकतम तापमान 24 और न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है।

एक नजर

सनराइज एकेडमी के बच्चों को कराया गया शैक्षणिक भ्रमण

बरही : प्रखंड अंतर्गत करियातपुर में संचालित सनराइज एकेडमी के बच्चों को बोध गया का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान बोधगया के मेन मंदिर का दर्शन करवाया गया। साथ ही वहां मौजूद तालाब दिखाया गया। भगवान बुद्ध ने जहां विद्या का अर्जन किया था, उस पेड़ के संबंध में ऐतिहासिक जानकारी दी गई। इसके अलावा जहां-जहां जो निर्देश दिया गया था। उसे देखकर बताया गया। श्री राम जानकी मंदिर, जगन्नाथ मंदिर, चाइनीज बौद्ध मंदिर, जापान बौद्ध मंदिर, सिक्किम बौद्ध मंदिर के साथ साथ बच्चों को सभी मंदिरों के बारे में बताया। भगवान महात्मा बुद्ध का 108 फीट की प्रतिमा का भी लोगों को दर्शन कराया गया। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यालय की प्राचार्य सुरेश प्रसाद ने सभी बच्चों को प्रत्येक जगह पर पुरातात्विक स्थल के बारे में और उसके इतिहास के बारे में बारीकी से बताया। सभी बच्चों को सांस्कृतिक ज्ञान को देते हुए बतलाया कि हमारी प्राचीन संस्कृति किस प्रकार थी और किस प्रकार महात्मा बुद्ध ने यहां बिहार के गया जिला में स्थित बोधगया में समय बिताया था। शैक्षणिक भ्रमण में सुरेश प्रसाद, राजू प्रसाद,महेंद्र प्रसाद ,महेश कुमार,संतोष कुमार, अनिल कुमार,कुंदन कुमार, सुभाष कुमार , सीमा सिंह, डॉली देवी, सोनी देवी,सुनीता कुमारी आदि शामिल रहे।

राम जानकी मंदिर में मंगिया देवी का 16वां पुण्यतिथि मनाया गया

बड़कागांव : श्री राम जानकी मंदिर बड़कागांव में स्वर्गीय मंगिया देवी का 16वां पुण्यतिथि मनाई गई जिसकी अध्यक्षता पुजारी चिंतामणि महतो ने किया। मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।भजन कीर्तन और भंडारा का उत्तम व्यवस्था किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में मुख्य रूप सेअंतू महतो ,डोमन महतो, प्रभु राम, मनोज गुप्ता, प्रीतम महतो,बंधन महतो, चंद्ररु महतो, हरिनाथ राम, शिवम कुमार,चंदन सिंह,पप्पू सिंह,पवन कुमार, बालेश्वर महतो, पदुम महतो, कैलाश कुमार,आनंद कुमार पिंटू गुप्ता, रविंद्र लाल,कीर्तन महतो,जूठन साव,महेश्वरी राम,रामपति राम,सरजू महतो,रघुनंदन विश्वकर्मा के अलावा अन्य उपस्थित थे।

कर्णपुरा इंटर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पतरातू डैम में किया शैक्षणिक पिकनिक

बड़कागांव : कर्णपुरा इंटर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पतरातू डैम में शैक्षणिक पिकनिक का आयोजन किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पिथोरिया घाटी का भ्रमण किया तथा नौका स्टीमर की सवारी का भरपूर आनंद लिया। यह पिकनिक केवल मनोरंजन तक सीमित न होकर एक शैक्षणिक भ्रमण भी रहा। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं के बीच पतरातू थर्मल पावर प्लांट के इतिहास एवं वर्तमान में हुए परिवर्तनों पर सार्थक चर्चा की गई। जिससे विद्यार्थियों को औद्योगिक विकास की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर रामसेवक, प्रोफेसर मनीषा भारती तथा युवा नेता सोनू इराकी की गरिमामयी उपस्थिति ने छात्र-छात्राओं में विशेष उत्साह का संचार किया और पूरे भ्रमण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम का नेतृत्व प्रोफेसर आशा कुमारी एवं प्रोफेसर अक्षय पांडे द्वारा किया गया।

बांग्लादेश में हुई दीपूचंद्र दास की निर्मम हत्या पर विहिप ने निकाला आक्रोश रैली, पुतला भी फूंका

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

बरही : पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की निर्मम हत्या के विरोध में बरही में विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की ओर से जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान संगठन के कार्यकताओं ने बांग्लादेश सरकार का पुतला निकालकर बरही के चारों मार्गों पर घुमाया और अंततः बरही चौक पर उसका पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने चारों रोड तक पुतले को घुमाते हुए बांग्लादेश सरकार के खिलाफ तीखे नारे लगाए। हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो, बांग्लादेश सरकार मुदार्बाद, हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करो जैसे नारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में विहिप से जुड़े कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश में लगातार हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है और वहां की सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। दीपू चंद्र दास की हत्या इस बात का प्रमाण है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय सुरक्षित नहीं है। उन्होंने भारत सरकार से इस मामले में कड़ा संज्ञान लेने और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाने की मांग की, ताकि वहां रहने वाले हिंदुओं की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। वहीं विहिप के जिला सह मंत्री गुरुदेव गुप्ता ने कहा कि यदि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार नहीं रुके, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पुतला दहन के दौरान जगह जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुनि सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार स्वयं मौजूद रहकर विधि व्यवस्था संभाल रहे थे। पुतला दहन कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, विहिप जिला सहमंत्री गुरुदेव गुप्ता, नंदकिशोर कुमार, चंदन केशरी, कैलाश ठाकुर, पिंटू केशरी, उदय केशरी, प्रदीप चंद्रवंशी निरंजन केसरी, नितेश कुमार, चंदन केसरी, प्रकाश प्रजापति उदय केसरी, प्रदीप कुशवाहा मनोज सिंह, मुन्ना सोनी, समेत सैकड़ों अन्य विहिप एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता शामिल थे।

एकल विद्यालय का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव का मासिक आचार्य अभ्यास वर्ग की बैठक संच अध्यक्ष सह कांडतरी पंचायत पूर्वी पंचायत समिति सदस्य रंजीत कुमार चौबे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से सभी आचार्य को अपने-अपने विद्यालय के बच्चों को विधि पूर्वक पूजा अर्चना करवाने तथा अपने धर्म के बारे में जानकारी देने की बात कही गई ।साथ ही सभी आचार्यों दीदी को प्रत्येक विद्यालय में आचार्य और अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए एक-एक बैठक 5 जनवरी से आयोजित करने का प्रस्ताव दिया गया ताकि अभिभावक गणों को बच्चों को एकल विद्यालय के महत्व के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी दी जाए और अधिक से अधिक बच्चे एकल विद्यालय में उपस्थित हो सके। इसके अलावा आरोग्य शिबिर का आयोजन करते हुए सभी आचार्य दीदी एवं ग्रामीण का स्वास्थ्य जांच करवाया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से संच अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे,विश्व हिंदू परिषद प्रखंड मंत्री पिंटू गुप्ता, अन्चल प्रशिक्षक नरेश पासवान, संच प्रशिक्षक सुषमा राणा,आचार्य धनों देवी, गीता देवी, ललित देवी, रीता देवी, रानीसमस्था आचार्य उपस्थित थे।

सीपीआई के 100वें स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन, वरिष्ठ नेता नंदकिशोर सिंह हुए सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी सीपीआई का100वां स्थापना दिवस हजारीबाग स्थित पार्टी कार्यालय में उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में चौपारण प्रखंड के वरिष्ठ सीपीआई नेता नंदकिशोर सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक शामिल हुए। समारोह के मुख्य अतिथि पार्टी के पूर्व सांसद कामरेड भुवनेश्वर प्रसाद मेहता रहे ।कार्यक्रम की शुरूआत पार्टी ध्वजारोहण एवं स्थापना दिवस के संदेश के साथ की गई। इस अवसर पर पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने चौपारण के वरिष्ठ सीपीआई नेता नंदकिशोर सिंह को शॉल ओढ़ाकर एवं पार्टी का अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने नंदकिशोर सिंह के लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठन के प्रति समर्पण और जनहित के संघर्षों की सराहना की। सम्मान के बाद अपने संबोधन में वरिष्ठ नेता नंदकिशोर सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में भले ही कम्युनिस्ट पार्टी पहले की तुलना में कमजोर दिखाई देती हो लेकिन किसानों, मजदूरों और गरीबों के अधिकारों को लेकर पार्टी आज भी पूरी मजबूती के साथ संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि सीपीआई ने हमेशा शोषित, वंचित और मेहनतकश वर्ग की आवाज को बुलंद किया है और भविष्य में भी यह भूमिका निभाती रहेगी। उन्होंने हजारीबाग जिले के राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि एक समय था।

पत्रकार वन भोज कार्यक्रम का हुआ आयोजन संगठन मजबूती एवं शुद्ध पत्रकारिता पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग जिले के पत्रकारों की एक बैठक सह वनभोज कार्यक्रम का आयोजन कन्हरी फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में आयोजित किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार उमेश राणा एवं संचालन वरिष्ठ पत्रकार दीपक कुमार एवं प्रमोद उपाध्याय ने किया। बैठक में पत्रकारिता की वर्तमान स्थिति और संगठन की मजबूती को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। बैठक के दौरान पत्रकारों ने एक-दूसरे से संवाद किया और संगठन को मजबूती देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार किया। इस बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में पत्रकार शामिल हुए और वन भोज का लुत्फ उठाया। बैठक की शुरूआत में अभय सिंह ने पत्रकारिता के वर्तमान हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता का अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने पत्रकारों से अपील की कि वे शुद्ध और ईमानदार पत्रकारिता करें ताकि जनता का विश्वास जीत सकें। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन को मजबूत बनाना केवल ईमानदार पत्रकारिता से ही संभव है, ताकि जनहित के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठाया जा सके। उमेश राणा ने बैठक में अपने विचार रखते हुए कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों को एकजुट करना है, ताकि वे बिना किसी भय के अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को परेशान करने के बजाय संगठन का उद्देश्य समाज सेवा और पत्रकारों के हक की रक्षा करना है। मौके पर यह भी घोषणा किया गया कि जल्द ही पत्रकारों के लिए इंश्योरेंस की व्यवस्था की जाएगी, ताकि उनकी सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित हो सके। नवीन सिन्हा ने पिछले एक साल में संगठन के कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अब संगठन में सैकड़ों पत्रकार शामिल हो चुके हैं। उनका कहना था कि इस संगठन का उद्देश्य सिर्फ पत्रकारों के हितों की रक्षा करना है, न कि किसी के साथ उत्पीड़न करना। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि संगठन सरकार से हजारीबाग में एक पत्रकार भवन की मांग करेगा और पत्रकारों के लिए रिटायरमेंट योजनाओं, आवास और इंश्योरेंस जैसी योजनाओं का प्रस्ताव करेगा।

बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की हत्या के विरोध में निकाली गई जनाक्रोश रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं दीपू दास की हत्या के विरोध में बड़कागांव में जनाक्रोश रैली एवं मशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस की शुरूआत थाना के पास मां अंबे दुर्गा मंदिर के प्रांगण से की गई जो विभिन्न मार्ग होते हुए मुख्य चौक, डेली मार्केट में जुलूस निकाली गई। इसके बाद मुख्य चौक में बांग्लादेश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री यूनुस खान का पुतला दहन किया गया। जुलूस में हिंदुओं पर अत्याचार करना बंद करो ,बांग्लादेश होश में आओ , भारत के विभिन्न राज्यों में घुसपैठी बांग्ला देशियों को बाहर करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी एवं विश्व हिंदू परिषद के बैनर तले किया गया। जुलूस का नेतृत्व मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष प्रखंड रंजीत कुमार, पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र कुशवाहा, रंजीत चौबे, भाजपा के बड़कागांव पश्चिम मंडल अध्यक्ष शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, पूर्वी क्षेत्र के पूर्व मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, दामोदर प्रसाद मेहता, पिंटू गुप्ता, इंग्लेश सोनी, प्रमोद कुमार सोनी, रामचरित्र प्रसाद, दिनेश कुमार, राजेश यादव, उदय मेहता ,सत्यजीत विद्या अलंकार, रंजीत तुरी, दिलीप सोनी, तापेश्वर कुमार तापस, सुषमा राणा, जानू कुमारी, सुनीता कुमारी, संगीता कुमारी भानु कुमारी, कविता कुमारी बबिता कुमारी, शशि पांडेय,भोला दांगी, विमला कुमारी, बिना कुमारी ,धरती देवी, गीता कुमारी, आदि मौजूद थे।

हजारीबाग में वीर बाल दिवस का भव्य आयोजन गुरु पुत्रों की शहादत को किया गया नमन

प्रत्यूष नवबिहार हजारीबाग

हजारीबाग : स्थित गुरु गोविंद सिंह पार्क में वीर बाल दिवस बड़े ही श्रद्धा, उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिख समाज के गणमान्य नागरिकों, महिलाओं, युवाओं, आम जनमानस एवं भाजपा कार्यकताओं की सहभागिता रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद मनीष जायसवाल, मुख्य वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश पदाधिकारी विनय जायसवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद तथा अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन गुरुद्वारा प्रधान परमवीर सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विषय प्रवेश कराते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि 9 जनवरी 2022 को श्री गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत की स्मृति में वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह दिवस देश के बच्चों और युवाओं को साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देता है। अपने संबोधन में सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि वीर बाल दिवस हमें यह याद दिलाता है कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता। मात्र 6 और 9 वर्ष की आयु में जिस अदम्य पराक्रम और बलिदान का परिचय साहिबजादों ने दिया, वह इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों में सदैव अमर रहेगा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केपी ओझा, सुदेश चंद्रवंशी, अशोक यादव, टुन्नू गोप, अमरदीप यादव, आत्मप्रकाश सिंह, सरदार कुलवंत सिंह, सरदार मनमीत सिंह, दीपक पसरिया, राजीव बगा, गुरदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह, राजदीप सिंह, देवेंद्र सिंह, बलजीत सिंह, आनंद देव, दामोदर सिंह, सुमन कुमार, राजवेंद्र सिंह, अरविंद सिंह, मनिंदर सिंह, बटेश्वर मेहता, जय नारायण प्रसाद, कुणाल किशोर, इंद्र नारायण कुशवाहा, राजकरण पांडे, श्रीप्रकाश झा, चंदन सिंह, मनोरमा राणा, विनोद झुनझुनवाला, शेफाली गुप्ता, सुबोध सिंहा, अविनाश कसेरा, मनोज गिरी, ज्योत्सना देवी, श्वेता सिंहा, शिबू मेहता, दीपक मेहता, प्रकाश कुशवाहा, श्रीपाल यादव, ऋषि शर्मा, विवेक बैरियर, अजीत चंद्रवंशी, कुलदीप कृष्णा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सहयोग आशा ट्रस्ट ने 200 जरूरतमंदों के बीच किया कंबल का वितरण

बरही : बरकट्ठा प्रखंड अंतर्गत ग्राम गैड़ा, बसरामों एवं छहरामो में सहयोग आशा ट्रस्ट ने 200 गरीब जरूरतमंद परिवारों के बीच कंबल का वितरण किया। इस दौरान गैड़ा पंचायत के उपमुखिया चन्द्रदीप पांडेय एवं पंसस सोनिया कुमारी मुख्य रूप से मौजूद थे। वहीं कंबल पाकर जरूरतमंदों कद चेहरों पर संतोष और राहत साफ दिखाई दे रहा था। साथ ही जरूरतमंद परिवारों ने सहयोग आशा ट्रस्ट का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस ठंड में कम्बल उनके लिए काफी बड़ी मदद साबित होगी। इस दौरान ट्रस्ट के सुपरवाइजर सीताराम सिंह ने कहा कि ट्रस्ट का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं और सहायता को पहुंचाना ही उनका उद्देश्य है। मौके पर को - ऑर्डिनेटर नीरज सिंह, किरण देवी, सविता देवी एवं गुड्डू कुमार समेत सैकड़ों अन्य महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

अनुपम की मौत से बड़कागांव में शोक, भारी संख्या में अंतिम संस्कार में लोग हुए शामिल

बड़कागांव : पूर्व पत्रकार स्वर्गीय उपेंद्र नाथ मालाकार के इकलौते पुत्र 24 वर्षीय अनुपम कुमार की कार दुर्घटना में मौत हो जाने को लेकर बड़कागांव प्रखंड में शोक व्याप्त है। शव की पोस्टमार्टम के पश्चात शुक्रवार को ठाकुर मोहल्ला श्मशान घाट में अंतिम संस्कार कर दिया गया मुखग्नि आशीष मालाकार ने दी। अंतिम संस्कार में भारी संख्या में ग्रामीण एवं पत्रकार शामिल हुए। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को अनुपम अपने मित्रों के साथ नेतरहाट पर्यटन स्थल का भ्रमण कर अपनी कार से सुबह वापस घर आ रहे थे। इसी दरमियान विष्णुपुर स्थित गुरूदारी थाना अंतर्गत चोरकाखांड के पास लगभग सुबह 8:00 बजे अनियंत्रित कार पेड़ से जा टकराई थी, जिसमें अनुपम की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। कार अनुपम के दोस्त नाहिद चला रहा था। शोक सभा में दो मिनट का मौन धारण कर लोगों ने भगवान से उनकी आत्मा शांति के लिए प्रार्थना की। ज्ञात हो अनुपम की मां पम्मी कुमारी सहायक अध्यापिका हैं। अनुपम के गुजर जाने से पूरा परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। शोक व्यक्त करने वालों में मुख्य रूप से विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पूनम साहू ,भाजपा मंडल अध्यक्ष शिव शंकर कुमार उर्फ शिबू, पंसस रितेश ठाकुर, किशोर कुमार, उदय कुमार, बीनू माली, विनोद सिन्हा, यदुनंदन मिश्रा, लखेन्द्र ठाकुर ,आदित्य प्रजापति ,सुधीर जायसवाल ,रजनीश मिश्रा, अमित मालाकार, नीरज मालाकार, आशीष मालाकार, बैजनाथ रजक, रविंद मालाकार, प्रवेश मालाकार, सूरज कुमार, गौतम कुशवाहा, हरिश्चंद्र प्रसाद, राजू सोनी, रोहित सोनी, प्रमोद सोनी ,इंग्लेश सोनी, अखिलेश सोनी ,मन्नू चौधरी, रोहित कुमार के अलावा अन्य शामिल थे।

शैक्षणिक भ्रमण से बच्चों में पढ़ाई के प्रति जिज्ञासा बढ़ती है

बड़कागांव : प्रखंड के तलसवार पंचायत में संचालित लिटिल एंजल्स पब्लिक स्कूल, कोयलंग करमाटांड़ के बच्चों को विद्यालय प्राचार्य अजय कुमार के निदेर्शानुसार जैव विविधता उद्यान, रांची एवं पतरातू डैम का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। जैव विविधता उद्यान में बच्चों ने कैक्टस जोन, बम्बू जोन, चिल्ड्रेन पार्क, सनसेट प्वाइंट, टर्टल पार्क, ग्रास जोन, वाटर फॉल एवं पंचवटी जोन का भ्रमण किया जहां विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे व फूल पाए गए। वहीं बच्चों ने पतरातू डैम में नौका चालन का आनंद उठाया। प्राचार्य अजय कुमार ने बच्चों को भ्रमण के दौरान काफी सावधानी बरतने का निर्देश पालन करने को कहा। शैक्षणिक भ्रमण में शामिल प्राचार्य अजय कुमार, सहायक शिक्षक - जीतन बेसरा, शिक्षिका रेखा कुमारी, रूबी जया, अनिल राज, राहुल करमाली, सहित बच्चों में रानी कुमारी, खुशी कुमारी, दीपिका कुमारी, मानसी, लक्ष्मी, रीतिका, डोली,अमृता, पुष्पा, निधि, आरुषी, रुही, संध्या, आंचल ,बिपिन, शिवम, मिथुन , बादल, सुनील , बजरंगी, नोनित, प्रियांशु, आयुष, विपुल, विवेक, बादल, प्रितम, आनन्द, राजवीर, हिमांशु, निवेश, टिकेश्वर, पवन सहित अन्य बच्चे शामिल थे।

डॉ. भीमराव अंबेडकर पब्लिक स्कूल मलकोको में 13वां वार्षिकोत्सव का होगा आयोजन

बरही : मलकोको स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पब्लिक स्कूल अपने 13वें वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाने जा रहा है। इस अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें स्कूल के छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे से शुरू होगा और इसे लेकर बच्चों और शिक्षकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इस वार्षिकोत्सव के मुख्य अतिथि बरही विधायक मनोज कुमार यादव होंगे। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिनमें कैलाश गंगवाने (द्वितीय कमांडेंट, 203 कोबरा, बरही), अजित कुमार विमल (एसडीपीओ बरही), किसुन यादव (जिला परिषद उपाध्यक्ष सह जिला परिषद, बरही पूर्वी), रमेश ठाकुर (जिला उपाध्यक्ष, भाजपा), विजय कुमार यादव (मुखिया संघ अध्यक्ष सह मुखिया, मलकोको), बिनोद कुमार (थाना प्रभारी, बरही), मो. क्यूम (पूर्व जिला परिषद प्रतिनिधि) और सहदेव प्रसाद (पंचायत समिति, मलकोको) शामिल हैं। विद्यालय परिवार ने क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और अभिभावकों से इस वार्षिकोत्सव में उपस्थित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह समारोह बच्चों और अभिभावकों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने की राज्य की जनता से शीतलहर में सावधानी बरतने की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में जारी शीतलहर को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों से सतर्क रहने और सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों से अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने का आग्रह किया है, विशेषकर सुबह और शाम के समय, जब ठंड का प्रकोप अधिक रहता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए सभी नागरिक गर्म कपड़े पहनें और विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने ठंड से बचाव के लिए अलाव या हीटर का उपयोग करते समय पूरी सतर्कता बरतने की सलाह दी है, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके। साथ ही उन्होंने कमरों में उचित वायु संचार (वेंटिलेशन) बनाए रखने पर भी जोर दिया है।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति में खांसी-जुकाम, अत्यधिक कमजोरी, सांस लेने में कठिनाई, चक्कर आना या भ्रम जैसी समस्याएं दिखाई दें, तो इसे हल्के में न लें और तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या चिकित्सक से संपर्क करें। आपात स्थिति में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सेवाओं का लाभ लेने की अपील करते हुए उन्होंने बताया कि नागरिक 108 एंबुलेंस सेवा, 104 स्वास्थ्य हेल्पलाइन या 1800-345-6540 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्यवासियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस कठिन मौसम में सरकार पूरी तरह सतर्क है। उन्होंने लोगों से प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी अपील की।

15वें वित्त आयोग का 275.12 करोड़ झारखंड को मिला

रांची : केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में झारखंड को 27512.53 लाख रुपये विमुक्त कर दिया है। केंद्र सरकार ने राशि विमुक्त करने के आदेश के साथ ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से यह अनुरोध किया है कि वह इस राशि के झारखंड सरकार के खाते में ट्रांसफर कर दें। यह राशि Untied फंड के रूप में दी गयी है। यानी सरकार संबंधित क्षेत्र की जरूरतों के हिसाब से इस पैसे को खर्च कर सकती है। केंद्र सरकार ने 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के आलोक में इस राशि को विमुक्त करते हुए इसे 4342 पंचायतों और 253 पंचायत समितियों और 24 जिला परिषदों के माध्यम से खर्च की जायेगी।

एक नजर

झारखंड जदयू कार्यसमिति की बैठक 10 जनवरी को होगी

रांची : झारखंड प्रदेश जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने आगामी कार्य समिति बैठक की तारीख तय कर दी है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले यह बैठक 5 जनवरी को आयोजित होने वाली थी, लेकिन अब इसे 10 जनवरी को बुलाया गया है। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो और विधायक सरयू राय रांची से सदस्यता अभियान की शुरूआत करेंगे। इसके बाद, राज्य के सभी जिलों में पार्टी के नेता जोरो-शोर से सदस्यता अभियान चलाएंगे। इस अभियान का लक्ष्य है कि राज्य भर के पांच लाख लोगों को पार्टी से जोड़ा जाए। सागर कुमार ने बताया कि बैठक बीआईटी मोड़ के समीप पार्टी के प्रदेश कार्यालय में सुबह 11 बजे से आयोजित होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो करेंगे, जबकि बैठक में विधायक सरयू राय भी उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में जदयू के सभी जिला और नगर अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, प्रकोष्ठों के अध्यक्ष और विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे। बैठक में पार्टी के संगठन और आगामी सदस्यता अभियान की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। यह बैठक पार्टी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसके माध्यम से सदस्यता अभियान को मजबूती देने के साथ-साथ राज्य में पार्टी की पकड़ बढ़ाने की कोशिश की जाएगी।

केंद्र सरकार हस्तक्षेप करे या मॉब लिचिंग करनेवालों को बंग्लादेश भेजे : पंकज मिश्र

रांची : जयप्रकाश जनता दल के राष्ट्रीय सचिव पंकज मिश्र ने बंगलादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर चिंता प्रकट करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि डिप्लोमेटिक स्तर पर अगर समाधान नहीं निकलता तो उसके साथ कड़ाई से पेश आने की जरूरत है। भारत में हिन्दुओं की रक्षा के नाम पर राजनीति करनेवाले क्या कर रहे हैं? बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद, गोरक्षकों को बंग्लादेश भेज देना चाहिए। बंग्लादेश में उनकी जरूरत है। जहां अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहा। श्री मिश्र ने कहा कि भारत के सभी पडोसी देश अब भारत को ही आंखें दिखा रहे हैं और हम खुद को विश्व गुरु मान लिए हैं। सच्चाई है कि हमारी विदेश नीति पूरी तरह फेल है। उसका नतीजा है कि नेपाल और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश भी हमारी नहीं सुन रहे। इधर देश के भीतर माह लिचिंग की घटना आम हो गयी है। हिन्दुओं के तथाकथित ठेकेदार लोंगो की जान ले रहे हैं और सरकार चुप है। ऐसे ठेकेदारो को तत्काल बांग्लादेश भेज देने की जरूरत है।

सहायक आचार्य के पोस्टिंग को लेकर शिक्षक नाराज

रांची : रांची में सहायक आचार्यों की नियुक्ति के बाद अब पोस्टिंग को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नवनियुक्त शिक्षकों ने जिला प्रशासन पर मनमानी और बिना किसी नियम के पोस्टिंग करने का आरोप लगाते हुए मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को 100 से अधिक शिक्षक अपनी शिकायतों के साथ रांची डीसी कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों का कहना है कि प्रशासन ने पोस्टिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती, जिससे योग्य शिक्षकों के साथ अन्याय हुआ है। शिक्षकों की सबसे बड़ी नाराजगी महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों को लेकर है। आरोप है कि महिला सुरक्षा और शारीरिक अक्षमता का ध्यान रखे बिना उन्हें घर से सैकड़ों किलोमीटर दूर भेज दिया गया है। शिक्षकों ने बताया कि कई लोगों को बुढ़मू से तमाड़ और कांके से लापुंग जैसे दूरदराज के इलाकों में पोस्टिंग दी गई है, जिससे ड्यूटी करना उनके लिए बेहद मुश्किल हो गया है।

अमोल विनुकांत होमकर सीआरपीएफ में पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केंद्रीय गृह मंत्रालय ने झारखंड कैडर के वर्ष 2004 बैच के आईपीएस के अधिकारी अमोल विनुकांत होमकर को एक अहम जिम्मेदारी सौंपते हुए सीआरपीएफ में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रतिनियुक्ति के आधार पर की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में एक आधिकारिक पत्र जारी कर झारखंड सरकार को नियुक्ति की जानकारी दी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि आईपीएस अधिकारी अमोल विनुकांत होमकर को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण करने के लिए शीघ्र कार्यमुक्त किया जाए। गृह मंत्रालय के इस निर्णय के बाद झारखंड सरकार की ओर से आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी कर अधिकारी को केंद्रीय सेवा के लिए रिलीव किए जाने की संभावना है। अमोल विनुकांत होमकर को सीआरपीएफ में आईजी के रूप में संगठनात्मक और संचालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, उनकी नियुक्ति से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कार्यों को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस संबंध में आगे की औपचारिकताओं की प्रक्रिया जारी है।

रांची से पटना पहुंचा गुरु गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व जत्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व के अवसर पर रांची से निकला जत्था शुक्रवार को बिहार की राजधानी पटना पहुंचा। इस अवसर पर आयोजित नगर कीर्तन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। गुरुनानक सत्संग सभा से जुड़े श्रद्धालुओं के जत्थे में कीर्तन मंडली ने शबद गायन किया। इसमें शीतल मुंजाल, नीता मिड्ढा, मंजीत कौर, रेशमा गिरधर, इंदर मिड्ढा, रमेश पपनेजा और सुरजीत मुंजाल ने भक्ति भाव से कई शबद गाए, जिनमें प्रमुख शबद थे - 'वाहो वाहो गोविंद सिंह आपे चेला..', 'चलो सिंहो दरशन करिए गुरु गोबिंद सिंह आए ने..', 'अवचल नगर गुरु गोविंद का नाम जपत सुख पाया राम..'। गुरु नानक सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि तख्त श्री हरमंदिर साहिब, पटना में प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में शनिवार रात रैन सवाई दीवान का आयोजन होगा। इसमें रांची से आए जत्थे की संगत शामिल होगी और जत्था के सदस्य लंगर सेवा सहित अन्य कार्यों में अपना योगदान देंगे। नगर कीर्तन की शुरूआत गुरुद्वारा गायघाट से दोपहर में हुई। पुष्पों से सुसज्जित पालकी पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को विराजमान कर पंच प्यारे और पांच निशानचियों के नेतृत्व में नगर कीर्तन निकाला गया। यह अशोक राजपथ, पश्चिम दरवाजा, गुरहट्टा, खाजेकलां, मच्छरहट्टा, चौक होते हुए तख्त श्री हरिमंदिर साहिब जी, पटना साहिब पहुंचा। इस विशाल नगर कीर्तन में विभिन्न गुरुद्वारों और प्रदेशों की कीर्तन मंडलियां, हाथी-घोड़े, बैंड-बाजा, ऊंट, गतका पार्टी, स्कूली बच्चे और निहंग समूह शामिल थे।

पहचान और सोच बदलने से ही सशक्त होंगी महिलाएं : डॉ स्वाति पराशर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पिछड़ा हम इसलिए नहीं है कि हम गरीब है। हमारी सोच में गरीबी है जिस कारण हम स्वयं को पिछड़ा मानते हैं। इसलिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि हम अपनी पहचान, अपनी सोच और अपनी क्षमता के बारे में लगातार काम करें। उक्त बातें प्रख्यात शिक्षाविद डॉ स्वाति पराशर ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन में आयोजित महिला सशक्तिकरण पर आयोजित कार्यशाला में बोल रही थी। डॉ स्वाति पराशर वर्तमान में स्वीडन देश में प्रोफेसर के पदपर कार्यरत है। इस कार्यशाला में अनगड़ा और नामकोम प्रखंड के 20 गांवों की जनप्रतिनिधि शामिल हुए। डॉ स्वाति पराशर ने कहा कि अब जमाना नहीं है कि किसी को विसा से रोका जा सके। लेकिन इसके लिए हमें अपने प्रयासों को दिशा देने की जरूरत है। हर कदम पर हमें लड़ने की जरूरत नहीं है। हम गलत नहीं है तो अपनी बात को सरलता और तार्किक तरीके से कोई गलत है। यह जरूरी नहीं है। बस सरलता के साथ अपनी बात रखें। हम जो हैं उस पहचान को बचाए। हम अपनी पहचान के लिए काम करें। विदेश में अपनी भारतीय संस्कृति और पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए काम किया जा रहा है। यह सदैव याद रखे कि पहचान ही जोड़ती है और गौरव का अनुभव कराती है। विविधता में जीवन का आनंद है, यह कहीं दूसरे जगह नहीं मिलेगा। उपप्रमुख वीणा महतो ने कहा कि उषा मार्टिन लगातार महिला सशक्तिरण पर कार्य कर रहा है। इससे गांव के जनप्रतिनिधियों में आत्मविश्वास का संचार होता है। महिलाओं को अपने कार्य के लिए एक प्रेरणा मिलती है। अनगड़ा की जिला परिषद सदस्य अनुराधा मुंडा ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़ने में बहुत बाधाएं आती हैं। इन बाधाओं को हिम्मत और विश्वास के साथ पार कर ही सफलता मिलती है। इस अवसर पर अनगड़ा का उपप्रमुख जयपाल हजाम, महिलौंग का मुखिया संदीप तिर्की, टाटी का मुखिया कृष्णा पाहन, टाटी पश्चिम का मुखिया अजय सिंह, चतरा का किस्टो कुजूर, हेसल पंचायत के सरपंच मादरा मुंडा और शीला देवी, सालहन की मुखिया सरिता तिर्की और उपमुखिया विमला चैधरी आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय जूनियर थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड को मिला तीन पदक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कर्मवीर नवीन चंद्र बोडोलोई इंडोर स्टेडियम, सरुसजाई, गुवाहाटी में आयोजित तीन दिवसीय 31वीं राष्ट्रीय जूनियर थांग-ता चैंपियनशिप में झारखंड को तीन पदक मिले हैं। झारखंड थांग-ता संघ के अध्यक्ष रंजीत केशरी ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गत 22 दिसंबर से शुरू इस मैच का समापन हुआ। जिसके साथ ही झारखंड के रांची निवासी कौशिकी सिंह ने रजत पदक जीता है। इसके साथ ही पलामू के रेहान कादरी तथा धनबाद की कशिश कुमारी ने भी अपने अपने भार वर्ग में बेहतर प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप में रामस्वरूप हेम्ब्रम के नेतृत्व में झारखंड से 14 खिलाडियों ने भाग लिया था। सभी पदक विजेता खिलाडियों को झारखंड थांग-ता संघ के संरक्षक सुनील कुमार, अध्यक्ष रंजीत केशरी, महासचिव मनोज शर्मा, कोच ममता पांडे, सोनामोती कुमारी सहित अन्य ने बधाई दी है।

108 एंबुलेंस सेवा व राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना में बड़े सुधार, मोबाइल ऐप से होगी एंबुलेंस की बुकिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ व पारदर्शी बनाने का फैसला लिया है। 108 एंबुलेंस सेवा और राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने की।रांची स्थानीय गाइड

बैठक में 108 एंबुलेंस सेवा को आधुनिक और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि एक मोबाइल ऐप विकसित किया जाए, जिसके माध्यम से आम लोग ऐप डाउनलोड कर या 108 नंबर पर कॉल कर आसानी से एंबुलेंस बुक कर सकें।

इस व्यवस्था में निजी एंबुलेंस की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। निजी एंबुलेंस को प्रति किलोमीटर तय दर के आधार पर भुगतान किया जाएगा। इसके लिए निजी एंबुलेंस का विभागीय सर्टिफिकेशन, निबंधन और नियमित मूल्यांकन अनिवार्य होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर एंबुलेंस का निबंधन रद्द किया जा सकेगा। ममता वाहन को भी इसी मोबाइल ऐप से जोड़ने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सॉफ्टवेयर तैयार करने के लिए आरएफपी जारी करने और एंबुलेंस संचालन से जुड़ी कंपनी द्वारा सॉफ्टवेयर का संचालन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही सॉफ्टवेयर को हर वर्ष अपडेट करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में एंबुलेंस की भौतिक स्थिति पर भी ध्यान दिया गया। मौजूदा एंबुलेंस की डेंटिंग-पेंटिंग कराने और नई खरीदी जाने वाली एंबुलेंस की प्रत्येक चार वर्ष में पेंटिंग कराने का निर्देश दिया गया, ताकि एंबुलेंस अच्छी स्थिति में रहकर समय पर बेहतर सेवा दे सकें। राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना की समीक्षा करते हुए अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वर्तमान बीमा कंपनी का कार्यकाल फरवरी में समाप्त हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिया कि समय से पहले नई बीमा कंपनी का चयन कर लिया जाए, ताकि राज्यकर्मियों को इलाज में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के प्रमुख अस्पतालों में सीजीएचएस दर पर इलाज सुनिश्चित किया जाए। बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों के जिलों और सभी महानगरों में भी सीजीएचएस दर पर अस्पतालों का निबंधन कराने के निर्देश दिए गए, ताकि राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत बाहर इलाज कराने में कोई बाधा न आए।

संक्षिप्त खबरें

15वीं ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 के लिए झारखंड की टीम ओडिशा रवाना

रांची : 15वीं ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आज झारखंड से 100 से अधिक खिलाड़ी ओडिशा के लिए रवाना हुए। इस प्रतियोगिता में रांची, बोकारो, धनबाद, हजारीबाग, गिरिडीह एवं रामगढ़ जिलों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। झारखंड का प्रतिनिधित्व आरटीसी पब्लिक स्कूल, अनगड़ा (रांची) द्वारा किया जा रहा है, जो राज्य के लिए गर्व का विषय है। सभी खिलाड़ी उत्कल कराटे स्कूल, झारखंड शाखा के मुख्य प्रशिक्षक महादेव गोप, नकुल यादव, विक्रम नायक एवं विक्रम प्रमाणिक के कुशल मार्गदर्शन एवं देखरेख में ओडिशा रवाना हुए। खिलाड़ियों को रवाना करते समय पब्लिक स्कूल, अनगड़ा के प्राचार्य नरेंद्र नाथ महतो ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र व राज्य का नाम रोशन करने का सशक्त माध्यम है। हमें पूर्ण विश्वास है कि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय मंच पर झारखंड का नाम गौरवान्वित करेंगे। इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक महादेव गोप ने अपने संक्षिप्त वक्तव्य में कहा कि हमारे सभी खिलाड़ी पूरी मेहनत, लगन और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। हमें पूरा भरोसा है कि वे इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड के लिए पदक जीतेंगे। अंत में विद्यालय प्रबंधन, प्रशिक्षकगण एवं अभिभावकों ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य एवं सफलता की कामना की।

अपार्टमेंट में लगी भीषण आग, लोगों में अफरा-तफरी

रांची : रांची के पुराना अरगोड़ा चौक से कटहल मोड़ जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित पर्ल आर्किड अपार्टमेंट में शुक्रवार की सुबह भीषण आग लग गई। यह आग अपार्टमेंट के सबसे ऊपर वाले फ्लोर पर लगी, जिससे पूरे सोसाइटी में हड़कंप मच गया। अचानक आग लगने से अपार्टमेंट में रह रहे लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग अपनी जान बचाने के लिए तेजी से नीचे की ओर भागे। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लेकिन अगलगी के कारण अपार्टमेंट के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं अपार्टमेंट में आग लगने की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मौके पहुंचे और फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। थाना प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि 11वें तल्ले में आग लगी थी। सात दमकल ने दो घंटे काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अगलगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग शॉर्ट सर्किट से लगा था।

झारखंड में आज से तापमान में होगी दो डिग्री की गिरावट

रांची : झारखंड के विभिन्न जिलों में शनिवार से तापमान में दो डिग्री की गिरावट होने की संभावना है। इसकी वजह से कनकनी में और वृद्धि होगी। यह जानकारी शुक्रवार को मौसम विभाग ने दी। विभाग के अनुसार तापमान में गिरावट के बाद फिर से धीरे-धीरे तीन डिग्री की वृद्धि होगी। वहीं अगले पांच दिनों तक राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में मौसम पूरी तरह साफ रहेगा। मौसम विभाग ने दिसम्बर माह तक कड़ाके की ठंड पड़ने की संभावना जताई है। इसके अलावा अगले पांच दिनों तक सुबह और शाम में मध्यम दर्जे का कुहासा रहने की भी बात कही गई है। इधर, शुक्रवार को रांची सहित आसपास के जिलों में सुबह से मौसम साफ रहा, लेकिन सुबह में भारी कनकनी महसूस की गई। दोपहर में धूप में तल्खी महसूस की गई। बावजूद इसके मध्यम दर्जे की ठंडी हवा चलने के कारण लोगों को गर्मी का एहसास नहीं हुआ। वहीं, शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 21.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम 10 डिग्री, डाल्टनगंज में 23.2 और 5.6 डिग्री, बोकारो में 21.6 और 7.5 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 26.8 और न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

आचार्यकुलम स्कूल में वार्षिक खेल दिवस का हुआ भव्य आयोजन

रांची : आचार्यकुलम स्कूल में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन अत्यंत धूमधाम और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ पूज्य स्वामी दिव्य देव जी, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुभाष कुमार तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण की उपनिदेशक एवं ओलंपियन श्रीमती सीमा कुमारी तथा प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी सुमराय टेटे की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अतिथियों की उपस्थिति से विद्यालय परिसर खेल भावना, अनुशासन और उत्साह से ओत-प्रोत नजर आया।

आर्चबिशप ने जरूरतमंदों में बांटा भोजन और कंबल

रांची : रांची कैथलिक पल्ली के तत्वावधान में सोसाइटी ऑफ सेंट विंसेंट डी पॉल की ओर से शुक्रवार को लोयोला ग्राउंड में जरूरतमंदों भोजन वितरण किया गया। इस अवसर पर आर्चविशप विंसेंट आईंद ने और राज्यसभा सांसद महुआ माझी ने जरूरतमंदों में भोजन और कंबल का वितरण किया। कार्यक्रम की शुरूआत महाधर्माध्यक्ष विंसेंट आईंद ने सभी के लिए अच्छे जीवन और ईश्वर की कृपा की कामना की। इसके बाद उन्होंने उपस्थित जरूरतमंद लोगों को भोजन और कंबल प्रदान किया। आर्चविशप ने बताया कि सोसाइटी ऑफ सेंट विंसेंट डी पॉल वर्ष 1975 से निरंतर क्रिसमस के बाद गरीबों को भोजन खिलाने एवं कपड़े वितरण का कार्य करती आ रही है। इस अवसर पर सांसद महुआ माजी ने भी जरूरतमंदों में भोज और कंबल का वितरण किया और समाजसेवकों के कार्य की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

एक नजर

सांसद खेल महोत्सव में रॉयल स्कूल के मनीष का उत्कृष्ट प्रदर्शन

बोकारो : धनबाद लोकसभा क्षेत्र में चल रहे सांसद खेल महोत्सव मैं आयोजित खेल प्रतियोगिता में रॉयल पब्लिक 9 के कक्षा 5 के छात्र मनीष कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मनीष की इस उपलब्धि से विद्यालय और अभिभावकों में खुशी की लहर है। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश कुमार ने मनीष को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए कहा यह उपलब्धि उसकी मेहनत, अनुशासन और नियमित अभ्यास का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय हमेशा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेलों को प्रोत्साहित करता रहेगा। खेल महोत्सव की सराहना करते हुए उन्होंने कहा क्षेत्र के छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक बेहतरीन मंच प्रदान किया। मनीष कुमार की इस सफलता ने अन्य छात्रों को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

डीएवी सेक्टर-4 में भव्य वार्षिक खेलकूद समारोह छात्रों ने दिखाया जोश

बोकारो : विद्यार्थियों के समन्वित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीएवी विद्यालय सेक्टर -4 में वार्षिक खेलकूद समारोह का दो दिवसीय भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं अनुशासित वातावरण में आरंभ हुआ। वार्षिक खेल महोत्सव में विद्यालय के नर्सरी से लेकर कक्षा-11 तक के छात्र-छात्राएँ सम्पूर्ण जज्बे और जोश के साथ भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भन मुख्य अतिथि डा० जयदीप सरकार(चीफ कोच इंडियन वालीबॉल टीम, ओलंपिक एजुकेटर एंड कंसलटेंट)को पुष्प गुच्छ समर्पण एवं सुमधुर स्वागत गीत स्वागत बारम्बार हो आप का प्रस्तुति के साथ हुआ। मौके पर विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य श्री अनुपाल सागर(8/बी)एवं सुनील कुमार (9/ई)अन्य गणमान्य जन श्री बी एस जयसवाल एल एमसी उपाध्यक्ष एवं बह्मभूषण जी उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जीत हार आशा निराशा के बीच बढ़ते कदम भारत की उपलब्धियों को दशार्ती तथा जश्ने आजादी : वंदे भारत, खेल जगत में विश्व पटल पर भारत के बढ़ते दबदबे एवं उपलब्धियां को दशार्ती एक भव्य नृत्य प्रस्तुति ने जहाँ समस्त अतिथिवृंद को गर्व और हर्ष से भर दिया वही अंब्रेला ड्रीम डांस में विविध रंग बिखेर के बच्चों ने मनोहारी शमां बाधा । मार्च पास्ट में सम्मिलित विभिन्न हाउस के बच्चे कदम- से-कदम मिलाते हुए खेल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दशार्या तत्पश्चात मशाल प्रज्वलन के साथ स्पोर्ट्स इवेंट की विधिवत प्रक्रिया आरंभ हुई।

विद्यालय के प्राचार्य श्री एसके मिश्रा ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को खेल भावना के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपनी अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि किसी भी महान खिलाड़ी के खेल यात्रा विद्यालय स्तर से ही शुरू होता है जैसे धोनी। खेलकूद समारोह के दौरान 100,200,400,800,1500 मीटर दौड, लंबी कूद, ऊँची कूद, त्रिकूद ,रिले रेस, जैवलिन, डिस्कस, शॉट पुट सहित विभिन्न एथलेटिक एवं सामूहिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

पेसा कानून को मंजूरी मिलने पर बोकारो में निकली 'आभार यात्रा'

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड कैबिनेट द्वारा ऐतिहासिक पेसा कानून को मंजूरी दिए जाने की खुशी में शुक्रवार को बोकारो के बिरसा चौक पर एक विशाल 'आभार यात्रा' का आयोजन किया गया। बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी के नेतृत्व में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लोग माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोकारो नया मोड़ में जुटें। बोकारो को भी पेसा क्षेत्र में शामिल करने की उठी मांग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोकारो जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि पेसा कानून का लागू होना झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों के लिए एक बड़ी जीत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष आग्रह करते हुए कहा, बोकारो जिला में लगभग ढाई लाख आदिवासी निवास करते हैं। हम मांग करते हैं कि उनकी जनसांख्यिकी और भावनाओं को देखते हुए बोकारो जिला को भी पेसा कानून के तहत शामिल किया जाए, ताकि यहाँ के लोगों को भी स्वायत्तता और अधिकार मिल सके। वहीं झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने झारखंड प्रदेश की जनता की वर्षों पुरानी लंबित मांग को कैबिनेट में पास कर यह साबित कर दिया है कि यह सरकार जनभावनाओं के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने कहा, हम इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री जी का दिल से आभार व्यक्त करते हैं और आशा करते हैं कि बोकारो जिला को भी इस कानून का लाभ देकर यहाँ के आदिवासि एवं मूलवासीयों को गौरवान्वित किया जाएगा। मुख्य रूप से जिला सचिव मुकेश महतो, केंद्रीय सदस्य हीरालाल मांझी, बीके चौधरी, फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम ,समर मुंडा, संजय केजरीवाल प्रमोद तापड़िया, किरण बाउरी,लुदू मांझी, रामदयाल सिंह, कालीपत महतो, सुभाष महतो, मनोज टुडू, कन्हैया सिंह, आलोक सिंह, शांति सोरेन, शांति किस्कू , जगदिस हेंब्रम, सानिया खातून,सदानंद गोप, उदय कुंभकार, कुसुम भारती, सृष्टि देवी ,पंकज मरांडी प्रदीप यादव रणधीर रजक, मस्तान अंसारी, सुमन वर्मा, रंजीत महतो, अकलू मांझी ,अरसल मरांडी, मागाराम दे, श्रेष्ठ ठाकुर, सुरेंद्र कुमार, शंकर कुमार, भरत यादव, दिनेश यादव, सोमनाथ सरकार, सलीम अंसारी, भीम सोरेन, दीपक कुमार आदि मौजूद थे ।

कुमार अमित ने दी बीएसएल के नवनियुक्त प्रभारी निदेशक प्रियरंजन को बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : स्टील प्लांट के नवनियुक्त प्रभारी निदेशक प्रियरंजन को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। कुमार अमित ने प्लांट में आए दिन हो हो रही दुर्घटना पर रोक लगाने, बीएसएल और इसके ठेका कर्मचारियों की सुविधाओं में बढ़ोतरी, प्लांट के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित विस्तारीकरण परियोजना को जमीन पर उतरने, शहर के विकास और बोकारो वासियों के बीएसएल से सम्बंधित समस्याओं के समाधान की उम्मीद जताई है। इस अवसर पर कुमार अमित ने कहा कि श्री प्रियरंजन के प्रभारी निदेशक की नियुक्ति से बीएसएल से जुड़े हर तबके के लोग बोकारो के विकास और अपनी बेहतरी के प्रति बहुत आशान्वित है। स्थानीय एवं अप्रेंटिस प्रशिक्षित विस्थापित युवाओं को भी रोजगार के अवसर उपलब्ध होने की आशा है। कर्मचारी एवं ठेका कर्मचारियों को भी अपने लम्बित मांगों के पुरा होने की उम्मीद है। नए निदेशक प्रभारी की नियुक्ति से प्लांट के स्थगित विस्तारिकरण परियोजना के धरातल पर उतरने का भी मार्ग प्रशस्त होगा और बीजीएच को सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनने का सपना भी पुरा होगा जिससे यहां के नागरिकों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध होगीं । कुमार अमित नें यहां के युवाओं सहित सभी नागरिकों से विकसित बोकारो बनाने के लिए नवनियुक्त प्रभारी निदेशक श्री प्रियरंजन के द्वारा किए जाने वाले हर प्रयास में सहयोग की भी अपील की है।

चंदवारा में महाराजा अहिवरन जयंती मोदी बरनवाल मिलन सह सम्मान सभा का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : चंदवारा पिपराडीह स्टेशन रोड स्थित राज मार्केट में महाराजा अहिवरन की जयंती मोदी बरनवाल परिवार के द्वारा बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। मौके पर महाराजा अहिवरन जयंती पर कई पदाधिकारीगण के द्वारा समाज में एकता का संदेश देते हुए महाराजा अहिवरन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, जिला अध्यक्ष अजय बर्णवाल, समाज सेवी महरू मोदी, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी, चंदवारा प्रखंड प्रमुख मंजू देवी, चंदवारा प्रखंड अध्यक्ष विनोद बर्णवाल, डॉक्टर सुनील कुमार मोदी,पंचायत अध्यक्ष मनोज मोदी, कोडरमा पुर्व सचिव विनोद कुमार, कोडरमा कोषाध्यक्ष प्रकाश मोदी, प्रदेश उपाध्यक्ष शिवशंकर मोदी, युवा प्रदेश सचिव अजय बरनवाल, मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियो के द्वारा अपने समाज के होनहार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर समाज के प्रति अपनी भागीदारी निभाने की बात कही । मौके पर जिला अध्यक्ष अजय बरनवाल ने कहा कि समाज ओर संगठन को मजबूत करने के लिए एकता बहुत जरूरी है। वही महिलाओं के द्वारा भक्ति भजन गीतों से मन मोह लिया। मनोरंजन के तौर पर कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी बहुत ही उत्सव के साथ देखा गया ' कार्यक्रम में समाज के सभी लोगों ने शपथ लिया कि हम सभी महाराजा अभिवरण जी के बताए नक्शे कदम पर चलने का आह्वान किया। मौके पर प्रकाश मोदी, रामजी मोदी, सत्येंद्र मोदी संजीत मोदी राज किशोर मोदी संतोष मोदी विजय मोदी, अशोक मोदी सहित सैकड़ो महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

बलकुदरा माइंस में डीएमएस अजीत कुमार का यापक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : बलकुदरा माइंस में डीएमएस अजीत कुमार द्वारा माइंस का व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान माइंस के फेस से लेकर डंपिंग स्थल तक की गहन जांच की गई, साथ ही सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। निरीक्षण के क्रम में माइंस में फेस से लेकर रोड एवं बेंच की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक पाई गई, जिसकी डीएमएस अजीत कुमार ने भूरकुंडा परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी की प्रशंसा की। पीसी ऑपरेटर से सुरक्षा, आई-कार्ड, पीपीई किट एवं एसओपी से संबंधित पूछताछ करने पर ऑपरेटर द्वारा सटीक एवं संतोषजनक जानकारी दी गई, जिसे सुरक्षा की दृष्टि से बेहद सराहनीय बताया गया। डीएमएस अजीत कुमार ने बरका-सयाल एरिया के उरीमारी में हुई हालिया दुर्घटना का उल्लेख करते हुए सभी माइंस में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने का सुझाव दिया। उन्होंने खासतौर पर आउटसोर्सिंग माइंस में कार्यरत ऑपरेटरों को माइंस की एसओपी की पूरी जानकारी रखने और सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया। इस अवसर पर भूरकुंडा परियोजना पदाधिकारी कुमार राकेश सत्यार्थी, भूरकुंडा माइंस मैनेजर कमर फहीम एवं पप्पू सिंह द्वारा डीएमएस अजीत कुमार का शॉल एवं बुके देकर स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएमएस अजीत कुमार ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए कार्य करने का स्पष्ट निर्देश दिया। मौके पर शशि भूषण सिंह, पंकज कुमार सिंह, राजेश कुमार सिंह, अभिनव आनंद, अविनाश चंद्रा, धीरेंद्र कुमार, रिशु कुमार, अभिषेक कुमार, रमेश कुमार, एस.एम. राजकुमार, नौशाद आलम, लक्ष्मी प्रसाद सहित माइंस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

वीर बाल दिवस पर झुमरी तिलैया में भाजपा का कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी कोडरमा जिला के अंतर्गत झुमरी तिलैया में आज वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने की, जबकि संचालन झुमरी तिलैया मंडल अध्यक्ष नवीन चौधरी ,सुधीर सेठ ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि वीर बाल दिवस हमें साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की भावना से प्रेरित करता है। यह हमें अपने धर्म और संस्कृति से जुड़े रहने का संकल्प दिलाता है ।वीर बहादुर जोरावर सिंह जी और फतेह सिंह जी अपना बलिदान देना मंजूर किया पर ओरंजेब के दवाब पर धर्म नहीं बदला यह बलिदानी हमें देश प्रेम और धर्म से जुड़े रहने को प्रेरित करती है । उन्हें बार बार नमन। वहीं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नितीश चंद्रवंशी ने कहा वीर बाल दिवस माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के बच्चों को समर्पित किया कि हमारे देश में धर्म की रक्षा के लिए गुरु गोविन्द सिंह जी ने परिवार के साथ शहीदी दी,रामनाथ सिंह ने कहा भाजपा संगठनात्मक मजबूती के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। गोपाल कुमार गुतुल ने कहा आज धर्म और संस्कृति बची है तो ऐसे ही महान लोगों की देन हैं । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने वीर बाल दिवस के संदेश को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

पेसा कानून पास होने पर झामुमो ने जताया हर्ष, निकाला आभार जुलूस

आदिवासी-मूलवासी को सही मायने में अधिकार मिला : वीरेंद्र पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया/ कोडरमा : झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति के तत्वाधान में दिन शुक्रवार को जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय के नेतृत्व में विशाल आभार जुलूस निकाला गया। यह जुलूस का नेतृत्व नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने किया झुमरी तिलैया के बेलाटांड से पैदल मार्च करते हुए झंडा चौक तक निकल गया। आभार जुलूस में सैकड़ो पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यकताओं ने झारखंड का असली शेर हेमंत सोरेंन, हेमंत है तो हिम्मत है, देखो देखो कौन आया शेर आया का नारा देकर के साथ ढोल नगाड़ा बजाकर तथा पटाखे फोड़कर झारखंड के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व हर्ष जताया। इस संबंध में पूछे जाने पर जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय ने बताया कि झारखंड के यशस्वी युवा लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पेसा कानून राज्य मंत्री परिषद की बैठक में पास कर आदिवासी मूलवासी को सही मायने में उनका अधिकार दिया है। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने राज्य में लंबा समय तक शासन किया फिर भी आदिवासियों के हित में कोई कार्य नहीं किया जिसका उदाहरण है कि वे आज हुए सत्ता से बेदखल है। लेकिन जब हमारी झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार बनी तो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आदिवासियों मूलवासी के बारे में सोचने के साथ उनके लिए लड़ाई लड़ा है। आज भी वे आदिवासियों के हित में सरना धर्म कोड की लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा की सरकार आदिवासी ही नहीं गरीब, अल्पसंख्यक, दलित पिछड़ा व आम लोगों के हित व अधिकार के बारे में कभी नहीं सोचा है। यह लोग गरीब विरोधी हैं इसलिए इनको इनका दर्द नहीं दिखता है और कहते हैं हम झारखंडियों के बारे में बहुत सोचते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के सरकार में संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम को बदलना चाहा था। लंबा विरोध के बाद उन्हें वापस लेना पड़ा। झारखंड में अब यह कभी आने वाले नहीं है। मौके पर उपस्थित केंद्रीय समिति सदस्य बैजनाथ मेहता जिला उपाध्यक्ष नंदकिशोर मेहता जिला प्रवक्ता वीरेंद्र मिश्रा जिला संगठन सचिव संजय कुमार साजन युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मोहम्मद सद्दाम गणेश राय महिला मोर्चा जिला सचिव गुड़िया देवी मुनिया देवी मनीष पांडे निर्मल दास रंजीत कुमार पंकज मोदी भुवनेश्वर शाह मंटू वर्मा सुरेंद्र मोदी इत्यादि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

विधवा महिला ने सौतेले बेटे पर मारपीट का लगाया आरोप, थाना में दिया आवेदन

डोमचांच : नवलसाही थाना अंतर्गत ग्राम धर गांव थाना थाना नवल शाही जिला कोडरमा निवासी केसिया देवी पति स्वर्गीय टिपन साव उम्र 66 वर्षीय विधवा महिला ने मारपीट का आरोप लगाते हुए नवलसाही थाना में आवेदन दिया है। वही आवेदन में कहा है कि मैं विधवा एवं कान से बहरा वृद्ध महिला हूं। दिनांक 24/11/2025 समय 9 :00 बजे मैं अपना घर पर थी तभी मेरा सौतेला पुत्र मुटर साव पिता टीपन साव उम्र 35 वर्ष, सौतन सबिया देवी पति टिपन साव उम्र 58 वर्ष, सौतेली बहू ललिता देवी पति मुटर साव उम्र 32 वर्ष एवं सौतेला पोता करू साव 19 वर्ष पिता मुटर साव सभी ग्राम धरगांव, थाना नवलशाही, जिला कोडरमा ने सभी मिलकर गंदा-गंदा गाली गलौज देते हुए मारपीट कर लोहे के रड से मेरा बाया हाथ तोड़ दिया और बायां पैर में जख्मी कर मेरे बक्सा से जमीन का कागजात और पेंशन का रखे नकद 15000 एवं जेवरात लेकर चला गया और मुझे घर से घसीट कर बाहर निकाल दिया एवं घर के पास खेत में लगे आलू सहित विभिन्न प्रकार की फसलों को बर्बाद कर दिए। वहीं घटना की सूचना पाकर मेरी पुत्री द्वारा नवलशाही थाना में लिखित आवेदन देकर मेरी इलाज को लेकर सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया। आगे उनका कहना है कि अस्पताल से घर आने के बाद उपरोक्त लोगों के द्वारा वर्तमान में जान से मारने की धमकी दिया जा रहा है एवं पूर्व में भी उपरोक्त लोगों ने मेरे साथ कई बार मारपीट कर घटना का अंजाम दिया जा चुका है। जिसे लेकर पीड़ित विधवा महिला ने नवल शाही थाना प्रभारी से कार्रवाई हेतु अनुरोध की है।

डोमचांच में विधायक डॉ नीरा यादव ने योजनाओं का किया शिलान्यास

कोडरमा : प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री और कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने शुक्रवार को डोमचांच नगर पंचायत में दो योजनाओं का शिलान्यास किया। डोमचांच के वार्ड नंबर 9 स्थित दक्षिणी पंचायत भवन कैंपस एवं गायत्री मंदिर से यादव जी के घर तक पेवर ब्लॉक कार्य तथा डोमचांच नगर पंचायत ऑफिस के चारों ओर बाउंड्री वाल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस दौरान विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि दोनों योजनाएं जनहित की हैं और इनके पूरा होने से लोगों को लाभ पहुंचेगा। मौके पर भाजपा नेता परमेश्वर यादव, मुकेश कुमार, मंडल अध्यक्ष सुजीत मेहता, नरेंद्र सिंह, प्रकाश ठाकुर, कार्तिक दास समेत कई लोग मौजूद थे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में फेबर-कास्टेल द्वारा भव्य चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

कोडरमा : फेबर-कास्टेल द्वारा सेक्रेड हार्ट स्कूल में द वर्ल्ड आई विश फॉर विषय पर एक भव्य चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के लगभग 1200 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता को चार वर्गों में विभाजित किया गया। वर्ग अ के लिए विषय कैंडी ट्रीज वाली दुनिया, वर्ग इ के लिए मेरी पसंदीदा चीजों की दुनिया, वर्ग उ के लिए पशुओं की परवाह करने वाली दुनिया तथा वर्ग ऊ के लिए प्रकृति की जीत वाली दुनिया निर्धारित किया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता और सामाजिक चेतना को रंगों के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में कक्षा II की रिया कुमारी, कक्षा IV की मानवी कुमारी, कक्षा VII की प्रत्युषा शर्मा तथा कक्षा VIII की संगम प्रिया ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार अंकुश कुमार, दिव्यांक श्रेष्ठ , दिव्यांशु भारती और आर्यन कुमार सिंह को मिला। तृतीय पुरस्कार शिवसागर कुमार , आशी मोदी, हर्षिया सोनी और साक्षी राज ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त अभिलाषा कुमारी, स्वीटी कुमारी, सुष्मिता रंजन, माही कुमारी, संगम कुमारी, कोमल कुमारी, रिया यादव, रोली कुमारी एवं स्पर्श बिस्वास को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में फेबर-कास्टेल के प्रतिनिधि अभिषेक कुमार सिंह , आकाश दीप तथा पंकज सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद शर्मा ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों की कल्पनाशक्ति को नई दिशा देती हैं और उन्हें एक बेहतर, संवेदनशील एवं पर्यावरण-अनुकूल विश्व के निर्माण के लिए प्रेरित करती हैं। कार्यक्रम का समापन उल्लास और प्रेरणा के वातावरण में हुआ।

भुरकुंडा की काली मां: एक अद्भुत पर्यटन स्थल

रामगढ़ : भुरकुंडा थाना के समीप स्थित काली मां की भव्य मंदिर एक ऐसा पर्यटन स्थल है जो अपनी अद्वितीयता और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता है इसकी विशाल मूर्ति, जिसकी लंबाई करीबन 25 फीट है, और मंदिर की लंबाई करीबन 51 फिट है। यह मंदिर न केवल अपनी विशालता के लिए जाना जाता है, बल्कि इसकी आध्यात्मिक ऊर्जा और शांति के लिए भी प्रसिद्ध है। मंदिर के अंदर काली मां की मूर्ति इतनी भव्य और आकर्षक है कि इसे देखकर मन में एक अलग ही भाव उत्पन्न होता है। मंदिर के आसपास का वातावरण भी बहुत शांत और सुंदर है, जो इसे एक आदर्श पिकनिक स्थल बनाता है। मंदिर के निर्माण में पत्थरों का उपयोग किया गया है, जो इसकी भव्यता को और भी बढ़ाता है। मंदिर के अंदर कई अन्य देवताओं की मूर्तियां भी हैं, जो इसकी आध्यात्मिक महत्व को दशार्ती हैं। मंदिर के बाहर एक बड़ा सा बगीचा है, जहां लोग आराम कर सकते हैं और प्रकृति का आनंद ले सकते हैं। काली मां की यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। लोग दूर-दूर से इस मंदिर को देखने और अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं। मंदिर के आसपास कई अन्य आकर्षक स्थल भी हैं, जो इसे एक आदर्श पर्यटन स्थल बनाते हैं। भुरकुंडा की काली मां की यह मंदिर एक ऐसा स्थल है जो आपको आध्यात्मिकता और प्रकृति के करीब ले जाता है। अगर आप रामगढ़ की यात्रा पर हैं, तो इस मंदिर को अपनी सूची में जरूर शामिल करें।

एक नजर

सांसद खेल महोत्सव : मोहन आहूजा स्टेडियम में बैडमिंटन का फाइनल कल

साहिबगंज: सांसद खेल महोत्सव के तहत मोहन आहूजा स्टेडियम में चल रहे बैडमिंटन खेल का फाइनल कल 3 :00 बजे से खेला जाएगा। आज प्री क्वार्टर फाइनल और क्वार्टर फाइनल मुकाबला हुआ । जिसमें विभिन्न वर्गों में निम्नलिखित प्रतिभागी जीत कर सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

सिमडेगा में वाहन जांच अभियान, 29 वाहनों से 60 हजार का कटा ऑनलाइन चालान

सिमडेगा : उपायुक्त कंचन सिंह, सिमडेगा एवं पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अर्शी, सिमडेगा के निदेशानुसार मुफस्सिल थाना के समीप विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच की गई। इस क्रम में बिना हेलमेट, आवश्यक दस्तावेजों के अभाव सहित अन्य यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले कुल 29 वाहनों पर कार्रवाई की गई। संबंधित वाहनों से कुल 60,000 का ऑनलाइन चालान काटा गया। अधिकारियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का सख्ती से पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य उपयोग करने तथा सभी वैध दस्तावेज साथ रखने की अपील की।

जलडेगा प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पीला गोल्ड का तस्करी बड़े पैमाने पर

सिमडेगा : जिला के जलडेगा प्रखंड के रेंगरबेड़ा ढोढ़ीबहार पोस्ट कोनमेरला के ग्रामीणों ने बालू तस्करों को लगाई रोक तस्करों बेखौफ दिन हो या रात खुले आम जलडेगा प्रखंड के सोनजोर नदी से कर रहे हैं बालू का उठाव यही नहीं कई जगहों पर माफिया बालू खनन कर बालू का स्टॉक भी कर रहे हैं ग्रामीणों ने बताया लगभाग 66 टैक्टर बालू स्टॉक किया गया है। माफिया इतना माहिर है कि बिना नंबर प्लेट लगाए टैक्टर से ही बालू का उठाव करते हैं। बालू माफिया ऊंचे रेट में मनमानीपीला गोल्ड बालू को बेचते हैं मजबूरी में बालू नहीं मिलने पर ग्रामीणों को ऊंचे रेट पर खरीदना पड़ा है।

झारखंड प्रदेश गोड़ आदिवासी महासभा सम्मेलन का किया गया शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बांसजोर : प्रखंड के कुलामारा डुमरमुंडा गांव में झारखंड प्रदेश गोड़ आदिवासी महासभा द्वारा दो दिवसीय 80 वां वार्षिक सम्मेलन का शुभारंभ किया गया, वार्षिक सम्मेलन के पुर्व पहान पुजार साले प्रधान द्वारा ग्राम देवी देवताओं का विधि विधान के साथ पुजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई, इस दौरान गोड़ समाज के द्वारा कलश स्थापना कर जय बड़ा देव की पुजा अर्चना किया गया तत्पश्चात झारखंड प्रदेश गोड़ आदिवासी महासभा के अध्यक्ष सह झारखंड के पुर्व मंत्री विमला प्रधान ने अपने सम्बोधन में कहा कि हमें अपने रिति रिवाज, धर्म संस्कार, परंपरा एवं संस्कृति को बरकार रखने के लिए प्रेरित किया तथा गोड़ समाज द्वारा धर्म परिवर्तन पर कड़ी आपत्ति जताई तथा कहा कि धर्म, संस्कृति एवं परंपरा हमारा धरोहर एवं पहचान है, इसे किसी भी तरह से कायम रखना हैं, उन्होंने इस दौरान समाज में व्याप्त बुराइयों एवं परंपराओ, नशाखोरी, शिक्षा, रोजगार सहित कई समाजिक मुद्दों पर अपनी बात रखी तथा समाज को संगठित एवं एकजुटता का आह्वान किया। मौके पर झारखंड प्रदेश गोड़ आदिवासी महासभा के संरक्षक विश्वनाथ भोय, उपाध्यक्ष बंधु मांझी, उपाध्यक्ष केशव किशोर प्रधान, शिवचंदन प्रधान, सचिव सिकंदर मांझी, कोषाध्यक्ष रूक्मणी देवी, कानूनी सलाहकार मनीष मणीकांत प्रधान, हिमांशु चंद्र माझी, अनुज बेसरा, उपाध्यक्ष देवनन्दन प्रधान, श्याम किशोर प्रधान, जयमंगल प्रधान, हरी मांझी, दिल बंधु मांझी, कलिंदर भोय, दामोदर प्रधान, दुर्योधन बेसरा, राजेंद्र बेसरा, गजाधर मांझी, महेश मांझी, सुरेंद्र माझी, किसुन गंगेश्वर, लालधर नागेश्वर सहित काफी संख्या में समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

हमेशा सच्चाई और धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए : लखन मार्डी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

घाटशिला : शुक्रवार को वीर बाल दिवस के शुभ अवसर पर एस.के.एम. पब्लिक स्कूल दाहीगोड़ा, घाटशिला द्वारा प्रभात फेरी निकाल करके आम जनता को जागरण करने का एक अच्छा पहल किया। कार्यक्रम में शामिल प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा लखन मार्डी ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा हम सब यहाँ 'वीर बाल दिवस' मनाने के लिए एकत्रित हुए हैं। यह दिन केवल शोक का नहीं, बल्कि गर्व और प्रेरणा का दिन है। 26 दिसंबर 1705 को मुगल शासक औरंगजेब के आदेश पर सरहिंद के नवाब वजीर खान ने सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को जिंदा दीवार में किनवा दिया था । इन वीर बालकों का गलती सिर्फ इतनी थी इन वीर बालकों ने अपनी जान देना स्वीकार किया लेकिन मुगल दबाव में आकर अपना धर्म और स्वाभिमान छोड़ने से इनकार कर दिया था । भारत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 9 जनवरी 2022 को गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व पर यह घोषणा की थी की हर साल 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाया जाएगा ।

यूथ कांग्रेस ने निकाली आभार यात्रा, यह यात्रा सोनार टोली से महावीर चौक तक निकली गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले में युवा कांग्रेस कमेटी की ओर से हुए युवा कांग्रेस चुनाव में मिली जीत के उपलक्ष्य में आभार यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सोनार टोली से प्रारंभ होकर महावीर चौक तक पैदल निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए।आभार यात्रा का नेतृत्व सिमडेगा युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष चंदन कुमार सिंह ने किया। यात्रा के दौरान कार्यकताओं ने पार्टी के झंडे और बैनर के साथ संगठन के समर्थन में नारे लगाए। पूरे मार्ग में उत्साहपूर्ण और अनुशासित माहौल देखने को मिला।यात्रा के समापन पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए चंदन कुमार सिंह ने कहा कि संगठन को मिली यह मजबूती कार्यकताओं की एकजुटता, संघर्ष और मेहनत का परिणाम है। उन्होंने सभी युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस आगे भी युवाओं के अधिकार, शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ उठाती रहेगी। कार्यक्रम में आकाश सिंह, आशीष कुमार सिंह, राहुल किंडो, अमृत डुंगडुँग एवं प्रवीण खेस्स सहित जिला व विधानसभा स्तर के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने संगठन को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लिया।

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा के लिए बने चबूतरे को तोड़े जाने पर भाजपा में आक्रोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए जन सहयोग से बनाए गए अर्धनिर्मित चबूतरे को तोड़ दिए जाने से भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए सरिया मंडल भाजपा ने शुक्रवार को केशवारी दुर्गा मंडप प्रांगण में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से प्रशासन के इस कृत्य की घोर निंदा का प्रस्ताव पारित किया गया। कार्यकताओं ने कहा कि जनभावनाओं से ओत-प्रोत इस गोलंबर को तोड़कर प्रशासन ने लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाई है। बैठक में दृढ़ संकल्प लिया गया कि केशवारी चौक पर ही अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा स्थापित की जाएगी, चाहे इसके लिए कितना भी संघर्ष क्यों न करना पड़े। कार्यकताओं ने प्रशासन के खिलाफ आगामी 27 दिसंबर को शाम 3 बजे सरिया हटिया मैदान से मशाल जुलूस निकालने का ऐलान किया। बैठक के बाद भाजपा कार्यकताओं ने तत्काल प्रतिवाद मार्च निकाला, जिसमें प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। यह मार्च केशवारी बाजार का भ्रमण कर बाजारटांड में समाप्त हुआ।बताते चलें कि केशवारी चौराहे पर एक राजनीतिक दल द्वारा अटल जी की प्रतिमा के लिए चबूतरा निर्माण कराया जा रहा था, जिसका दूसरे गुट ने विरोध किया था। इसके बाद प्रशासन ने 24 दिसंबर को निषेधाज्ञा लागू कर निर्माण कार्य, स्मारक स्थापना या कोई प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी।

पुरुलिया जिले से आए विभिन्न राजनीतिक दलों ने थमा आजसू का दामन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मुरी : आजसू पार्टी के प्रधान कार्यालय, सिल्ली में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले से आए विभिन्न राजनीतिक दलों के बड़ी संख्या में सदस्यों ने आजसू पार्टी की नीति एवं सिद्धांतों से प्रभावित होकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सभी नए सदस्यों का स्वागत आजसू सुप्रीमो सह पार्टी अध्यक्ष श्री सुदेश कुमार महतो एवं अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर किया गया। इस दौरान उन्हें पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और संगठनात्मक सोच से अवगत कराया गया। इस अवसर पर सुदेश कुमार महतो ने कहा कि क्षेत्र आज कुशल एवं जनता के प्रति जवाबदेह नेतृत्व की कमी से जूझ रहा है। राज्य को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो हर वर्ग के विचारों को साथ लेकर चले और वर्तमान के साथ-साथ भविष्य की पीढ़ी के लिए भी राज्य को बेहतर बनाने का कार्य करे। पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नए सदस्यों ने कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर सुदेश कुमार महतो की सोच और उनके जमीनी स्तर पर किए गए कार्यों से प्रभावित होकर वे आजसू पार्टी से जुड़े हैं और संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

गौरडीह मध्य विद्यालय में शिक्षकों का अभाव, छात्रों की पढ़ाई साल भर से डगमग

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के गौरडीह मध्य विद्यालय में शिक्षकों की कमी बच्चों की पढ़ाई को प्रभावित कर रही हैं। विद्यालय में मात्र दो शिक्षक के भरोसे 150 छात्र छात्राएं पढ़ाई करने को बाध्य हैं। विद्यालय में एक सरकारी शिक्षक और एक सहायक अध्यापक के भरोसे विद्यालय के सभी कार्य संचालित हो रहे है। विद्यालय में शिक्षकों के अभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए काफी संख्या में अभिभावक ,जनप्रतिनिधि और स्कूली बच्चे शुक्रवार को एकजुट होकर शिक्षकों की मांग करते दिखे। बता दे कि सरकार के द्वारा शिक्षकों के बहाल करने के बाद कई स्कूलों को शिक्षक दिया गया। लेकिन गौरडीह में इस वर्ष विद्यालय प्रबंधन समिति के द्वारा जनवरी माह से दिसंबर माह तक करीब आधा दर्जन आवेदन बीईईओ से लेकर डीएसई तक सौंपा गया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखी। इस अवहेना से त्रस्त आकर बाध्य होकर ग्रामीण एकजुट होकर शिक्षकों की मांग करने को लेकर प्रदर्शन किया। जानकारी देते हुए बोड़ाम ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष हिमांशु महतो ने कहा कि इस विद्यालय में गरीबों के बच्चे अध्ययन करते हैं। लेकिन मध्य विद्यालय में मात्र दो शिक्षकों का होना चिंता का विषय है। शिक्षा विभाग को प्रखंड क्षेत्र के सभी स्कूलों का सर्वे करवाकर सभी विद्यालयों में प्रयाप्त शिक्षक देना चाहिए। उन्होंने कहा कि गौरडीह मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों में एक सरकारी शिक्षक जो कि विद्यालय के कागजी कार्यों में व्यस्त रहते हुए विभागीय बैठकों में उलझे रहते हैं। वही एक सहायक अध्यापक आठ कक्षाओं में 150 छात्रों को कैसे पढ़ाई करवाएंगे। विभाग से उन्होंने जल्द से जल्द अतिरिक्त तीन शिक्षकों को पदस्थापित करने की मांग की। अन्यथा आंदोलन जिला तक करने की चेतावनी दी। वही पंचायत समिति प्रतिनिधि छुटू लाल सिंह ने कहा कि विभाग विद्यालय में जल्द शिक्षकों को पदस्थापित करें। कई बार जिला के डीएसई तक आवेदन सौंपा गया।

ईचागढ़ थाना परिसर में हुई शांति समिति की हुई बैठक

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना परिसर में शुक्रवार को अंचलाधिकारी दीपक प्रसाद की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक किया गया। बैठक में नया वर्ष 2026 का जश्न शांति पूर्ण माहौल में मनाने एवं मकर संक्रांति को लेकर विशेष चर्चा किया गया। बैठक में बीडीओ एकता वर्मा, थाना प्रभारी बजरंग महतो,पंचायत प्रतिनिधि, शांति समिति के सदस्य एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध व्यक्ति उपस्थित थे। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नया वर्ष का जश्न सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाया जाय, ताकि खुशी साल भर बना रहे। उन्होंने कहा कि पीकनीक स्थलों पर शराब का सेवन नहीं करें एवं हुड़दंगियों और गहरे पानी में जाने से बचें। उन्होंने अवैध शराब बेचने वालों का सुचना देने, हुड़दंगियों व असमाजिक गतिविधियों का सुचना देने का भी सदस्यों से अपील किया। उन्होंने कहा कि बीना हेलमेट,शराब पीकर वाहन चलाने व बाइक स्टंट करने वालों पर सख्त कार्रवाई किया जाएगा।उन्होंने कहा कि अफीम खेती के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधि व शांति समिति के सदस्य किसानों को जागरूक कर वैकल्पिक खेती के लिए प्रेरित करने में सहयोग करें। वहीं अंचलाधिकारी एवं बीडीओ ने कहा कि नया वर्ष में पीकनीक स्थलों पर हुड़दंगियों व शराबियों पर विशेष नजर रखा जाएगा।

बांग्लादेश में अमानवीय घटनाओं के विरोध में सिल्ली में आक्रोश रैली आज

सिल्ली : मुरी बांग्लादेश में हो रही अमानवीय घटनाओं, लगातार अशांति तथा हिंदुओं पर कथित अत्याचार के विरोध में सिल्ली थाना अंतर्गत सिल्ली ग्राम विकास स्कूल से झारखंड मोड़ तक एक विशाल आक्रोश रैली का आयोजन शनिवार को किया गया है यह रैली सिल्लीझमुरी क्षेत्र के आम नागरिकों द्वारा आयोजित की गई है, जिसमें बड़ी संख्या में महिला–पुरुष, युवा एवं सामाजिक संगठनों के लोग शामिल होंगे।

भुरकुंडा थाना के अंतर्गत सीसीएल गिद्दी ए में डीजल चोरी का बड़ा मामला सामने आया

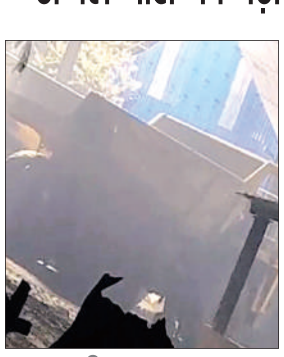

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : सीसीएल गिद्दी ए, सौन्डा, उरिमारी परियोजना में डीजल चोरी का एक बड़ा मामला सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, होमगार्ड जवानों के द्वारा प्रतिदिन 25 से 30 गैलन डीजल चोरी किया जा रहा है, जिसकी कीमत लगभग एक लाख रुपये है। चोरी का यह खेल रात 2 बजे के बाद हॉलपैक डंफर से किया जा रहा है। एक गैलन में 25 लीटर डीजल होता है, इसलिए प्रतिदिन 625 से 900 लीटर डीजल चोरी किया जा रहा है। यह चोरी सीसीएल को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा रही है। इस मामले में अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है, लेकिन सीसीएल प्रबंधन का कहना है कि वह इस मामले की जांच कर रहे हैं और दोषियों पर कार्रवाई करेंगे। सीसीएल गिद्दी ए, सौन्डा, उरिमारी परियोजना में डीजल चोरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं: सुरक्षा व्यवस्था में कमी, कर्मचारियों की मिलीभगत, प्रबंधन की अनदेखी इस चोरी को रोकने के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं: सुरक्षा व्यवस्था में सुधार, कर्मचारियों की जांच, प्रबंधन की निगरानी, यह मामला भुरकुंडा थाना के अंतर्गत आता है। सीसीएल प्रबंधन को इस मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने चाहिए।

डीएवी पब्लिक स्कूल में अभिव्यक्ति विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : डीएवी पब्लिक स्कूल पतरातू में अभिव्यक्ति विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में छात्रों ने विभिन्न प्रकार के विज्ञान मॉडल बनाकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पी वी यू एन एल के सी ई ओ अशोक कुमार सेहगल ने कहा कि डी ए वी के बच्चों में प्रतिभा कूट कूट कर भरी हुई है। उनके साथ एच आर हेड जीयाउर रहमान भी उपस्थित थे। बतौर विशिष्ट अतिथि रामगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बच्चों के बनाए मॉडल की सराहना की। इस अवसर पर जिला पार्षद राजाराम प्रजापति, सर्किल इंस्पेक्टर सतेंद्र कुमार सिंह, हनुमानगढ़ी पंचायत की मुखिया नूतन सिंह, कटिया पंचायत के मुखिया किशोर कुमार महतो, पी वी यू एन एल हॉस्पिटल के सी एम ओ तन्मय मिश्रा, सीनियर मैनेजर आर एंड आर संतोष कुमार सिंह, डीएवी स्कूल भरेच नगर के प्राचार्य सह स्कूल के मैनेजर निशिकांत कर और विभिन्न डी ए वी स्कूल के प्राचार्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर बच्चों का उत्साह वर्धन किया। इनमें डी ए वी स्कूल बरकाकाना के प्राचार्य मुस्तफा मजीद, डी ए वी आरा कुजू के प्राचार्य आलोक कुमार, डी ए वी स्कूल टाटा घाटो के प्राचार्य एस एस कर, डी ए वी टाटा चैनपुर के प्राचार्य तारकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत स्कूल की प्राचार्या रोशी वाडवाणी ने पुष्प गुच्छ देकर किया। प्राचार्या ने कहा कि हमारे झारखंड जोन डी के ए आर ओ डॉ एस के शर्मा के मार्गदर्शन में इस विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की विज्ञान मॉडल का प्रदर्शन किया गया, जिनमें विज्ञान कला प्रदर्शन, विज्ञान परियोजनाएं, सामाजिक विज्ञान, संस्कृत और गणित विषय के भी कई शानदार मॉडल बच्चों ने बनाया।

Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd.
(CIN: U40108 JH 2013 SGC 001704)
Office of the General Manager,
Transmission Zone-I, Kusai Colony, Doranda, Ranchi- 834002
E-mail ID :-, gm.jusnl@gmail.com Mob. No. :- 0651- 2490513

e-Tender Notice

e-Tender in two parts Part-I (Technical and Commercial) and Part-II (price part) is invited from the reputed tenderers having good experience of following similar type of Civil works and having sound financial status:

NIT No.	Name of the works	Estimated cost (in Rs.) Including GST and other taxes as applicable	Earnest money to be deposited (in Rs.)	Cost of BOQ (Non-Refundable) (in Rs.)	Time of completion of work.
628/PR/JUSNL /2025-26	Repair and maintenance of Manager (T) Residence for office use at 132/33 Grid Substation, Gumla.	19,04,700.00	Rs. 38,100.00	Rs. 5,000.00 + 18% GST= Rs. 5,900.00	03 months
629/PR/JUSNL /2025-26	Repair and maintenance of Tr. Division office building at Kusai Colony, Doranda, Ranchi.	4,91,000.00	Rs. 9,900.00	Rs. 750.00 + 18% GST= Rs. 886.00	02 months
630/PR/JUSNL /2025-26	Repair and maintenance of qtrs. No E-1 to E-4 (04 nos unit) of 132/33 KV G/S/S, Lohardaga.	15,77,100.00	Rs. 31,600.00	Rs. 5,000.00 + 18% GST= Rs. 5,900.00	03 months
631/PR/JUSNL /2025-26	Repair and maintenance of T&C Division office building at Kusai Colony, Doranda, Ranchi.	6,55,100.00	Rs. 13,200.00	Rs. 1,250.00 + 18% GST= Rs. 1,486.00	02 months
Availability of tender documents on website			From 29-12-2025 at 11:00 AM to 19-01-2026 up to 03:00 PM		
Last date and time for uploading of e-tender			Up to 19-01-2026 at 03:00 PM		
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)			at 03:30 PM on 20-01-2026		
Date and time for opening of Tender Part-II (Price Part)			Will be Communicated later on		
Tendering Officer and address for communication			GENERAL MANAGER , Transmission Zone-I, Kusai Colony, Doranda, Ranchi-834002		

1. e-Tender documents and BOQ including terms & conditions. Tender specification etc. can be downloaded from website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned (9304254491) during office hours. NIC helpline no. 0651-2400178.
2. The bids will be received through electronic tendering mode only.
3. No claim shall be entertained on account of disruption of internet services being used by bidders. Bidders are advised to upload their bids well in advance to avoid last minute technical snag.
4. Bidders have to submit copy of UTR/ reference number as proof of online payment of tender fee & EMD as mentioned in NIT before the cut of date & Time as mentioned in NIT, failing which Bid will not be accepted. The details of last of BOQ, EMD specified in tender documents should be the same as submitted online (Scanned copies) otherwise tender will be cancelled.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager
Transmission Zone-I, Ranchi

PR 369428 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26)#D

राज्यों के हालिया निकाय चुनाव नतीजों के संदेश

राजधानी दिल्ली के नगर निगम चुनाव से आरम्भ हुआ भाजपा गठबंधन का विजय रथ अब केरल, महाराष्ट्र, अरुणाचल और गोवा तक पहुंच गया है। हाल में महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में निकाय चुनावों के परिणाम भाजपा के पक्ष में आए। इससे पहले केरल के चुनाव परिणाम आए, जिसमें केरल की राजधानी तिरुअनंतपुरम में पहली बार भाजपा का मेयर बना, जिसकी चर्चा पूरे भारत में हो रही है। महाराष्ट्र और अरुणाचल के नतीजे कई मायने में महत्वपूर्ण हैं। महाराष्ट्र में 288 नगर परिषद् और नगर पंचायतों के चुनाव में महायुति ने जबर्दस्त प्रदर्शन किया। भाजपा ने कुल 3325 सीटों पर विजय प्राप्त करके कुल पार्षदों का 48 प्रतिशत अपने नाम किया है। नगर परिषद् अध्यक्षों में से करीब 75 प्रतिशत महायुति के हैं। जिनमें सबसे बड़ा योगदान भाजपा का है। भाजपा ने साल 2017 के निकाय चुनाव में 1602 सीटों पर विजय प्राप्त की थी जबकि अबकी बार दोगुनी से भी अधिक 3,325 सीटें जीतने में सफलता प्राप्त की। भाजपा को महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी भारी सफलता मिली है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि साल 2014 से लेकर अभी तक भाजपा शहरी पार्टी मानी जाती थी किंतु अब भाजपा महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपना दबदबा बढ़ा रही है। आज महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन अपनी अंतिम सांसें गिनता दिखाई पड़ रहा है। मुंबई नगर निगम के लिए उद्धव और राज हाथ मिला चुके हैं। अगर कुछ अन्य शेष बड़े नगर निगमों में भी विपक्षी गठबंधन जीत नहीं पाता तो वह बुरी तरह से बिखर सकता है। महाराष्ट्र में भाजपा की सफलता का सबसे अधिक श्रेय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को जाता है जबकि शिवसेना (उद्धव गुट) अपनी दुर्गति के लिए स्वयं दोषी है। शिवसेना के संस्थापक बाला साहेब ठाकरे ने जिन उद्देश्यों के लिए शिवसेना का गठन किया था उससे वह पूरी तरह से भटक चुकी हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रहे अमानवीय अत्याचारों पर शिवसेना (उद्धव गुट) के मुंह में ताला लगा है। वो बांग्लादेश की घटनाओं की निंदा तक नहीं कर पा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्यभर में 30 से अधिक रैलियां कीं जबकि ठाकरे बंधु अपने महल से बाहर ही नहीं निकले। भाजपा की अरुणाचल विजयः सुदूर सीमावर्ती राज्य अरुणाचल प्रदेश के निकाय चुनावों में भी भाजपा ने जिला परिषद् और ग्राम पंचायत की अधिकांश सीटों पर जीत प्राप्त की और अपना दबदबा कायम रखा। भाजपा ने 245 सीटों में से 170 सीटों पर जीत दर्ज की जिनमें से 59 सीटों पर निर्विरोध विजय हुई। यहां के ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा ने मजबूत उपस्थिति दर्ज की, जिसमें ग्राम पंचायत की 8,208 सीटों में से 6,085 सीटों पर जीत दर्ज की है। राजधानी ईटानगर के नगर निगम में भी भाजपा ने 20 में से 14 सीटों पर विजय प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की है यहां नगर परिषद की 59 सीटों पर भाजपा विजयी रही। चुनाव परिणामों से गदगद भाजपा के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि राज्य में एनडीए के मजबूत प्रदर्शन से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और विकसित अरुणाचल के दृष्टिकोण के प्रति जनता का दृढ़ समर्थन झलकता है। गोवा में भी भाजपा की विजयः गोवा में भी जिला पंचायत चुनाव 2025 के सभी परिणाम सामने आ चुके हैं। ये चुनाव बैलेट बाक्स के माध्यम से हुए थे किंतु यहां भी भाजपा को विजय प्राप्त हुई और कांग्रेस व सहयोगी दलों को करारी पराजय का सामना करना पड़ा। गोवा की 50 सीटों के लिए हुए जिला पंचायत चुनाव में भाजपा गठबंधन 30 से अधिक सीटें जितने में सफल रहा। यह विजय भाजपा के लिए शुभ संकेत है। गोवा में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केरजीवाल यहां पूरा दम लगा रहे हैं और जनता से कह रहे हैं कि कांग्रेस को वोट मत देना क्योंकि उनके विधायक भाजपा में शामिल हो जाते हैं। शेष अन्य दल गोवा में सुस्त पड़े हैं। भाजपा की जीत का यह दौर जारी रहने वाला है क्योंकि कांग्रेस का रेडियो ''वोट चोरी'' पर रुक गया है।

सूडोकु नवताल- 7656

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7655 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

गुरु गोविन्द सिंहः हिन्दू धर्म और संस्कृति के रक्षक

ललित गर्ग

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में गुरु गोविंद सिंह जी का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी है। वे केवल सिख धर्म के दसवें गुरु ही नहीं थे, बल्कि एक महान योद्धा, दार्शनिक, समाज-सुधारक, हिन्दू धर्म-संस्कृति के रक्षक और राष्ट्र-चेतना के जाग्रत प्रतीक थे। उनकी महान तपस्वी, महान कवि, महान योद्धा, महान संत सिपाही साहिब आदि स्वरूपों में पहचान होती है। गुरु गोविंद सिंह की जयंती केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि मानवता को साहस, न्याय, आत्मसम्मान और धर्मरक्षा का संदेश देने वाला पर्व है। उनकी जीवन-यात्रा अन्याय के प्रतिकार, सत्य की स्थापना और मानव गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही। वे संपूर्ण भारतीय समाज के आस्था के केंद्र हैं, उनके जीवन से हमें राष्ट्रप्रेम और मानवतावादी धर्म की प्रेरणा मिलती है।

गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब (वर्तमान बिहार) में हुआ। उनके पिता गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। पिता के इस अद्वितीय त्याग ने गुरु गोविंद सिंह जी के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। बहुत कम आयु में ही उन्होंने यह समझ लिया कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, तपस्या और सेवा का अद्भुत संगम रहा। उन्होंने धर्म को कर्म से जोड़ा और आध्यात्मिकता को सामाजिक उत्तरदायित्व का रूप दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि सच्चा धर्म वह है जो निर्बलों की रक्षा करे, अत्याचार का विरोध करे और मानव को आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाए। वे कहते थे कि भय से मुक्त होकर सत्य के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।

1699 में बैसाखी के पावन अवसर पर गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर इतिहास की दिशा ही बदल दी। खालसा का अर्थ है-शुद्ध, निर्भीक और समर्पित जीवन। उन्होंने पाँच प्यारे बनाकर समानता, भाईचारे और त्याग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। खालसा की दीक्षा के माध्यम से उन्होंने जाति, वर्ग और ऊँच-नीच के भेद को समाप्त कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ के अनुयायियों को पंच ककार केश, कड़ा, कंघा, कृपाण, कच्छा धारण करने का निर्देश दिया। ये शौर्य, शुचिता तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के संकल्प के प्रतीक हैं। गुरु ने सिखाया कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और सबका सम्मान समान है। गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाओं का केंद्रबिंदु साहस और करुणा का संतुलन है। वे एक ओर शस्त्र धारण करने की प्रेरणा देते हैं, तो दूसरी ओर दया, प्रेम और सेवा को जीवन का आधार बताते हैं। उनका प्रसिद्ध कथन- 'जब सब उपाय विफल हो जाएँ, तब धर्म के लिए तलवार उठाना न्यायोचित है' -यह स्पष्ट करता है कि हिंसा उनका उद्देश्य नहीं थी, बल्कि अत्याचार के विरुद्ध अंतिम विकल्प थी।

गुरु गोविंद सिंह भारतीय जीवन मूल्यों की रक्षा और समाज को नए सिरे से संगठित एवं सशक्त करने वाले एक महापुरुष हैं, उनका व्यक्तित्व अलौकिक, साहसी एवं भारतीयता से ओतप्रोत था। उन्होंने आनंदपुर का सुख, माता पिता की छांव और बच्चों का मोह छोड़कर धर्म रक्षा का मार्ग चुना। उन्होंने दमन, अन्याय, अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गुरु तेग बहादुर के बलिदान के बाद 11 नवंबर 1675 को नौ साल की उम्र में गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें गुरु बने। दुनिया में देश व धर्म की रक्षार्थ अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुष तो अनेक मिलेंगे किन्तु अपनी तीन पीढ़ियों, बल्कि यों कहें कि अपने पूरे वंश को इस पुनीत कार्य हेतु बलिदान करने वाले विश्व में शायद एकमेव महापुरुष गुरु गोविन्द सिंहजी ही है। जिन्होंने त्याग, बलिदान एवं कर्तृत्ववाद का संदेश दिया। भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित की। स्वयं की अनन्त शक्तियों पर भरोसा और आस्था जागृत की। सभ्यता और संस्कृति के प्रतीकपुरुष के रूप में जिन्होंने एक नया जीवन-दर्शन दिया, जीने की कला सिखलाई। जिनको बहुत ही श्रद्धा व प्यार से कलगीयां, सरबंस दानी, नीले वाला, बाला प्रीतम, दशमेश पिता आदि नामों से पुकारा जाता है। भारत में फैली दहशत, डर और जनता का हारा हुआ मनोबल देखकर उन्होंने कहा मैं एक ऐसे पंथ का सृजन करूँगा जो सारे विश्व में विलक्षण होगा। जिससे मेरे शिष्य संसार के असंख्य लोगों में पहली ही नजर में पहचाने जा सकेंगे। जैसे हिरनों के झुंड में शेर और बगुलों के झुंड में हंस। वह केवल बाहर से अलग न दिखे बल्कि आंतरिक रूप में भी ऊँचे, साहसी और सच्चे विचारों वाले हो। गुरु गोविंद सिंह एक महान कवि और विद्वान भी थे। उनकी रचनाएँ 'दसम ग्रंथ' में संकलित हैं, जिनमें वीर रस, भक्ति, नीति और दर्शन का अद्भुत समन्वय मिलता है। उनकी कविताएँ आत्मबल जगाती हैं और जीवन में धर्म व मयार्दा का बोध कराती हैं। उन्होंने भाषा, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में जागरण का कार्य किया। उनका पारिवारिक जीवन भी त्याग और बलिदान की अनुपम गाथा है। उनके चारों पुत्र-साहिबजादे, धर्म और सत्य की रक्षा करते हुए शहीद हुए। छोटे साहिबजादों को दीवार में चुनवा दिया गया, फिर भी गुरु गोविंद सिंह जी विचलित नहीं हुए। उन्होंने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर मानवता को यह संदेश दिया कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए व्यक्तिगत दुख भी स्वीकार्य है। यह जीवन-चरित्र मानव इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है।

गुरु गोविंद सिंह जी ने न केवल सिख समुदाय, बल्कि संपूर्ण मानवता को आत्मसम्मान और निर्भीकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्त्रियों को समान सम्मान दिया और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। उनका जीवन बताता है कि आध्यात्मिक व्यक्ति समाज से पलायन नहीं करता, बल्कि समाज को न्यायपूर्ण बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता है। उनका एक अत्यंत क्रांतिकारी निर्णय था- गुरुगद्दी को किसी व्यक्ति के स्थान पर गुरु ग्रंथ साहिब को सौंपना। इससे उन्होंने यह स्पष्ट किया कि गुरु का स्वरूप शाश्वत ज्ञान है, न कि देह। यह निर्णय लोकतांत्रिक चेतना, विनम्रता और आध्यात्मिक परिपक्वता का प्रतीक है। आज जब विश्व हिंसा, असहिष्णुता, भेदभाव और नैतिक संकटों से जूझ रहा है, गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाएँ पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। वे हमें सिखाते हैं कि साहस के बिना सत्य अधूरा है और करुणा के बिना शक्ति विनाशकारी। उनका जीवन संतुलित, मूल्यनिष्ठ और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

गुरु गोविन्द सिंहजी का जीवन एक कर्मवीर की तरह था। भगवान श्रीकृष्ण की तरह उन्होंने भी समय को अच्छी तरह परखा और तदनुसार कार्य आरम्भ किया। उनकी प्रमुख शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य, नशामुक्त जीवन, युद्ध-विद्या, सदा शस्त्र पास रखने और हिम्मत न हारने की शिक्षाएँ मुख्य हैं। उनकी नजर में सत्ता से ऊंचा स्वराष्ट्र, स्व-अस्तित्व, समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। यूं लगता है वे हिन्दू जीवन-दर्शन के पुरोधा बन कर आए थे। उनकी इच्छा थी कि प्रत्येक भारतवासी सिंह की तरह एक प्रबल प्रतापी जाति में परिणत हो जाये और भारत का उद्धार करें। गुरु गोविन्द सिंह जैसे महापुरुष इस धरती पर आये जिन्होंने सबको बदल देने का दंभ तो नहीं भरा पर अपने जीवन के साहस एवं शौर्य से डर एवं दहशत की जिन्दगी को विराम दिया। उनके कारण ही हिन्दू अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को कायम रख पाये।

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर देश और दुनिया के लिए उनका संदेश स्पष्ट है-डरो मत, झुको मत और अन्याय के सामने कभी समझौता मत करो। अपने भीतर की शक्ति को पहचानो, पर उसका प्रयोग सदैव धर्म, मानवता और न्याय के लिए करो। सत्य के मार्ग पर चलने वाले को ईश्वर स्वयं शक्ति देता है। आज आवश्यकता है कि हम उनकी शिक्षाओं को केवल स्मरण न करें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। सत्यनिष्ठा, सेवा, साहस, समानता और त्याग-यदि ये मूल्य हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाएँ, तो समाज में स्वतः ही शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित होगा। उनकी जयंती हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम एक ऐसे विश्व के निर्माण में सहभागी बनें, जहाँ भय नहीं, बल्कि न्याय का शासन हो। उनका जीवन दीपस्तंभ की तरह है, जो अंधकार में भी मार्ग दिखाता है। उनकी शिक्षाएँ समय, देश और सीमाओं से परे हैं।

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती बना पर्यावरण संकट

कुलभूषण उपमन्यु

पिछली डेढ़ शताब्दी, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक-निर्माण-शक्ति मानव के हाथ में दे दी तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरूआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया गया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के रूप में देखे जा सकते हैं। किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है।

वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों की बहुसंख्या युद्ध विज्ञान के विकास में संलग्न कर दी गई है क्योंकि निर्णय लेने वाले लोग आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के सातवें अधिवेषण में नैरोबी में प्रस्तुत की गई ग्लोबल आउटलुक 2025 रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को सरेखित करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है।

जलवायु परिवर्तन, प्रकृति के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार की प्रतिक्रिया के रूप में एक बड़े खतरे के रूप में चुनौती पेश कर रहा है। मशीनीकरण को चलाए रखने के लिए जिस उर्जा की बड़े पैमाने पर जरूरत है, वह जीवाश्म ईंधन से पैदा की जा रही है। इस उत्पादन प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर धुआं और जहरीली गैसें उत्सर्जित होती हैं जो हरित प्रभाव पैदा करके वायुमंडल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि कर रही हैं। तापमान वृद्धि से पूरा जलवायु का संतुलन हिल गया है। कहीं अतिवृष्टि हो रही है तो कहीं अनावृष्टि हो रही है। ग्लेशियर पिघल कर समाप्त होने की ओर अग्रसर हैं जो आसन्न जल संकट का कारण बनेंगे। रिपोर्ट के अनुसार हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन से अभी 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड तक तापमान में वृद्धि हुई है जो साल 2024 में 1.55 डिग्री सेंटीग्रेड हो गई है। इस गति से वृद्धि होने पर जलवायु पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है जो आगे बढ़ता जाएगा। यदि तापमान वृद्धि को रोका नहीं गया तो इसके कारण जैव विविधता पर भी बुरा असर पड़ने वाला है। जिससे 10 लाख प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। 20 से 40% प्रतिशत भू-भाग वैश्विक स्तर पर अनुपजाऊ होने के कगार पर है, जिससे 300 करोड़ लोग प्रभावित होंगे।

जलवायु से जुड़ी भीषण घटनाओं के कारण जनधन की भारी हानि हो रही है। आर्थिक रूप में वार्षिक 14300 करोड़ डॉलर की हानि पिछले दो दशकों से हो रही है। वायु प्रदूषण के कारण साल 2019 में स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक नुकसान 8.1 ट्रिलियन डॉलर आंका गया, जो वैश्विक अर्थ व्यवस्था का 6.1 प्रतिशत है। 90 लाख मौतें प्रदूषण संबंधी कारणों से हुईं। 80 हजार लाख टन प्लास्टिक कचरा फैला हुआ है, जिससे गंभीर रासायनिक तत्वों से संपर्क हो रहा है और इससे 1.5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक हानि प्रति वर्ष हो रही है। नैनो प्लास्टिक तत्व मानव शरीर तक पहुंच कर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा कर रहे हैं। अनुमान है कि यदि साल 2040 तक तापमान वृद्धि 2 डिग्री सेंटीग्रेड तक पंहुच गई तो जलवायु परिवर्तन के कारण पारिस्थितिक-व्यवस्था का अपूरणीय विनाश हो सकता है जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन होगा। अर्थव्यवस्थाएँ चौपट हो सकती हैं और बेरोजगारी, गरीबी और अस्थिरता बढ़ेगी। उपजाऊ जमीनों के नष्ट होने से भूख, विविधता विनाश, पौष्टिक आहार की कमी, अकाल और सामाजिक असंतोष के हालात बनेंगे।

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं वे भी हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। खासकर हरित प्रभाव गैसों के उत्सर्जन में भारी कटौती करनी होगी। जिसके लिए कार्बन मुक्त उर्जा विकल्पों की ओर मुड़ना होगा। सौर उर्जा, पवन उर्जा, हाइड्रो काइनेटिक उर्जा आदि विकल्प उपलब्ध और विकसित करने होंगे। पेट्रोल, डीजल पर दी जा रही सब्सिडी को हरित उर्जा की ओर मोड़ना पड़ेगा।

अत्यधिक संसाधन दोहन और दुरूपयोग को नियंत्रित करने के लिए ''यूज एंड थ्रो'' उत्पाद पद्धति को बदल कर टिकाऊ और मरम्मत किये जा सकने योग्य उत्पाद बनाने होंगे। बेकार पदार्थों और कचरे के पुनः चक्रीकरण की व्यवस्थाओं को प्रोत्साहित करना संसाधनों के अत्यधिक दोहन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। वायु प्रदूषण को रोकना, पारिस्थितिक तंत्र को बचाना और पुनर्जीवित करने पर जोर देना पड़ेगा।

जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के लिए इसे रोकने के जरूरी कदम उठाने के साथ-साथ जलवायु अनुकूलन की विधियाँ तलाशनी होंगी। परिवहन के कारण होने वाले भारी प्रदूषण से निपटने के लिए टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आरामदायक बनाते हुए उसे विकसित करना पड़ेगा। समस्याएँ तो आती रहेंगी किन्तु समाधान के लिए प्रकृति आधारित हल प्राथमिकता से ढूंढे जाएं तो हालत सुधरने में मदद जरूर मिलेगी।

(लेखक, जाने-माने पर्यावरण विद् हैं।)

हाथों की लकीरों पर मत जा ऐ गालिब, नसीब उनके भी होते हैं, जिनके हाथ नहीं होते

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

उर्दू-फारसी के सर्वकालिक महान शायर मिर्जा असदुल्लाह बेग खान उर्फ 'गालिब' अपने मन व देश की मनोदशा को स्वंयम की गजलो व शायरी के माध्यम से लोगों तक पहुंचाते थे। उनके द्वारा रचित शेरो-शायरी आज भी लोगों के जेहन और जुबान पर बनी हुई हैं। कितने ही दौर आये और गए लेकिन गालिब का जादू जो का त्यों है, गालिब को शायरी का पर्यायवाची भी कहा जाता है उनके द्वारा लिखी गई शायरी हर वर्ग के व्यक्ति को पसंद हैं। गालिब की रचनाएँ न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में पसंद की जाती हैं। फारसी कविता के प्रवाह को हिंदुस्तानी जुबान में लोकप्रिय कराने का श्रेय भी इनको दिया जाता हैं। गालिब के लिखे पत्र, जो उस समय प्रकाशित नहीं हुए थे, इन पत्रों को भी उर्दू लेखन का महत्वपूर्ण दस्तावेज माना जाता हैं।

मिर्जा गालिब का जन्म 27 दिसंबर 1797 को उत्तर प्रदेश के आगरा में हुआ। इनके पूर्वज तुर्की में रहा करते थे, उनके पिता का नाम मिर्जा अब्दुल्लाह बेग खान और माता का नाम इज्जत-उत-निसा बेगम था। 1803 में अलवर में एक युद्ध के दौरान मिर्जा गालिब के पिता की मृत्यु हुई। 11 वर्ष की उम्र से ही मिर्जा गालिब ने कविता लिखना शुरू कर दिया था एवं 13 वे साल में उनकी शादी उमराव बेगम से हुई। उनके सात बच्चे हुए लेकिन एक भी जीवित नहीं रह पाया। आरिफ अर्थात गोद लिया हुआ बेटे को भी अपने बच्चे की तरह पाला पर फिर भी अन्य बच्चो की तरह यह बच्चा भी ज्यादा समय नही जी पाया। ताउम्र उन्हें इस बात का दुख था, इस बात का जिक्र उन्होने अपनी कविता कैद-ए-हयात-ओ-बंद-ए-गम मे दशार्या था। मिर्जा गालिब मुगल काल के आखरी शासक बहादुर शाह जफर के दरबारी कवि थे। 1850 में बहादुर शाह जफर द्वितीय के दरबार में गालिब को दबीर-उल-मुल्क की उपाधि से नवाजा गया और इसके अलावा उनको नज्म-उद-दौला के खिताब से नवाजा गया। मिर्जा गालिब का मुगल दरबार में बहुत मान-सम्मान था। 1854 में खुद बहादुर शाह जफर ने उनको कविताओं के लिए शिक्षक के रूप में नियुक्त किया, व्यंग्य करने वालों पर गालिब शायरी लिख दिया करते थे।

मुगलों के पतन के दौरान उन्होंने मुगलों के साथ बहुत वक्त बिताया। मुगल साम्राज्य के पतन के बाद ब्रिटिश सरकार ने गालिब पर ध्यान नहीं दिया और उन्हें दी जाने वाली पेंशन भी बंद करवा दी। वह अपनी हर रचना मिर्जा, असद या गालिब के नाम से लिखते थे, इसलिए वह इस नाम से प्रसिद्ध हो गये।

मिर्जा गालिब का व्यक्तित्व बड़ा ही आकर्षक था। वस्त्र विन्यास पर विशेष ध्यान रखते थे। खाने-खिलाने के शौकीन, स्वादिष्ट व्यंजनों के प्रेमी थे। मिर्जा गालिब जीवन के संघर्ष से भागते नहीं थे, वह इस संघर्ष को जीवन का एक अंश तथा आवश्यक भाग समझते थे। मानव की उच्चता तथा मनुष्यत्व को सब कुछ मानकर उसके भावों तथा विचारों का वर्णन करने में वह अत्यंत निपुण थे और यह वर्णनशैली ऐसे नए ढंग की है कि, इसे पढकर पाठक मुग्ध हो जाता हैं। उनके स्वभाव में विनोदप्रियता तथा वक्रता भी थी, ये सब विशेषता उनकी शेरोशायरी में भी झलकती हैं। वे मदिरा प्रेमी भी थे, इसलिए मदिरा के संबंध में उन्होंने भाव प्रकट किये है, उनके शेर ऐसे चुटीले तथा विनोदपूर्ण है कि, उनका जोड़ उर्दू कविता में अन्यत्र नहीं मिलता। वह अत्यंत शिष्ट एवं मित्रपरायण थे। उनके मित्रों का दायरा बहुत बड़ा था, जिसमे सभी धर्म व प्रांत के लोग थे और वे सर्व धर्म प्रिय व्यक्ति थे। उदार व्यक्तित्व के धनी व उसी उदार दृष्टि के बावजूद आत्माभिमानी थे। मिर्जा गालिब ने कविता अर्थात गजल, शेरो शायरी में ही नहीं, गद्य लेखन में भी नया मार्ग प्रशस्त किया हैं। अपनी रचनाओं में सरल शब्दों का प्रयोग किया हैं। उर्दू गद्य-लेखन की नींव रखने के कारण इन्हे वर्तमान उर्दू गद्य का जन्मदाता भी कहा जाता हैं। इनकी अन्य रचनाएँ लतायफे गैबी, दुरपशे काव्यानी, नाम-ए-गालिब, मेहनीम इत्यादि गद्य मे हैं। फारसी के कुल्लियात मे फारसी कविताओं का संग्रह है। दस्तंब मे इन्होने 1857 ई. के बलवे का आंखों देखा विवरण फारसी गद्य मे लिखा है, इसके अलावा उर्दू-ए-हिंदी, उर्दू-ए-मुअल्ला भी हैं। इनकी रचनाओं में देश की तत्कालीन, राजनीतिक, आर्थिक स्थिति का वर्णन हुआ हैं। उनकी खूबसूरत शायरी का संग्रह दीवान-ए-गालिब का अनेक स्वदेशी व विदेशी भाषाओं में अनुवाद हो चुका हैं।

गालिब की शायरी ने उर्दू अदब को नए पंख और नया आसमान दिया हैं। मिर्जा गालिब हमेशा उर्दू के सबसे बड़े शायरों में रहेंगे। उर्दू और फारसी के बेहतरीन शायर के रूप में उनकी ख्याती दूर-दूर तक फैली तथा अरब एवं अन्य राष्ट्रों में भी वे अत्यंत लोकप्रिय हुए। गालिब की शायरी का बड़ा हिस्सा फारसी में है, कम उर्दू में है लेकिन जितना लिखा है, वो ही आने वाले कई जमाने तक लोगों को सोचने पर मजबूर करने के लिए काफी हैं। गालिब की शायरी की सबसे खूबसूरत बात ये है कि, वो किसी एक रंग या किसी एक एहसास से बंधे नहीं, जीवन के हर पड़ाव की स्थिति पर उनका शेर हैं। गालिब शायद उर्दू के इकलौते ऐसे शायर है, जिनका कोई न कोई शेर जिंदगी के किसी न किसी मौके पर आधारित हैं। गालिब की शायरी में एक तड़प, एक तंज, एक चाहत, एक आशिकाना अंदाज देखने को मिलता है जो सहज ही पाठकों के दिल को छू लेता हैं। कुछ ऐसे ही उनकी मशहूर रचनाओं के चंद शेर प्रस्तुत हैं।

दैनिक पंचांग

27 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

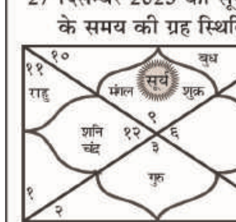

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.00 बजे से
चंद्र	मीन में	कुंभ	09.46 बजे से
मंगल	धनु में	मीन	11.19 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	12.49 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	14.29 बजे से
शुक्र	धनु में	मिथुन	16.28 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	20.57 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	23.09 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	तुला	01.20 बजे से
		वृश्चिक	03.34 ब.से
		धनु	05.50 बजे से

शनिवार 2025 वर्ष का 361 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** पौष **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 13.10 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** व्यतीपात 12.22 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.10 बजे तदनन्तर विष्टि 00.40 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 06.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 19' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872571 **जूलियन दिन** 2461036.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 06 **विशेष** गुरु गोबिंद सिंह जयंती, मंडला पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बंगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में विहिप-बजरंग दल ने निकाली आक्रोश रैली

साहिबगंज: बंगलादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में शुक्रवार की विश्व हिंदू परिषदझबजरंग दल ने रैली निकाल आक्रोश व्यक्त किया। इसके पूर्व रेलवे मैदान स्थित तारा मंदिर परिसर से सैकड़ों युवाओं की मौजूदगी में विरोध रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के जिला संयोजक आदित्य यादव ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने बंगलादेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली कलिंगा होटल, नगर थाना मोड़, पटेल चौक, रेलवे स्टेशन चौक, ग्रीन होटल मोड़ और टमटम स्टैंड होते हुए पूर्वी फाटक तक पहुंची। जहां कार्यकर्ताओं ने बंगलादेश सरकार का पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त किया। मौके पर करण सिंह यादव सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

जहरीले सांप के काटने से दो मूर्छित

साहिबगंज: जिला के राजमहल प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बेगमपुरा मडई गांव में शुक्रवार को खेत में काम करने के दौरान पार्वती देवी (27) को सांप काटने से मूर्छित हो गई। वहीं दूसरी तरफ नया बस्ती मोहल्ले में सत्यम यादव (16) को सांप काटने से मूर्छित हो गया। जहां दोनों घायलों के अपने-अपने परिजनों के द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा दोनों का इलाज किया। खबर लिखे जाने तक चिकित्सकों के देखरेख में दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा था।

NOTICE

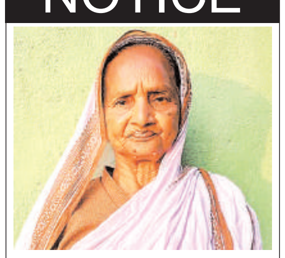

I URMILA MAHTO @ URMILA BALA MAHATO, W/o. Late Anii Baran Mahato, by faith Hindu, by Nationality Indian, resident of Village - Pathardih, P.O. Patamda, P.S. Patamda, Dist. East Singhbhum, State Jharkhand, do hereby solemnly affirm and declare by Affidavit no.- 47212 Dated- 26-12-2025 as follows-
1. That my husband ANIL BARAN MAHTO (now deceased), S/o. Late Banka Bihari Mahato, has died on 13.11.2025.
2. That my husband had retired on dated 31.07.2007 as Teacher from Kherua Middle School, Patamda.
3. That my actual and correct name is "URMILA MAHTO" which is also written in Service Book/Pension Book of my deceased husband and in my Voter ID Card.
4. That in inadvertences my name has been written "URMILA BALA MAHATO" in my Aadhar Card.
5. That URMILA MAHTO and URMILA BALA MAHATO is the name of same and one person ile myself.

स्व. भगीरथ महतो की स्मृति में छतरडीह में एकदिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट एवं झूमर संगीत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के कुकड़ू प्रखंड अंतर्गत छतरडीह गांव में शुक्रवार को स्वर्गीय भगीरथ महतो की स्मृति में एकदिवसीय फुटबॉल टूनामेंट सह झूमर संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युवा स्टार कमिटी छतरडीह के तत्वावधान में किया गया। फुटबॉल टूनामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव एवं जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष तरुण महतो के धर्मपत्नी भानुमती महतो ने संयुक्त रूप से किया। फाइनल मुकाबले में उत्तम स्पोटिंग ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में

?50,000 की राशि प्रदान की गई। वहीं शिवा स्पोर्टिंग को द्वितीय पुरस्कार स्वरूप 40,000, सिद्धू-कानू क्लब कुकड़ू को तृतीय पुरस्कार के रूप में 20,000 तथा किस्कू ब्रदर्स गम्हारिया को चतुर्थ पुरस्कार के रूप में 20,000 की राशि दी गई।

इस अवसर पर अपने संबोधन में अशोक साव ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। खेल हमें शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाता है। साथ ही झूमर संगीत हमारी समृद्ध संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। कार्यक्रम में उपस्थित भानुमती महतो ने आयोजन समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से क्षेत्र में खेल के प्रति रुचि बढ़ती है तथा आपसी भाईचारा और सामाजिक सद्भावना मजबूत होती है। मौके पर झामुमो कुकड़ू प्रखंड अध्यक्ष कृत्तिवास महतो, जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि सह झारखंड आंदोलनकारी सुनील महतो, बैरासी सिरुम के ग्राम प्रधान सुषेण कुमार महतो, पूर्ण सिंह, डॉ. विभीषण महतो, मेघनाथ महतो, बबलु प्रमाणिक, मोहन सिंह, कमलेश महतो सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

डीसी ने जनता दरबार लगाकर सुनी आम जनों की समस्याएं

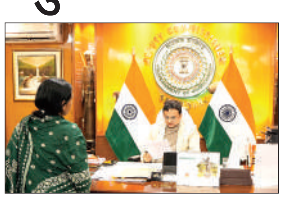

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित डीसी-सह-जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है। डीसी-सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। डीसी ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि "जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना। ज्ञात हो कि साहिबगंज में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है। इस व्यवस्था ने प्रशासनिक कार्यसंस्कृति को नई दिशा दी है। लोग बिना किसी मध्यस्थ के अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुँचा रहे हैं।

मनरेगा की सफलता से बदली ग्रामीण तस्वीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला अंतर्गत महेशपुर प्रखंड के ग्राम पंचायत कनिझाड़ा स्थित ग्राम नुराई में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के अंतर्गत संचालित योजना ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की मिसाल बनकर उभरी है। यह पहल रोजगार सृजन, जैविक कृषि, पर्यावरण संरक्षण एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सफल मॉडल के रूप में सामने आई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्राम सभा के माध्यम से चयनित एवं पंचायत स्तर से स्वीकृत योजना के तहत नाडेप निर्माण कराया गया। इसके माध्यम से गोबर, खेतों से निकलने वाले जैविक अपशिष्ट एवं अन्य कार्बनिक सामग्री का उपयोग कर उच्च गुणवत्ता वाली वर्मी कम्पोस्ट तैयार की गई। लगभग 60झ70 दिनों में तैयार हुई इस जैविक

खाद का उपयोग लाभुक द्वारा अपने खेतों एवं सब्जी उत्पादन में किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मिट्टी की नमी, उर्वरता तथा उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। सब्जियों के आकार, स्वाद एवं गुणवत्ता में भी पूर्व की तुलना में स्पष्ट सुधार हुआ। वहीं लाभुक माया रविदास ने बताया कि पूर्व में रासायनिक खाद के प्रयोग से लागत अधिक आती थी तथा अपेक्षित उत्पादन नहीं मिल पाता था, जबकि वर्मी कम्पोस्ट के प्रयोग से कम लागत में बेहतर उत्पादन संभव हुआ है। इसके साथ ही वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय से उन्हें 3500 से 4000 तक की अतिरिक्त आय भी प्राप्त हुई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। लाभुक ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी एवं जिला प्रशासन, पाकुड़ के प्रति हार्दिक आभार प्रकट किया। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, महेशपुर डॉ. सिद्धार्थ शंकर यादव ने कहा कि मनरेगा अंतर्गत संचालित योजनाओं का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्रामीणों की आय में वृद्धि, टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

सड़क निर्माण घोटाले की खबर के बाद जेई ने पत्रकार से पूछा कार्यस्थल और विभाग का नाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़/हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बेलडीहा गांव में चल रहे सड़क निर्माण कार्य को लेकर कल हमने "सड़क निर्माण में चल रहा बड़ा घोटाला" शीर्षक से खबर चलाया। सड़क निर्माण में चल रही घोर अनियमितता को लेकर प्रकाशित खबर के बाद संबंधित विभाग के संबंधित इंचार्ज/जेई राजेश कुमार द्वारा स्वयं हमारे संवाददाता से फोन कर कार्यस्थल और विभाग की जानकारी मांगी । हैरानी की बात यह है कि बेलडीहा गांव में सड़क निर्माण कार्य करीब 20 से 30 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है, इसके बावजूद संबंधित जेई को न तो कार्यस्थल का सही पता मालूम है और न ही यह स्पष्ट जानकारी है कि कार्य किस विभाग के अंतर्गत कराया जा रहा है। यह स्थिति

सड़क निर्माण में बड़ा घोटाला, कार्य स्थल पर सूचना पट के बिना ही कार्य हो रहा संपन्न

पाकुड़/हिरणपुर : जिले के हिरणपुर प्रखण्ड में जिले के विकास को लेकर किए जा रहे दावे किसी से छिपे नहीं हैं, अधिकतर विकास सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आता है। धरातल पर विकास के नाम पर सिर्फ दिखावटी काम और लीपापोती होती दिखाई देती है। "विकासशील पाकुड़" की बातें भले ही मंचों पर की जाती हों, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका असर कम से कम हिरणपुर में तो कहीं नजर नहीं आता। जिले की सबसे बड़ी समस्याओं में सड़क, शौचालय, नाला, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव आज भी बना हुआ है। सरकारी योजनाएं, लाभ और विधि-व्यवस्था सुनने में तो बेहतर लगती हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। अधिकांश योजनाएं सिर्फ फाइलों और कागजों तक ही सिमटकर रह जाती हैं, जबकि अधिकारी इस पर कुछ भी कहने से बचते नजर आते हैं। ताजा मामला जिले के हिरणपुर प्रखंड अंतर्गत बेलडीहा गांव का है, जहां इन दिनों सड़क ढलाई का कार्य चल रहा है। हैरानी की बात यह है कि अब तक कार्य स्थल पर सूचना पट नहीं लगाया गया है, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि यह कार्य किस मद से कराया जा रहा है और इसकी स्वीकृत राशि कितनी है। ढलाई में इस्तेमाल किया जा रहा बालू भी बेहद घटिया गुणवत्ता का बताया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क की ढलाई महज दो से तीन इंच की जा रही है, जबकि ठेकेदार दावा कर रहे हैं कि आठ इंच मोटाई की ढलाई हो रही है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि दबाव बनाए जाने पर कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से सही काम किया जाता है, लेकिन बाद में फिर से मानक से कम मोटाई में ढलाई कर दी जाती है। इस पूरे मामले ने सरकारी योजनाओं की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विभागीय लापरवाही और कार्य की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। खबर प्रकाशित होने के बाद जेई द्वारा फोन पर यह पूछा जाना कि, ₹सड़क निर्माण का कार्य आखिर कहां हो रहा है और यह किस विभाग की योजना है। दशार्ता है कि टेंडर कितना मैनेज हो रहा है जब पत्रकार ने उनसे ही जानकारी लेने का प्रयास किया तो उन्होंने उल्टा पत्रकार से ही सवाल करते हुए कहा कि आपने खबर निकाली है, तो आपको ही बताना होगा कि बेलडीहा कहां है और किस विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। यह पूरा घटनाक्रम यह दशार्ता है कि जिन अधिकारियों के जिम्मे निर्माण कार्य की निगरानी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है, वे ही कार्य की बुनियादी जानकारी से अनभिज्ञ हैं। इससे न केवल निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं, बल्कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति भी उजागर होती है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सदर प्रखंड में लगा पहला सोलर सिस्टम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत नलपोखर पाकुड़ में ग्राम निवासी रविंदनाथ केथा के घर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिस्टम मेटाज सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगाया गया। ज्ञात हो कि प्रखंड में प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पहला सोलर सिस्टम लगाया गया है। सोलर सिस्टम लगाने के दौरान मेटाज सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी के निर्देशक सरबर खान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वर्णिम योजना प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मेटाज सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी द्वारा 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाया गया है। इस योजना के तहत 6 सोलर पैनल सिस्टम लगाया गया है। जिसमें केंद्र सरकार 3 किलोवाट में 78 हजार और मेटाज सर्विसेज एंड टेक्नोलॉजी के द्वारा

12 हजार रुपए का सब्सिडी दे रही है। मौके पर जिले के डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर मोहम्मद नजीरुद्दीन ने बताया कि पाकुड़ प्रखंड चकबलरामपुर निवासी रविंदनाथ केथा के घर सोलर सिस्टम लगाया गया है लगाते हीं आसपड़ोस के लोग भी उत्सुकता के साथ लगाने के लिए प्रक्रिया पूरी कर रहें हैं। बहुत जल्द उनके घरों में भी सोलर सिस्टम लगाया जाएगा। वहीं जिला कॉर्डिनेटर अपना हेल्पलाइन नंबर 7488149106 देते हुए कहा योजना संबंधित किसी तरह की समस्या या जानकारी हमसे बात कर समाधान पा सकते हैं।

महिला व पुरुष वर्ग का फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजित, पुरुष वर्ग में मुर्मू स्टार व महिला वर्ग में महाकाल मोहनपुर रहा विजेता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के उधवा प्रखंड क्षेत्र के मोहनपुर पंचायत अंतर्गत सिमलजोड़ी गांव में सोना संथाल क्लब की ओर से तीन दिवसीय आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शुक्रवार को हुआ। फाइनल फुटबॉल टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू शामिल हुए। पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज से मुख्य अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। वहीं विधायक प्रतिनिधि मो. मारुफ उर्फ

गुड्डू ने संबोधित करते हुए कहा कि फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन से आपस में प्रेम बढ़ता है। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रतियोगिता से खिलाड़ियों का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य होता है। कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद अत्यंत जरूरी है। वहीं फुटबॉल टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में इमली टोला टीम बनाम मुर्मू स्टार टीम के बीच फाइनल मुकाबला हुआ, जिसमें मुर्मू स्टार टीम ने जीत दर्ज किया। जबकि महिला वर्ग में कुल 4 टीमों ने भाग लिया। जिसमें महाकाल मोहनपुर टीम बनाम मिलन चौक टीम के बीच फाइनल मुकाबला हुआ,जिसमें महाकाल मोहनपुर टीम ने जीत दर्ज किया। वहीं सोना संथाल क्लब की ओर से विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। मौके पर झामुमो महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा, उधवा प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ, राजमहल प्रखंड अध्यक्ष अनिसुर रहमान, जिला परिषद सदस्य सह वरिष्ठ नेता गुरु हेंब्रम, जिला सह सचिव काजू मल्लिक, प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, उपाध्यक्ष भैय्या किस्कू, पंचायत अध्यक्ष मंगल मरांडी, सकल हेंब्रम सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सिखों ने मनाया बाल वीर बलिदानी दिवस

साहिबगंज: शहर स्थित सिख धर्मावलंबियों ने शुक्रवार को बाल वीर बलिदानी दिवस मनाया। बाटा रोड स्थित गुरुद्वारा से सैंकड़ों की संख्या में सिख समुदाय के महिला-पुरुष ने शोभा यात्रा निकाली। शोभा यात्रा शहर के चौक बाजार, पटेल चौक, कॉलेज रोड टमटम स्टैंड काली मंदिर समीप से वापस मुख्य मार्ग होते हुए गुरुद्वारा परिसर में समाप्त हुई। शोभा यात्रा में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष उज्ज्वल मंडल, महिला जिला अध्यक्ष गरिमा साह, ललन सिंह व अन्य भी शामिल शामिल हुए। यात्रा के उपरांत गुरुद्वारा में लंगर चलाया गया। मौके पर बलवीर सिंह, बिल्लू सिंह, जगजीत सिंह, मनसुख सिंह, रवि अजमानी, शिशुपाल सिंह, राजेंद्र सिंह, लवली कौर सहित अन्य थे।

विद्युत विभाग की बड़ी कार्रवाई, अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में छापामारी

साहिबगंज: जिला में वर्ष के अंतिम महीने में भी विद्युत विभाग अपने राजस्व लक्ष्य को पूरा करने को लेकर पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को लोहंडा क्षेत्र में अधीक्षण अभियंता नथन रजक के नेतृत्व में सघन छापामारी अभियान चलाया गया इस दौरान विद्युत चोरी के आरोप में आठ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मौके पर मौजूद कनीय अभियंता नील गगन ने बताया कि जांच के दौरान यह पाया गया कि संबंधित उपभोक्ता अवैध तरीके से लाइन काटकर या सीधे तार जोड़कर विद्युत का उपयोग कर रहे थे। विद्युत अधिनियम के तहत इसे गंभीर अपराध मानते हुए तत्काल कार्रवाई की गई। छापामारी के दौरान अवैध कनेक्शन हटाए गए और संबंधित उपभोक्ताओं पर कुल डेढ़ लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया, जिसे राजस्व वसूली के रूप में जमा कराया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि विद्युत चोरी पर अंकुश लगाया जा सके और ईमानदार उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा हो सके। छापामारी अभियान में विद्युत कार्यपालक अभियंता शंभूनाथ चौधरी, सहायक अभियंता ज्ञानचंद समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। विद्युत विभाग ने आम लोगों से अपील की है कि वे वैध कनेक्शन लेकर ही बिजली का उपयोग करें और विद्युत चोरी से बचें।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बरहरवा एसडीपीओ का देर रात चलाया निरीक्षण अभियान

साहिबगंज: जिला के बरहरवा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नितिन खंडेलवाल ने बीती रात बरहरवा नगर पंचायत क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए विशेष निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने नगर क्षेत्र के विभिन्न ज्वेलरी शॉप, कपड़ा दुकान, इलेक्ट्रॉनिक दुकान सहित छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में एसडीपीओ नितिन खंडेलवाल ने दुकानदारों से सीसीटीवी कैमरे की उपलब्धता, उसकी कार्यशील स्थिति, लाइटिंग व्यवस्था, अलार्म सिस्टम एवं रात्रि सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिया कि सभी प्रतिष्ठानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएं और उसे नियमित रूप से चालू रखा जाए, ताकि किसी भी आपराधिक घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई संभव हो सके ।एसडीपीओ ने कहा कि अपराध नियंत्रण एवं आमजन की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। व्यापारियों का सहयोग मिलने से अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत स्थानीय थाना को दें। देर रात तक चले इस निरीक्षण अभियान से व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ा है। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा किए जा रहे सतत निगरानी प्रयासों से नगर क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

विधायक ने भुइयांडीह में किया झूमर संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन

चांडिल: प्रखंड क्षेत्र के चिलगु पंचयात अंतर्गत भुइयांडीह में तीन दिवसीय मेला का आयोजन किया गया। मेले के दूसरे दिन शुक्रवार को कमेटी की ओर से झूमर संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विधायक सविता महतो ने विधिवत रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान उड़ीसा से आए दीपक महतो झूमर संप्रदाय के कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक झूमर संगीत का प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। वही सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए आसपास के लोगों की काफी भीड़ उमड़ी। इस दौरान विधायक सविता महतो ने अपने संबोधन में कहा कि संस्कृति हमारी पहचान है इसे बचाए रखने की जरूरत है। मौके पर जिला परिषद सदस्य पिंकी लायेक, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, समाज सेवी दिलीप महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य सह झामुमो नेता ओम प्रकाश लायेक, शहरबेड़ा ग्राम प्रधान रवींद्रनाथ तंतुबाई, शंकर लायेक, बादल महतो, मिलन तंतुवाई, राहुल वर्मा आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे: सांसद रवि किशन

गोरखपुर में बोले रविकिशन, पवन खेड़ा के बयान पर किया पलटवार

गोरखपुर। सांसद रविकिशन ने कहा कि जब बांग्लादेश में एक दलित हिन्दू लड़के को मारकर पेड़ से उल्टा लटकाकर जला दिया गया तो कांग्रेस के लोग, विपक्ष के अन्य लोग और पवन खेड़ा टाइप लोग कहां थे। रविकिशन शुक्रवार को वनटांगिया गांव में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पवन खेड़ा द्वारा आरएसएस को लेकर दिए गए बयान की आलोचना करते हुए कहा कि इसी कारण कांग्रेस की बिहार में यह दशा हुई है। हम बंगाल को बांग्लादेश नहीं बनने देंगे। हम अब बंगाल जीतेंगे, उसके बाद उत्तर प्रदेश जीतेंगे। बांग्लादेश की घटना के बाद बंगाल के साथ ही पूरे देश का युवा एवं मां-बहनें जाग गई हैं। उन्होंने पवन खेड़ा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि एक हिन्दू जला दिया जाता है तो उससे इन जैसे लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता। चर्च या मस्जिद के बाद डीजे बज जाए तो इन्हें परेशानी हो जाती है। हिन्दू समाज शांतिप्रिय समाज है। हम कभी विवाद नहीं चाहते और न ही किसी की शांति में दखल देते हैं। गोरखपुर के वनटांगिया गांव जंगल तिनकोनिया नंबर तीन को प्रदेश का पहला जल अर्पण गांव घोषित किया गया है। इसको लेकर शुक्रवार को गंव में कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रविकिशन ने गांव के प्रधान एवं ग्रामीणों को जल कलश सौंपकर जल अर्पण कार्यक्रम की शुरूआत की। अब गांव में पानी की आपूर्ति की पूरी व्यवस्था ग्रामीण ही संभालेंगे। उनका नेतृत्व ग्राम प्रधान करेंगे। अब गांव के लोग ही पानी के मालिक होंगे और उन्हीं की देखरेख में योजना संचालित की जाएगी। सांसद रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पानी की सौगात दी है। उन्होंने ग्रामीणों से जल संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि पानी हर जरूरतमंद के पास पहुंचे और पानी को बर्बाद न किया जाए। ये हर ग्रामवासी की सोच होनी चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव व जल जीवन मिशन के एमडी कमल किशोर, जल निगम ग्रामीण के एमडी डॉ. राजशेखर, गोरखपुर के जिलाधिकारी दीपक मीणा, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक प्रभाष कुमार समेत बड़ी संख्या में राज्य सरकार के अधिकारी मौजूद थे। सांसद रविकिशन ने भारत सरकार और राज्य पेयजल स्वच्छता मिशन के अधिकारियों के साथ वनटांगिया गांव में दिए गए नल कनेक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए नल से पानी पिया। सांसद रविकिशन अधिकारियों के साथ खुद टंकी के ऊपर चढ़े और टंकी पर राखी बांध जल संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत से पहले वनटांगिया गांव के स्थानीय स्कूली बच्चों ने प्रभात फेरी निकालकर पूरे गांव को जल संरक्षण व स्वच्छता का संदेश दिया। इसके बाद बच्चों ने गांवों के नल कनेक्शन को राखी बांधकर जल बंधन कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के दौरान सांसद रवि किशन ने ग्रामीणों को सम्मानित भी किया। सांसद ने ग्राम प्रधान इंदूलता, मुखिया रामगणेश, पंप ऑपरेटर गुड्डू निषाद, एफटीके सदस्य ज्योति और जल मित्र निहाल को सम्मानित किया। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका दीर्घकालिक और टिकाऊ मॉडल है। पेयजल आपूर्ति की जिम्मेदारी संभालने वाली कार्यदायी एजेंसी अगले 10 वर्षों तक संचालन, रखरखाव और गुणवत्ता की सतत निगरानी करेगी। इससे ग्रामीणों को बिना रुकावट, मानक के अनुरूप नल से शुद्ध जल उपलब्ध होता रहेगा। वनटांगिया गांव से शुरू हुआ यह अभियान पूरे प्रदेश के लिए रोल मॉडल बनेगा। योगी सरकार का लक्ष्य है कि इस मॉडल को चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के हर जिले और हर गांव तक पहुंचाया जाए। वनटांगिया गांव से प्रदेश की इस बड़ी योजना की शुरूआत करना योगी आदित्यनाथ सरकार की वनटांगिया समुदाय की बेहतरी को लेकर प्राथमिकता से किए जा रहे प्रयासों का सशक्त उदाहरण है। प्रदेश स्तर पर हर घर जल अभियान के तहत 51 हजार गांवों (राजस्व गांव) में 100 प्रतिशत जलापूर्ति सुनिश्चित की गई है। अब तक प्रदेश के 26,531 राजस्व गांव ह्यहर घर जलह्ण से प्रमाणित हो चुके हैं। गोरखपुर जिले में ही 5,55,478 परिवारों को नल से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है।

शीतलहर का प्रकोप: उच्च न्यायालय अधिवक्ता पवन उपाध्याय ने जलवाया अलाव

संवाददाता

कुशीनगर। पिछले एक हफ्ते से कड़ाके की ठंड और शीतलहर का प्रकोप जारी है इससे जन जीवन पूरी तरह से प्रभावित हुआ है। सुबह व शाम के समय ठिठुरन इतनी बढ़ जाती है कि आमजन के साथ साथ बुजुर्गों, बच्चों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फाजिलनगर क्षेत्र के जौरा बाजार स्थित इंटर मीडिएट कालेज चौराहे पर शुक्रवार के दिन उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पवन उपाध्याय ने जरूरत मंद और राहगीरों के लिए अलाव की व्यवस्था की। ठंड के इस प्रकोप में यह पहल लोगों के लिए काफी राहत मिल रही है। यह व्यवस्था विशेष रूप से बुजुर्गों, राहगीरों,व खास तौर पर विद्यालय आने जाने वाले बच्चों के लिए मददगार साबित हो रही है। लोगों ने अधिवक्ता पवन उपाध्याय को इस सराहनीय पहल की खुले दिल से प्रशंसा कर रहे है। कालेज के बच्चे रोहित, संदीप, खुशी, अमित चौहान, जयराम, भोला, रियाज अहमद, सिंटू प्रसाद, संजय सहित सैकड़ों लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे गरीब, मजदूर और राहगीरों के लिए वरदान बताया। चौराहे के लोगो ने प्रशासन से भी सार्वजनिक स्थानों,चौराहों और बाजारों में अलाव की व्यवस्था करने की मांग की ताकि ठंड में और राहत मिल सके। चौराहे पर की गई इस पहल क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। अधिवक्ता श्री उपाध्याय ने कहा कि इस ठंड के मौसम में सभी को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ठंड में अलाव के अलावा कोई गरीब सड़क पर मिल जाय तो उसे कम्बल, कपड़ा और भोजन के लिए कुछ धन की व्यवस्था कर दी जानी चाहिए।

अटल जी थे दूरदर्शी राष्ट्रनेता जिन्होंने भारत को नई दिशा दी: रजनीकांत मणि त्रिपाठी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दुलारी सेवा संस्थान, कसया, कुशीनगर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय " अटल बिहारी बाजपेई जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर संगोष्ठी, कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। शुक्रवार को नगर के होटल लीला ग्लैक्सी में आयोजित समारोह के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के चित्र पर पुष्पार्चन से किया गया। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी एक राजनेता, संवेदनशील कवि, दूरदर्शी राष्ट्रनेता थे जिन्होंने भारत को नई दिशा दी। उन्होंने लोकतंत्र की मयार्दा, सुशासन और पारदर्शिता को राजनीति का आधार बनाया और मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रो. सीमा त्रिपाठी ने कहा कि बाजपेई जी की जीवनी को अपने जीवन में उतारें यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसी क्रम में एड मनोज कुमार पांडेय, बार संघ महामंत्री अम्बरीष चौबे ने अटल जी के जीवन पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में पूर्व विधायक मदन गोविंद राव ने कहा कि वह विलक्षण प्रतिभा के धनी कवि, पत्रकार, राजनेता ही नहीं बल्कि विकट परिस्थितियों में भी उन्होंने भारत को एक कुशल नेतृत्व दिया। आयोजित कवि सम्मेलन में दिनेश तिवारी भोजपुरिया, वंदना वैदेही, डॉ अम्बरीष विश्वकर्मा, एड. सरिता मिश्रा ने अटलजी के जीवन वृत पर रचनाओं के साथ शानदार रचना प्रस्तुत की। गायक सुनील मिश्रा की टीम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। निरंकारी स्कूल की छात्राओं ने सरस्वती वंदना और गीत, नृत्य प्रस्तुत किए। अतिथियों को बुके और अंग वस्त्र देकर आयोजक संस्था अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा, विशाल शर्मा, राम प्रताप चौरसिया ने किया। अध्यक्षता प्राचार्य रवि शंकर प्रताप राव व संचालन राजू मद्धेशिया ने किया। इस दौरान आनंद शेखर सिंह, रमेश मद्धेशिया, प्रधानाचार्य अवधेश चौरसिया, मनोज चौरसिया, किशोर कुमार निषाद, अंकुर दूबे, प्रमिल गुप्ता, पिंटू राय, नंदलाल गुप्ता सहित प्रतिभागी मौजूद रहे।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर तीन कार आपस में टकराई

लखनऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर घने कोहरा के कारण शुक्रवार सुबह तीन कार आपस में टकरा कर क्षतिग्रस्त हो गई। जिससे कारों में सवार में लोगों में चीख पुकार मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कार सवार किसी के चोट नहीं आई> मौके पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम में क्षतिग्रस्त कारों को रोड से हटवा कर यातायात शुरू कराया गया। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह 6:48 पर सूचना मिली कि थाना डौकी क्षेत्र के अंतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 14 के पास बने डायवर्सन के पास घने कोहरा के कारण तीन कार आपस में टकरा गई है। सूचना पर पुलिस व यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहनों को रोड से हटवा कर यातायात शुरू कराया गया। वहीं गनीमत रही की हादसे में किसी कार सवार को चोट नहीं लगी।

पुस्तक लोकार्पण: नौकरी में रहकर साहित्य सृजन कठिन कार्य: कवि चंदेश्वर परवाना

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र के भलुही मदारी पट्टी में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद आत्मज्ञानी की दो पुस्तकें पद्य गरिमा और गद्य गौरव का लोकार्पण कवि और साहित्यकारों ने किया। पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम की शुरूआत माता सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ। मुख्य अतिथि राहुल सांकृत्यायन सम्मान प्राप्त कवि चंदेश्वर शर्मा परवाना ने आत्मज्ञानी की लिखी पुस्तक की समीक्षा करते हुए कहा कि नौकरी में रहकर साहित्य सृजन कठिन कार्य है। आगे कहा कि साहित्यकार लिखता तो है लेकिन खाली समय में सोचता भी है। विशिष्ट अतिथि उमाशंकर सोनी ने कहा कि सुरेश प्रसाद ने अपने भावों, विचारों, अनुभवों और चिंतन को पुस्तक के रूप में प्रस्तुत कर सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया है। सुरेश प्रसाद गुप्ता, गेंदा सिंह, चंद्रिका प्रसाद ने लेखक आत्मज्ञानी की लिखी पुस्तकों पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता करते हुए रामाश्रय ने कहा कि पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र होती हैं जो सही दिशा देती हैं। कवि सम्मेलन में सुरेश आत्मज्ञानी, अवध किशोर अवधु, एड. इरशाद कामिल, विकाश वैभव, अमरनाथ पाण्डेय ने बेहतरीन काव्य प्रस्तुत कर तालियां बटोरी तो गीतकार धीरज राव, राजेश रोशन, डॉ श्यामा भारती, अतुल भारती ने गीतों से समां बांधी और श्रोताओं की तालियां बटोरी। आयोजक श्री आत्मज्ञानी ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर और अंगवस्त्र व पुस्तकें देकर सम्मानित किया। मंच का शानदार काव्यात्मक संचालन आचार्य जर्नादन ने किया। इस अवसर पर श्रवण भारती, दशरथ प्रसाद, रामाश्रय चौधरी, विकास चौधरी, नरसिंह, सोहनलाल साहू, विंध्याचल, विवेक जयसवाल, मोहन गोंड सहित मातृ शक्ति उपस्थित रहे।

दुधवा राष्ट्रीय उद्यान : लखनऊ से गौरीफंटा तक बस सेवा का विस्तार, कैसरबाग से मिलेंगी बसें

लखनऊ। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में हाल ही में जन्मे एक सींग वाले गैंडे के शावक इन दिनों पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बने हुए हैं, जिससे बच्चों सहित बड़ों में भी यहां आने को लेकर रुची काफी बढ़ती जा रही है। इसी को लेकर दुधवा नेशनल पार्क व आसपास के क्षेत्रों में प्रकृति-आधारित पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लखनऊ के कैसरबाग बस स्टेशन से चलने वाली विशेष एसी 2७2 बस सेवा को अब दुधवा से आगे अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित गौरीफंटा तक विस्तारित कर दिया गया है। पहले यह बस सेवा केवल दुधवा तक सीमित थी और मुख्य रूप से नेचर व वाइल्डलाइफ प्रेमियों के लिए संचालित होती थी, लेकिन पर्यटकों के अन्य जगहों पर घूमने व बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत को देखते हुए इसका विस्तार किया गया। ठंड के मौसम में दुधवा राष्ट्रीय उद्यान पर्यटकों का प्रमुख केंद्र बना हुआ है, जहां बाघ, एक सींग वाला गैंडा, हाथी, हिरण, बारहसिंगा और तेंदुए जैसे दुर्लभ वन्यजीवों के साथ नन्हे गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं। नई व्यवस्था के तहत, यह बस सुबह 8 बजे कैसरबाग से रवाना होकर दोपहर 2 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी में बस 2:30 बजे गौरीफंटा से चलकर 3 बजे दुधवा पहुंचेगी और फिर 3:30 बजे दुधवा से लखनऊ लौटते हुए रात 9 बजे कैसरबाग पहुंचेगी। इसके साथ ही लखनऊ से दुधवा का किराया 487 रुपये तथा लखनऊ से गौरीफंटा तक 536 रुपये तय किया गया है। इस नई सेवा से दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा के जंगलों में आने वाले प्रकृति प्रेमियों को बेहद सुविधा मिलेगी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपीएसआरटीसी की यह पहल उत्तर प्रदेश इको-टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड की दूरदृष्टि और वन विभाग के सहयोग का परिणाम है। दुधवा, कतर्नियाघाट और गौरीफंटा का पूरा तराई क्षेत्र जैव विविधता से भरा हुआ है। बस सेवा के विस्तार से अब पर्यटक न केवल दुधवा के जंगल और दलदली इलाकों को देख पाएंगे, बल्कि दुधवा से लगभग 20 किलोमीटर आगे स्थित गौरीफंटा और उससे जुड़े प्राकृतिक इलाकों का अनुभव भी कर सकेंगे। यह प्रकृति प्रेमियों, शोधकताओं और छात्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगा। फील्ड डॉयरेक्टर, दुधवा टाइगर रिजर्व, एच राजामोहन ने बताया कि दुधवा राष्ट्रीय उद्यान में ठंड के समय पर्यटकों के काफी आकर्षित करता है, खासकर इस समय कुछ गैंडों के शावक पर्यटकों को खूब लुभा रहे हैं। यहां के घने साल जंगल, घास के मैदान और दलदली जोन इसे भारत के सबसे समृद्ध प्राकृतिक आवासों में शामिल करते हैं। कतर्नियाघाट वाइल्डलाइफ सेंचुरी- जो दुधवा रिजर्व का ही हिस्सा है, अपनी अनोखी पारिस्थितिकी, नदियों, दलदली क्षेत्र और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध है। यहां हाथी, बाघ, तेंदुए, दुर्लभ पक्षी और अन्य जीवों को देखने का अवसर पर्यटकों के बीच अत्यधिक लोकप्रिय है। सेवा का विवरण: कैसरबाग (लखनऊ) से दुधवा होते हुए गौरीफंटा तक संचालित होने वाली इस बस सेवा के तहत लखनऊ से प्रस्थान सुबह 08 बजे होगा और बस दोपहर 02 बजे गौरीफंटा पहुंचेगी। वापसी यात्रा गौरीफंटा से 2:30 बजे शुरू होकर 03 बजे दुधवा होते हुए लखनऊ के लिए रवाना होगी, जिसमें लखनऊ में आगमन रात 9:00 बजे होगा।

बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत बुलाने के लिए लखनऊ में प्रदर्शन

लखनऊ। विधानसभा भवन के सामने लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने प्रदर्शन किया। शुक्रवार शाम को किए प्रदर्शन में उन्होंने मांग की कि बांग्लादेशी हिंदुओं को भारत बुलाया जाए। भारत सरकार बांग्लादेश की सब्सिडी बंद कर दे। वहां से जो भी व्यापार किए जा रहे हों उन पर तत्काल रोक लगा दी जाए। वहां हिंदू असहाय हो चुका है। उन्हें अपने देश लाया जाए जिससे उनकी जान बचाई जा सके। यह प्रदर्शन छात्रों ने अखिल भारतीय हिंदू महासभा के साथ किया। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मुहम्मद शहाबुद्दीन का पुतला जलाया। नारेबाजी कर बांग्लादेश के प्रति विरोध और आक्रोश दर्ज किया। प्रदर्शन कर रहे अंशुमान त्रिवेदी ने कहा कि भारत सरकार से हमारी मांग है कि तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करे और बांग्लादेश के प्रत्येक हिंदू को सुरक्षित महसूस करवाए। हम लोग सड़कों पर उतरकर संघर्ष कर रहे हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। यह लड़ाई हिंदुओं के अस्तित्व को बचाने के लिए है। बांग्लादेश में खुलेआम पुरुषों की हत्या की जा रही है। महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जा रहा है। यह सरासर मानवता के खिलाफ घिनौना अपराध है। भारत सरकार बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए हिंदुस्तान के दरवाजे खोल दे ताकि वे यहां आकर अपनी जान बचा सकें। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं को बचाने के लिए जो भी कदम उठाना पड़े सरकार उठाए।

संक्षिप्त डायरी

अटल बिहारी वाजपेयी के बताये हुये रास्तों पर ही चलकर हम मुल्क को उंचाईयों की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं

संवाददाता

हमीरपुर। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के बताये हुये रास्तों पर चलकर ही मुल्क को उचाईयों की बुलंदियों पर पहुंचाया जा सकता है। उक्त बात नगर पंचायत अध्यक्ष कुरारा आशारानी कबीर ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जन्म शताब्दी वर्ष के पावन मौके पर भाजपा कार्यालय में मनाये जा रहे कार्यक्रम के दौरान कहीं। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि देवेश कोरी के साथ ही जिला अध्यक्ष शकुंतला निषाद मौजूद रहीं। इस मौके पर नगर पंचायत कुरारा की जनप्रिय अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने अटल बाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही उनके राष्ट्र को दिये गये योगदान को दिल से याद किया। अध्यक्ष ने कहा कि अटल बाजपेयी की जिंदगी हमें सिखाती है कि परेशानियों में भी हमें पूरी ताकत के साथ ही दृढ़ संकल्प रहना चाहिये और राष्ट्र निर्माण के लिये हमेशा तैय्यार रहना चाहिये। उनकी कविता की ये पंक्तियाँ आज हमें उनकी याद दिलाती हैं

"मृत्यु या कि जीवन में, विजय या पराजय में, कदम मिलाकर चलना होगा। अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के बताये हुये रास्ते पर चलकर ही हम सही मायनों में देश को विकास की बुलंदियों पर ले जा सकते हैं, जिसकी उन्होंने सभी देशवासियों से कल्पना की थी।

अध्यक्ष नगर पंचायत कुरारा ने एस आई आर जांच के बाद मतदाताओं की लिस्टों का किया निरीक्षण

संवाददाता

हमीरपुर। कुरारा नगर में आने वाले गांवों के एस आई आर फार्म भरने के बाद, अब लिस्टों में वोटरों को अपने नाम की जांच करने का निर्वाचन आयोग ने मौका दिया है। जिसके बाद नगर पंचायत अध्यक्ष आशा रानी कबीर ने बूथ संख्या 39, 41, 42 सहित 43 का निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। निरीक्षण मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण ((Special Intensive Revision)) को और ज्यादा मजबूत बनाने की तरफ में एक जरुरी कदम है। भाजपा की जिम्मेदार पदाधिकारी होने के नाते अध्यक्ष अपनी मजबूत टीम के साथ मिलकर तय कर रहीं हैं कि हर पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल हो, साथ ही लोकतंत्र की आधारशिला पहले से और ज्यादा मजबूत बने। निरीक्षण के दौरान पता चला कि एस आई आर से पहले बूथ संख्या 39 में मतदाताओं की तादाद 1015 थी, जबकि 6 मतदाताओं की मौत हो चुकी है, वही 4 मतदाताओं का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि जांच में एक मतदाता का नाम दो जगह पाया गया, वही 15 लोग नदारद मिले। जबकि एस आई आर कम्पलीट होने के बाद सही मायने में 989 वोटर सही पाये गये। इसी तरह बूथ संख्या-41में पहले 1229 वोटर थे, जबकि एस आई आर की जांच में पता चला कि 30 वोटरों की मौत हो चुकी है। वही 89 वोटरों का ट्रांसफर हो चुका है, जबकि सात वोटरों का नाम दो जगह दर्ज पाया गया। वही 71 वोटर नदारद मिले। जबकि असली वोटरों की तादाद 1032 मिली है।

सम्राट अहिबरन जी महाराज का जन्मदिन श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया गया

संवाददाता

कुशीनगर। बरनवाल समाज के आदि पुरुष एवं सूर्यवंशी सम्राट अहिबरन जी महाराज के पावन जन्मदिवस के अवसर पर बरनवाल सेवा समिति एवं अहिबरन सेना द्वारा सती माता स्थान करमहा रोड, नपा हाटा में भव्य आयोजन किया गया। शुक्रवार को कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं भजन-कीर्तन के साथ हुई। भजन गायक राजेश बरनवाल ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। बरनवाल सेवा समिति हाटा के अध्यक्ष धर्मेंद्र बरनवाल ने सम्राट अहिबरन जी महाराज के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों एवं समाज के उत्थान में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। महामंत्री अखिलेश बरनवाल एवं कोषाध्यक्ष राजन बरनवाल ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की आवश्यकता पर बल दिया। युवा समाजसेवी एवं वरिष्ठ हियुवा नेता प्रतीक बरनवाल ने संबोधित किया। उन्होंने युवाओं से समाज के गौरवशाली इतिहास को जानने, उसे आत्मसात करने तथा शिक्षा और सामाजिक सेवा के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का आह्वान किया। आयोजन में बरनवाल समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष एवं युवा उपस्थित रहे।

रेलवे के भूमि पर बनी दुकानों को तोड़ने पहुंचा बुलडोजर

मुरादाबाद। रोडवेज बस अड्डे के सामने रेलवे की जमीन पर बनी दुकानों को तोड़ने पहुंची रेलवे टीम का व्यापारियों ने जोरदार विरोध किया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में दुकानदार मौके पर जुट गए और नारेबाजी शुरू कर दी। कारोबारियों के समर्थन में शहर विधायक रितेश गुप्ता भी पहुंचे और रेलवे अधिकारियों से वार्ता की। रेलवे ने स्टेशन रोड पर बनी करीब 70 दुकानों पर लाल निशान लगाकर उन्हें अवैध कब्जा बताते हुए कुछ दिन की मोहलत दी थी। रेलवे अधिकारियों का कहना था कि तय समय में दुकानदार स्वयं दुकानें खाली नहीं करते हैं तो पुलिस-प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके बाद शुक्रवार को कार्रवाई शुरू की गई। इसके बाद जमकर हंगामा और नारेबाजी शुरू हो गई। सड़क पर जाम लग गया। दुकानदारों का दावा है कि उनकी दुकानें वर्ष 1971 से यहां चल रही हैं। उस समय यह इलाका इज्जतनगर रेल मंडल के अंतर्गत आता था।

प्रकाश पर्व: पटना में यातायात प्रतिबंध

अशोक राजपथ सहित कई मार्ग बंद, नगर कीर्तन के दौरान विशेष डायवर्जन

पटना। श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359वें प्रकाशोत्सव को लेकर 28 दिसंबर तक अशोक राजपथ और पटना सिटी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। पटना सिटी में सोमवार तक व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। कोई भी ट्रक, ट्रैक्टर दीदारगंज की ओर से अशोक राजपथ में पश्चिम की तरफ नहीं आएगा। ये सभी वाहन न्यू बाईपास होकर परिचालित होंगे। उक्त अवधि में बाजार समिति में आवश्यक सामग्री लेकर आने वाले वाहनों को रात्रि दो से सुबह चार बजे तक छूट मिलेगी। इसके साथ ही कई अन्य मार्ग पर डायवर्जन और वाहनों के आवागमन पर आंशिक व पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। 27 दिसंबर की सुबह छह बजे तक अशोक राजपथ में गायघाट से पूरब दरवाजा तक के मार्ग पर ऑटो या छोटे व्यावसायिक वाहनों का परिचालन नहीं होगा। इस दौरान यह वाहन गायघाट से डंका इमली से नवाब बहादुर रोड होते हुए सुदर्शन पथ से तुलसी मंडी से अगमकुआं आरओबी होते हुए पटना साहिब जाएंगे और वापसी भी इसी मार्ग से होगी। 28 दिसंबर की सुबह छह बजे तक पश्चिम दरवाजा से पूरब दरवाजा तक के मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। पूरब से आने वाली गाड़ियों को पूरब दरवाजा के पास मोर्चा रोड से मोड़ दिया जाएगा। गायघाट से पश्चिम दरवाजा के बीच वाहनों का परिचालन होगा। नगर कीतर्न पर 26 दिसंबर की सुबह चार बजे से मध्य रात्रि तक अशोक राजपथ में गायघाट से दीदारगंज तक सभी प्रकार के वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। उक्त अवधि में सभी प्रकार के वाहन गायघाट से पटना सिटी जाने के लिए नवाब बहादुर रोड से सुदर्शन पथ होते हुए चौक शिकारपुर आरओबी होते हुए पटना साहिब स्टेशन की ओर जाएंगे।इन स्थानों पर पार्किंग, बाजार समिति, दीदारगंज, मंगल तालाब चौक थाना, कंगनघाट चौक थाना, आकस्मिक परिस्थिति के लिए मार्ग तय। पीएमसीएच- किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में कंगनघाट से दाहिने जेपी गंगा पथ होते हुए पीएमसीएच पहुंचा जा सकता है। एनएमसीएच- गायघाट से बाएं डंका इमली होते हुए एनएमसीएच पहुंचा जा सकता है।

पटना साहिब में देश-विदेश से जुटे श्रद्धालु

पटना। सिटी स्थित तख्त श्री हरमंदिर साहिब में सिखों के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के 359वें प्रकाश पर्व का दूसरा दिन श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पटना साहिब पहुंचे। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तख्त साहिब प्रबंधन, विभिन्न गुरुद्वारों और बिहार सरकार की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए हैं। बाल लीला गुरुद्वारा में आने वाले संगतों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। यहां 24 घंटे लंगर की निरंतर सेवा जारी है, जिसमें श्रद्धालुओं को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जा रहा है। संगतों के ठहरने, स्नान और विश्राम की भी समुचित व्यवस्था की गई है। बाल लीला गुरुद्वारा प्रबंधन ने स्वयंसेवकों की तैनाती कर संगतों की हर

संभव सहायता सुनिश्चित की है। कश्मीर सिंह भूरी वाले बाबा जी ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी के प्रकाश पर्व को लेकर देश-विदेश से आने वाली संगतों के लिए रहने, खाने और पीने की पूरी व्यवस्था की गई है। पटना के कंगन घाट पर विशाल लंगर हॉल की व्यवस्था की गई है, जहां हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन लंगर ग्रहण कर रहे हैं। प्रकाश पर्व के दूसरे दिन तख्त श्री हरमंदिर साहिब में कीर्तन-गुरबाणी का विशेष आयोजन किया गया। रागी जत्थों ने गुरु ग्रंथ साहिब की पावन बाणी का मधुर कीर्तन प्रस्तुत किया, जिससे वातावरण गुरु भक्ति से सराबोर हो गया। श्रद्धालुओं ने गुरु गोविंद सिंह जी के जीवन, बलिदान और संदेशों को स्मरण करते हुए मत्था टेका। इसके साथ ही भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संगतें शामिल हुईं। शोभा यात्रा में ह्वजो बोले सो निहाल, सत श्री अकालह्व के जयकारों से पूरा इलाका गूंज उठा। गतका प्रदर्शन, धार्मिक झांकियां और रागी जत्थों के कीर्तन ने शोभा यात्रा को विशेष आकर्षण प्रदान किया।तख्त श्री हरमंदिर साहिब के महासचिव इंद्रजीत सिंह ने बताया कि 27 दिसंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना साहिब गुरुद्वारा में शामिल होंगे। केंद्र और राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को भी गुरुद्वारा की ओर से निमंत्रण भेजा गया है।

खाली होने लगा राबड़ी आवास, गौशाला में शिफ्ट हो रहा सामान

पटना। बिहार में राबड़ी आवास से सामान की शिफ्टिंग शुरू हो गई है। गुरुवार रात 4 से 5 छोटी गाड़ियां पटना में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास (राबड़ी आवास) पहुंचीं। इन गाड़ियों से सामान को गोला रोड स्थित गौशाला में शिफ्ट किया गया। इसके बाद यह दूसरी जगह भेजा जाएगा। रात के अंधेरे में राबड़ी आवास पहुंचीं छोटी गाड़ियों से पौधे और गार्डन के अन्य समान निकालने की तस्वीर समाने आई है। ये शिफ्टिंग ऐसे वक्त हो रही है जब RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव दिल्ली में हैं। तेजस्वी भी बाहर हैं। घर में कोई पुरुष नहीं है। हालांकि, आरजेडी की तरफ से फिलहाल सामान शिफ्ट किए जाने को लेकर कुछ कंफर्म नहीं किया गया है।20 साल बाद लालू परिवार को सरकारी आवास (राबड़ी आवास) खाली करने का नोटिस मिला है। एक महीने पहले 25 नवंबर को बिहार भवन निर्माण विभाग ने ये नोटिस भेजा था। भवन निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि बिहार विधान परिषद के नेता विपक्ष के लिए पटना केंद्रीय पुल की आवास संख्या 39 हार्डिंग रोड अलॉट किया गया है।सूत्रों के मुताबिक राबड़ी आवास को खाली करने की प्रक्रिया पिछले कुछ दिनों से चल रही है। पूरा सामान धीरे-धीरे महुआ बाग और आर्य समाज रोड स्थित आवास पर ले जाया जा रहा है। इस आवास को चरणबद्ध तरीके से खाली किया जाने लगा है।

नोटिस के खिलाफ लालू परिवार एकजुट दिखा एक महीने पहले आवास खाली करने को लेकर मिले नोटिस पर लालू परिवार एकजुट दिखा था। तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'छोटे भाई ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और बड़े भाई के बंगले को खाली करने का आदेश दे दिया। लालू जी और उनका परिवार अब 10 सर्कुलर रोड के बंगले में नहीं रहेगा। 28 साल से जिस आवास से बिहार और राजद के लाखों कार्यकताओं का एक भावुक रिश्ता जुड़ा था, उसे एक सरकारी नोटिस में खत्म कर दिया गया है। इस घर के जाने के साथ ही नीतीश जी और लालू जी के बीच के भैयारी वाले नैतिक रिश्ते का भी अंत हो गया है।' नोटिस मिलने से ठीक 10 दिन पहले 15 नवंबर की देर रात लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी ने रोते-रोते राबड़ी आवास छोड़ दिया था। पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में रोहिणी ने कहा, 'मेरा कोई परिवार नहीं है। उन्होंने ही मुझे परिवार से निकाला है। सारी दुनिया सवाल कर रही है कि पार्टी का ऐसा हाल क्यों हुआ है, लेकिन उन्हें जिम्मेदारी नहीं लेनी है।' इसके बाद तीन और बेटियों ने राबड़ी आवास छोड़ दिया था। तेज प्रताप को लालू यादव, पहले ही पार्टी और परिवार से बाहर कर चुके हैं। इसके बाद से वे अपने सरकारी आवास में रह रहे हैं। राबड़ी आवास में फिलहाल लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और उनकी फैमिली रहती है। 23 जून, 1997 को लालू समेत 55 लोगों के खिलाफ CBI ने चारा घोटाला मामले में चार्जशीट दाखिल की। उनके खिलाफ 63 केस दर्ज किए गए। लालू समझ गए थे कि गिरफ्तारी तय है। 25 जुलाई 1997 की शाम उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया और पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बनवाया। बाद में एक बार जब लालू से वंशवाद पर पूछा गया, तो उन्होंने कहा था, 'मैं राजनीति में शक्ति अर्जित करने के लिए आया हूं और मैं उसे सिर्फ इसलिए नहीं त्याग दूंगा, क्योंकि किसी ने मेरे ऊपर आरोप लगाए हैं। अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाकर मैंने क्या गलती कर दी? क्या मैं अपनी सत्ता अपने राजनीतिक विरोधियों के हाथों में सौंप देता?' पत्नी को CM बनाने के बाद 30 जुलाई, 1997 को लालू यादव ने चारा घोटाला मामले में सरेंडर कर दिया और दिसंबर 1997 तक जेल में रहे। हालांकि लालू यादव RJD के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहे। इसके बाद राबड़ी देवी को 2005 में 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास अलॉट किया गया था।

बिहार के वैभव सूर्यवंशी को राष्ट्रपति ने दिया बाल पुरस्कार

पटना। क्रिकेट जगत में 14 साल की उम्र में एंट्री लेने वाले बिहार के वैभव सूर्यवंशी को आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया है। अब तक कई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले वैभव को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार मिला है। वैभव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात भी की। अवॉर्ड देने के बाद अपने भाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा और अनेक प्रतिभा वाले क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बनाई है। अनेक रिकॉड्र्स अपने नाम किए हैं। मुझे विश्वास है कि आपके जैसे प्रतिभाशाली बच्चे निरंतर अच्छा काम करते रहेंगे। ये तो अभी शुरूआत है। आपको देखकर बाकी बच्चे सीखेंगे और फॉलो करेंगे। इस सम्मान समारोह में शामिल होने के लिए वैभव बुधवार को ही दिल्ली रवाना हो गए ते। इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी में आज मणिपुर के खिलाफ दूसरा मुकाबला नहीं खेल रहे। हाल ही में हुए अंडर-19 वर्ल्ड-कप में वैभव ने सबसे ज्यादा छक्के मारे थे।बिहार के वैभव सूर्यवंशी ने 2 दिन पहले विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वैभव बिहार के लिए प्लेट ग्रुप मैच में खेल रहे थे। रांची के JSCA ओवल ग्राउंड में वैभव ने सिर्फ 36 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। जबकि, बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने 32 बॉल और झारखंड से ईशान किशन ने 33 बॉल पर शतक लगाया। इसके साथ ही वैभव लिस्ट-अ क्रिकेट में शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

धान की रखवाली कर रहे किसान दंपति की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या

गया। गया जिले के शेरघाटी थाना अंतर्गत चांपी गांव के खलिहान में गुरुवार की रात धान की रखवाली कर रहे किसान पति पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी गई। किसान प्रदीप यादव उम्र लगभग 52 वर्ष तथा उनकी पत्नी केशरी देवी 48 वर्ष वर्तमान वार्ड सदस्य वार्ड नंबर 1 की हत्या गला रेतकर कर दी गई है।

घटनास्थल पर सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह, थानाध्यक्ष मोहन कुमार दल बल के साथ जांच में जुटे हैं। पुत्र रवि कुमार यादव ने इसकी जानकारी सुबह में दी। घटनास्थल पर बहू प्रियंका देवी ने कहा कि हमलोग को सुबह में गांव के लोगों ने बताया। मृतक प्रदीप भी इसके पूर्व वार्ड सदस्य रहा था। दामाद रणजीत कुमार यादव ग्राम चौगाईं ने बताया कि गुरुवार को सास ससुर से बात हुई थी। शुक्रवार को बच्ची को दिखाने के लिए शेरघाटी आना था। पुत्री सुनीता और रिंकी रोते बिलखते मूर्छित हो

रही है। सुनीता बिलखते हुए मां को भाग जाने की बात कह कर रोते रोते अचेत हो रही है। घटना के बारे में रिंकी देवी पुत्री ने बताया कि जिस खेत में खलिहान लगा है। उसी खेत के लिए गोतिया से तीन चार साल से लड़ाई चल रहा है। कोर्ट में केस चल रहा है। पंद्रह दिन पहले धमकी दिया था। घटनास्थल पर एक कुल्हाड़ी पाया गया है। लेकिन उसमें खून का निशान नहीं पाया गया है। संभावना है कि भ्रम पैदा करने के लिए हत्यारे कुल्हाड़ी छोड़ गए हैं। जबकि हत्या कोई और हथियार से किया गया है। पुत्री रिंकी ने बताया कि शाम 6 बजे ही खाना बन जाता है। खाने के बाद पापा और मम्मी दोनों रोज की तरह धान की रखवाली करने खलिहान में आ गए। कुछ देर बाद भाई भी आया था। लेकिन कुछ देर बाद भाई घर चला आया है। सुबह में रोज फोन करते थे। आज फोन नहीं आया। कुछ देर बाद ही जान मारने की खबर दी गई। हमलोग दौड़े आए तो देखा कि कोई धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी गई है। दोनों का शव के पास खून के थक्के पड़े हैं। मां बाप मृत पड़े थे। उसके बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा होते गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है।

सिटी एस पी रामानंद कुमार कौशिक ने स्वजनों से अलग अलग करके एक एक कर बात किया। पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई है। अनुसंधान हेतु डॉग स्क्वायड की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल से नमूना एकत्र कर जांच के लिए साथ ले गई है।

संक्षिप्त डायरी

'मिस यूनिवर्स बिहार' बनी पटना की समीक्षा रंजन

पटना। के लोहानीपुर की बेटी समीक्षा रंजन को फॉरएवर स्टार इंडिया की ओर से मिस यूनिवर्स बिहार चुना गया है। सीजन-5 के आयोजन में उन्होंने यह जीत हासिल की। आयोजन 19 से 21 दिसंबर के बीच जयपुर में हुआ था। समीक्षा ने मेसरा रांची से MCA किया है और स्कूलिंग पटना से की, लेकिन उनकी रुचि पढ़ाई के अलावा कुछ अलग करने की रही। इस ब्यूटी कांपिटिशन के लिए उन्होंने अप्लाई किया और सभी चुनौतियों को पार कर आगे बढ़ती चली गईं। समीक्षा के पिता राजीव रंजन शिक्षक हैं और अभी रिटायर हुए हैं। इसके अलावा उनकी एक बहन हैं, जो यूनाइटेड नेशन पीस मिशन में काम कर रही हैं। हमेशा से ही मेरे घर में पढ़ाई लिखाई का माहौल रहा है। मैं सॉफ्टवेयर डेवलपर हूं। मेरी हमेशा से कुछ अलग करने की इच्छा थी। लोग कहते थे, ये करो वो मत करो। लेकिन मुझे अपनी पहचान और अंदर की आवाज सुनना था। मैं सभी लड़कियों से कहना चाहती हूं कि आप दूसरों की मत सुनिए। हमेशा अपने मन की कीजिए, क्योंकि एक ही जिन्दगी मिली है। आपको जो अच्छा लगता है, आप वो कीजिए।

बेटे ने सरकारी नौकरी के लिए पिता का मर्डर किया

भोजपुर। में हजारीबाग में पोस्टेड हवलदार पशुपतिनाथ तिवारी की 20 दिसंबर को हत्या हुई थी। 5 दिनों बाद पुलिस ने मर्डर का खुलासा कर दिया है। पशुपतिनाथ तिवारी की हत्या उनके बेटे ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। वो एक महीने बाद रिटायर होने वाले थे। बेटे ने अनुकंपा पर नौकरी और पैसों की लालच में इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने बेटा विशाल तिवारी और झारखंड के हजारीबाग जिला के मो. जिशान अहमद जिलानी को अरेस्ट कर लिया है।पशुपतिनाथ तिवारी (लगभग 60 वर्ष) झारखंड पुलिस में ड्राइवर थे और जनवरी 2026 में रिटायर होने वाले थे। पशुपतिनाथ तिवारी छुट्टी लेकर हजारीबाग से अपने गांव भगवतपुर आए हुए थे। 19 दिसंबर की रात वे अपने घर में

सो रहे थे, तभी चाकू से गला रेतकर उनकी हत्या कर दी गई। हत्या के बाद उनका दाएं हाथ का अंगूठा भी काट दिया गया था। वारदात के बाद उनकी पत्नी ने चांदी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि, हत्या का मोटिव पिता की नौकरी और रिटायरमेंट के पैसों थे। उसके बाद पुलिस ने डिटेल निकालना शुरू किया। पता चला कि पशुपतिनाथ का बेटा विशाल तिवारी नशे का आदि है। उसकी अपने पिता से नहीं बनती थी।पुलिस को यहीं से बड़ा क्लू मिला। पुलिस ने जांच का दायरा बढ़ाया और झारखंड में रह रहे विशाल तिवारी की कुंडली निकालनी शुरू की। पुलिस ने मर्डर के दिन विशाल का लोकेशन पता किया तो वो दंग रह गई। मोबाइल डंप से जो जानकारी मिली उसके मुताबिक वारदात वाले दिन विशाल अपने दोस्त के साथ पिता के घर आया था। पुलिस ने पहले विशाल के दोस्त को उठाया फिर विशाल तक पहुंची।

बिहार का मखाना तालाब से टेबल तक

वैज्ञानिक प्रबंधन से आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं किसान

दरभंगा। मखाना की खेती कर किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हो सकते हैं। मखाने की बढ़ती मांग को देखते हुए यह इसका वैज्ञानिक रूप से प्रबंधन जरूरी है। भारत ही नहीं विश्व में मखाना का सबसे बड़ा उत्पादक बिहार है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों की मांग को पूरा कर रहा है। वर्ष 2025 में कई राज्यों को मिलाकर मखाना की खेती लगभग 13,000 हेक्टेयर से बढ़कर 35,000 हेक्टेयर में फैल गई है। बिहार मखाना का प्रमुख उत्पादक होने के नाते प्रसंस्कृत मखाना के कुल उत्पाद का लगभग 80 प्रतिशत उत्पादन करता है, जो अकेले

दरभंगा, मधुबनी, पूर्णिया और कटिहार जिलों से आता है। देश ने हाल के वर्षों में लगभग 12,000 मीट्रिक टन मखाना निर्यात किया है। कृषि विज्ञान केंद्र जाले के विज्ञानी डा. प्रदीप कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि मखाना का वैज्ञानिक प्रबंधन नर्सरी अवस्था से ही शुरू करना होता है। इस अवस्था में तालाब और और नर्सरी वाले खेत दोनों में खर पतवार जैसे पानी साग, पैनिक बरसींम, सेमर, हाइड्रिला, जलीय मोथा और बमभूली आदि घास बहुत तेजी से उगना प्रारंभ कर देती है। जिससे मखाने के पौधे उगने के पश्चात विकास नहीं कर पाते हैं। इनकी रोकथाम के लिए नर्सरी के लिए बीज बोआई से पहले 50 किलोग्राम करंज की खली, 50 किलोग्राम अरंडी की खली तथा 30 किलोग्राम चूना प्रति 500 वर्गमीटर में खेत की तैयारी करते समय डाल देना चाहिए ताकि नर्सरी में यह खरपतवार ना उगे। इसके अतिरिक्त पाराक्वाट नामक रसायन का नौ सौ ग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर की दर से तालाब में छिड़काव करके खरपतवार नियंत्रण किया जा सकता है। खरपतवार के अतिरिक्त कीट एवं बीमारी भी लगती है जिसमें माहूं या भुनगा प्रमुख कीट है जिसको नीम के तेल की तीन मिली लीटर मात्रा एक लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देना चाहिए। कभी कभी मखाना के पौधों में फफूंदीजनक झुलसा रोग भी लग जाता है उसकी रोकथाम के लिए डाईथेन एम 45 की 0.3 प्रतिशत का घोल बनाकर 15 दिन के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करना चाहिए। अगर नर्सरी में पौधा स्वस्थ रहेगा तभी किसान को अच्छी उपज मिल सकती है। इसीलिए नर्सरी की हर अवस्था में किसानों को निगरानी रखना बहुत आवश्यक है।

सलमान खान के साथ नजर आए एमएस धोनी और एपी ढिल्लो

बॉलीवुड, क्रिकेट और म्यूजिक- तीनों दुनियाओं के दिग्गज जब एक ही फ्रेम में नजर आ जाएं, तो फैंस का एक्साइटेड होना लाजमी है। कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जब हाल ही में एक थ्रोबैक तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, जिसमें सलमान खान, महेंद्र सिंह धोनी और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों एक साथ नजर आ रहे हैं। यह तस्वीर सलमान खान के पनवेल फार्महाउस की है और इसे उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने शेयर किया है। सलमान, धोनी और एपी की थ्रोबैक तस्वीर यह खास तस्वीर सलमान खान के 60वें जन्मदिन से पहले शेयर की गई, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त हलचल मचा दी। फोटो में तीनों सितारे पूरी तरह कीचड़ से सने हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उनके चेहरे पर मुस्कान और बॉन्डिंग साफ झलक रही है। बताया जा रहा है कि यह तस्वीर एक ऑल-टेरेन व्हीकल (ATV) राइड के बाद की है, जिसमें तीनों ने फार्महाउस में जमकर मस्ती करने के बाद एक साथ पोज दिया। तस्वीर में सलमान खान दाईं ओर खड़े नजर आते हैं, जबकि बाईं ओर भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में शुमार एमएस धोनी दिखाई देते हैं। बीच में पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के सुपरस्टार एपी ढिल्लों हैं। सलमान के कई दोस्त अब तक आ चुके नजर पनवेल स्थित सलमान खान का फार्महाउस लंबे समय से उनके करीबी दोस्तों और परिवार के लिए सुकून भरी जगह रहा है। यहां अक्सर निजी गेट-टुगेदर, बर्थडे सेलिब्रेशन और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। हालांकि, इस बार की खासियत यह रही कि इस फ्रेम में सिनेमा, खेल और म्यूजिक- तीनों फील्ड के बड़े नाम एक साथ नजर आए। फैंस ने तस्वीर पर लुटाया प्यार अतुल अग्निहोत्री द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इस तस्वीर पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। कई यूजर्स ने इन तीनों दिग्गजों को देखने के बाद कमेंट्स किए। एक यूजर ने लिखा, 'सलमान खान और एमएस धोनी एक साथ- ये फ्रेम ही इतिहास है।' वहीं दूसरे फैन ने कहा, 'कीचड़ में भी भाईजान, माही और एपी ढिल्लों सुपरस्टार ही लग रहे हैं।'

'मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग जोरों पर, अली फजल ने राजस्थान को कहा 'दिल से शुक्रिया'

लोकप्रिय वेब सीरीज 'मिजार्पुर' ने पहले सीजन से ही दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। यही वजह है कि दर्शकों ने इसके सारे सीजन को दिल से प्यार दिया है। जल्द ही 'मिजार्पुरः द फिल्म' दर्शकों के सामने दस्तक देगी। इसकी शूटिंग राजस्थान में चल रही है। अभिनेता अली फजल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे अपने किरदार गुड्डू भैया के किरदार में चलते नजर आ रहे हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, "'मिजार्पुरः द फिल्म' की शूटिंग इस समय जारी है और राजस्थान का शेड्यूल चल रहा है। खास तौर पर जैसलमेर और जोधपुर के लोगों का दिल से धन्यवाद। आपने हमें बहुत प्यार और अपनापन दिया। साथ ही परिवार जैसा समझा।" उन्होंने आगे लिखा, "उन सभी होटलों का भी धन्यवाद जिन्होंने हमें घर जैसा महसूस कराया जब हम अपने घर से दूर मेहनत कर रहे थे। खम्मा घणी।" पोस्ट देखकर फैंस के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई। वे अब इस प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि इस सीरीज के पहले सीजन ने फैंस को दीवाना बना दिया था। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), गुड्डू पंडित (अली फजल) और मुन्ना त्रिपाठी (दिव्येंदु) जैसे किरदारों ने फैंस के दिलों में खास पहचान बनाई थी, जो आज भी उस तरह बरकरार है। बताया जा रहा है कि 'मिजार्पुर' फिल्म में दमदार एक्शन और गद्दी के लिए लड़ते बाहुबलियों का संसार दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। वेब सीरीज 'मिजार्पुर' का पहला सीजन 16 नवंबर, 2018 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। सीरीज की दीवानियत को देखते हुए मेकर्स ने इसका दूसरा सीजन 23 अक्टूबर, 2020 को स्ट्रीम किया था और 5 जुलाई, 2024 को अमेजन प्राइम वीडियो पर इसका तीसरा पार्ट रिलीज किया गया था।

'धुरंधर' में अपने भयानक किरदार को लेकर क्या सोचते हैं अर्जुन रामपाल? खुद किया बड़ा खुलासा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुकी है। रणवीर सिंह की अदाकारी वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नजर आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।'धुरंधर' में अर्जुन रामपाल की भूमिका फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बातचीत में अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे। किरदार से बाहर आना चाहते थे अर्जुन रामपाल अर्जुन रामपाल ने कहा 'मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म करना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कहानी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पर्दे के पीछे क्या हुआ, उसे दिखाना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगता था क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूं, लेकिन यही एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह उतरना पड़ता है।' अगले साल रिलीज होगा सीक्वल 'धुरंधर' में भारत के स्पेशल एजेंट्स की बहादुरी दिखाई गई है। रणवीर सिंह इसमें एक निडर अंडरकवर जासूस की भूमिका में नजर आ रहे हैं। 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अब तक 589 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस फिल्म का सीक्वल मार्च 2026 में रिलीज होगा।

छह साल बाद टीवी पर लौटीं निया शर्मा

निया शर्मा, पूरे 6 साल बाद जी टीवी पर वापसी कर रही हैं। और यह वापसी निया शर्मा जी टीवी साल 2026 का स्वागत 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल के साथ कर रही हैं । अपने अनुभव को साझा करते हुए निया ने कहा, 'जी टीवी पर वापस आना मेरे लिए बहुत खास है। जब मैंने 'जमाई राजा' के साथ जी जॉइन किया था, तब मैं सिर्फ 23 साल की थी। आज 13 14 साल बाद ऐसा लग रहा है जैसे ज़िंदगी एक पूरा चक्कर लगाकर वापस उसी जगह आ गई हो। लोग आज भी मुझे रोशनी के नाम से जानते हैं और यही बताता है कि इस शो और इस चैनल ने मुझे कितना कुछ दिया है।'निया ने यह भी बताया कि जिस तरह से उनका स्वागत किया गया, उसने उन्हें हैरान कर दिया। जी परिवार के एक अपने सदस्य की तरह उन्हें अपनाया गया और पूरे कलाकारों के साथ करीब सात मिनट की लंबी परफॉर्मेंस करना, यह सब उनके लिए बेहद खास रहा। निया ने आगे कहा,'किसी भी इंसान के लिए सम्मान सबसे जरूरी होता है और जी ने मुझे वही एहसास दिया। बिल्कुल परिवार जैसा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इतने सालों बाद भी मुझे इतना प्यार मिलेगा। इन शोज ने हमें हमारी पहचान दी है और इतनी कम उम्र में मुझ पर भरोसा करने के लिए मैं हमेशा जी की आभारी रहूंगी। 'जी रिश्तों का मेला' न्यू ईयर स्पेशल में निया सिर्फ एक परफॉर्मेंस तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि वो जी परिवार के साथ मिलकर एक बड़े म्यूज़िकल सेलिब्रेशन का हिस्सा बनेंगी। यह शाम जी टीवी के पुराने फेस्टिव जश्नों की याद दिलाएगी। निया ने बताया कि इस खास शाम में मस्ती भरी परफॉर्मेंस, पुराने चेहरों की मुलाकात, हंसी मजाक और कई ऐसे पल होंगे, जो दर्शकों को लंबे समय तक याद रहेंगे।

नया साल-नई शुरुआत, एक्टर्स ने अपने 2026 के संकल्प बताए

कलर्स के 'मन्नत हर खुशी पाने की' की आयशा सिंह ने बताया, 'जैसे कि हम 2025 को अलविदा कह रहे हैं, शुक्रगुजार होने के लिए बहुत कुछ है। मुझे लगता है कि हम सभी को अपने लिए समय देना चाहिए और अपनी फिजिकल और मेंटल हेल्थ पर ध्यान देना चाहिए। उम्मीद है कि 2026 में हम जिंदगी की छोटी-छोटी खुशियों को अपनाएँगे और बड़ी पिक्चर पर भी फोकस रखेंगे। मैं सभी को नए साल की बहुत-बहुत शुभकामनाएँ देती हूँ।कलर्स के 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभाने वाली दीपिका सिंह ने बताया, 'यह साल मेरी जिंदगी का एक असली टर्निंग पॉइंट जैसा लगता है, जिसमें ऐसे पल आए जिन्हें मैं हमेशा याद रखूँगी। जॉर्जिया में शूटिंग ने दर्शकों के लिए मंगल के किरदार को निभाने में एक नया आयाम जोड़ा। फराह खान मैम के साथ स्क्रीन शेयर करना एक और यादगार पल था; उनके साथ काम करने से मुझे अपने काम में नई सोच और प्रेरणा मिली। जैसे ही मैं नए साल में कदम रख रही हूँ, मैं संतुष्टि और आत्मविश्वास के साथ ऐसा कर रही हूँ, यह जानते हुए कि दर्शक और फैंस मेरे साथ हैं। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि 'मंगल लक्ष्मी' आगे कहाँ जाती है और दर्शक उसकी यात्रा को कैसे देखते रहते हैं। वर्तमान पल का आनंद लें, एक-दूसरे का ख्याल रखें, और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएँ। माफ करें, भूल जाएँ, और आगे बढ़ें - यही मेरा मंत्र है। सभी को खुशी, तरक्की और यादगार पलों से भरे साल की शुभकामनाएँ।ह्व कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' की ईशा सिंह कहती हैं, 'साल का अंत मेरे लिए हर मायने में कलरफुल रहा है। 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' और 'नागिन 7' का हिस्सा होने से यह पक्का हो गया है कि मैं साल का अंत शानदार तरीके से कर रही हूं। 'लाफ्टर शेफ्स' की शूटिंग मेरे हफ्ते का सबसे खास हिस्सा है। सेट पर एनर्जी बहुत जबरदस्त होती है - पूरी टीम इतना जोश लाती है कि हर शूट पर हंसी की थेरेपी जैसा लगता है। जो बात मुझे सबसे ज्यादा हैरान करती है, वह यह है कि मैं खुद कुकिंग को कितना एन्जॉय कर रही हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं नए साल में डिशेज बनाते हुए, कुक-ऑफ का सामना करते हुए और इतने जोश के साथ चुनौती को अपनाते हुए आगे बढ़ूंगी। दर्शकों का प्यार बहुत ज्यादा और मोटिवेट करने वाला रहा है, और यह मुझे अपना बेस्ट देने के लिए प्रेरित करता है। मैं 2026 के कुक-ऑफ में हिस्सा लेने और 'डिनर-टेनमेंट' का अपना वर्जन पेश करने के लिए उत्साहित हूं। जैसे ही साल बदलेगा, मेरी उम्मीद है कि जिन लोगों का समय मुश्किल रहा है, उन्हें आने वाले दिनों में शांति, खुशी और एक नई शुरूआत मिले।'

'रिश्तों का मेला' को होस्ट करना मेरे लिए सच में बहुत खास था

जी रिश्तों का मेला एक बार फिर लौट आया है और इस बार जी कुटुंब 2026 का स्वागत बेहद भव्य और खास अंदाज में करने के लिए पूरी तरह तैयार है। न्यू ईयर स्पेशल में जी टीवी के वो किरदार एक साथ नजर आएंगे, जिन्हें दर्शक सालों से पसंद करते आए हैं। ये शाम मनोरंजन, अपनापन और ढेर सारी खुशियां लेकर आएगी। 31 दिसंबर को ऑन एयर होने वाला 'जी रिश्तों का मेला : न्यू ईयर स्पेशल' मस्ती, म्यूज़िक और यादगार पलों से सजा एक शानदार सेलिब्रेशन साबित होगाइस पूरे सेलिब्रेशन को और खास बनाती हैं श्रद्धा आर्य, जो इस न्यू ईयर स्पेशल को जय भानुशाली के साथ होस्ट करती नजर आएंगी। कुंडली भाग्य में प्रीता के अपने यादगार किरदार के लिए घर-घर में पहचानी जाने वाली श्रद्धा आज भी दर्शकों के दिलों में एक खास जगह रखती हैं।अपने अनुभव साझा करते हुए श्रद्धा आर्य कहती हैं, 'एक मां होने की जिम्मेदारी निभाने और शूटिंग के बीच बैलेंस बनाना मेरे लिए एक खूबसूरत सीख रहा है। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब सब थोड़ा भारी लगने लगता है और सेट पर रहते हुए बच्चों की बहुत याद आती है। शूटिंग करते वक्त भी दिल का एक हिस्सा हमेशा उनके साथ रहता है। लेकिन जब लंबे दिन के बाद घर लौटती हूं और बच्चे मुझे कसकर गले लगाते हैं, तो सारी थकान पल भर में गायब हो जाती है। वही पल मुझे याद दिलाता है कि मैं दोनों दुनियाओं को साथ संभालने की कोशिश क्यों करती हूं। घर और सेट, दोनों जगह से मिलने वाला प्यार और सपोर्ट मेरे सफर को आसान बना देता है। जी टीवी की टीम के साथ शूट करना सच में काम को आसान बना देता है। वे मेरी जर्नी समझते हैं, मेरे वक्त की कद्र करते हैं और वही सुकून मेरी परफॉर्मेंस में भी झलकता है। जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करना और जी टीवी फैमिली के साथ न्यू ईयर का स्वागत करना मेरे लिए सच में बहुत खास था। ये बिल्कुल एक बड़े जश्न जैसा लगा, जहां यादें थीं, जोश था और ढेर सारा प्यार था। सबसे प्यारी बात ये है कि आज भी सेट पर लोग मुझे प्रीता ही बुलाते हैं। कई बार तो लगता है जैसे 'कुंडली भाग्य' अभी भी चल रहा है और मैं उसी की शूटिंग कर रही हूं। मुझे प्रीता होना बहुत पसंद है। इस किरदार ने मुझे जो प्यार, पहचान और अपनापन दिया है, वो मेरे लिए हमेशा अनमोल रहेगा।

यामी गौतम ने किए खुलासे, कहा- शादी का कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था

फिल्ममेकर आदित्य धर 'धुरंधर' की कामयाबी से खुश हैं। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और आर माधवन ने अहम किरदार निभाया है। हाल ही में आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने अपनी शादी के बारे में कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे उनका रिश्ता बिना किसी फिल्मी ड्रामे के बेहतर बना।'उरी' के सेट पर परवान चढ़ा रिश्ता ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे से बातचीत में यामी गौतम ने बताया कि उनका रिश्ता फिल्म 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के वक्त बेहतर हुआ। उन्होंने कहा 'ऐसा कोई फिल्मी प्रपोजल नहीं था कि वह कहें कि हम आपको प्रपोज करने जा रहे हैं। मुझे आदित्य धर की सादगी पसंद आई। मुझे बस ये पता था कि हम शादी करने जा रहे हैं। दोनों के परिवार हमें मिलाना चाहते थे और काफी खुश थे।' किस तरह की शादी चाहती थीं यामी? अभिनेत्री ने बताया 'मैं चाहती थी कि मेरी शादी इस तरह से हो कि कुछ परिवार के लोग हों। हर किसी का आशीर्वाद हो और हमारे आस-पास प्राकृतिक वातावरण हो। मैं चाहती थी कि जहां शादी हो वहां बैकग्राउंड में ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ हों, पहाड़ियां हों।' यामी ने किया खुद का मेकअप यामी गौतम ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी को इतना आसान बनाया कि उन्होंने खुद का मेकअप किया। उन्होंने कहा 'मैंने अपना मेकअप खुद किया। मुझे लगा कि यह बहुत मुश्किल है, लेकिन यह काम आसान था। सुरीली ने मेरे बाल बनाए।' यामी ने की आदित्य धर की तारीफ आदित्य धर की तारीफ करते हुए यामी गौतम ने कहा 'वह ऐसे आदमी हैं जो आज के दौर में मिलना मुश्किल है। मैं जब 'आर्टिकल 370' का प्रमोशन कर रही थी, तब प्रेग्नेंट थी। उस वक्त आदित्य धर यह पक्का करना चाहते थे कि मैं कम्फर्टेबल रहूं। इसलिए उन्होंने मुझे एक तकिया दिया।' यामी गौतम ने आगे बताया कि जब वह 'उरी' के सेट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रही थीं, तब उन्होंने अपनी डायरेक्टर की कुर्सी ऑफर की।

आजतक ऐसे अवतार में नजर नहीं आई रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना ने अब तक अपनी मासूम मुस्कान, चुलबुले किरदारों और रोमांटिक भूमिकाओं से दर्शकों के दिल जीते हैं, लेकिन उनकी आने वाली पैन-इंडिया फिल्म 'मैसा' का टीजर यह साफ कर देता है कि अभिनेत्री अब अपने करियर के एक बिल्कुल नए और साहसी मोड़ पर कदम रख चुकी हैं। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में रश्मिका का ऐसा रूप देखने को मिला है, जिसने फैंस और इंडस्ट्री दोनों को चौंका दिया है।टीजर में क्या कुछ आया नजर? टीजर की शुरूआत में ही आवाज सुनाई देती है जो बताती है कि ये कहानी एक ऐसी बेटी की है जो मौत के सामने झुकने से इनकार कर देती है। इसी भावनात्मक पृष्ठभूमि में रश्मिका का किरदार सामने आता है, जिसकी आंखों में गुस्सा, शरीर की भाषा में विद्रोह और चीख में वर्षों का दबा हुआ दर्द झलकता है। टीजर में रश्मिका मंदाना का यह रूप एक ऐसी महिला का है, जिसे हालात ने लड़ना सिखा दिया है। उनका उग्र लुक, मिट्टी से सना चेहरा और आक्रामक अंदाज इस ओर इशारा करता है कि 'मैसा' सिर्फ एक एक्शन फिल्म नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, प्रतिरोध और अस्तित्व की लड़ाई की कहानी है। रश्मिका मंदाना ने साझा किया टीजर सोशल मीडिया पर टीजर शेयर करते हुए रश्मिका ने खुद भी संकेत दिए कि दर्शकों ने अभी इस कहानी की सिर्फ झलक देखी है। उनका कहना था कि यह तो बस शुरूआत है और आने वाले महीनों में फिल्म की असली गहराई सामने आएगी। इससे साफ है कि मेकर्स इस प्रोजेक्ट को धीरे-धीरे परतें खोलते हुए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं। फिल्म मैसा का निर्देशन 'मैसा' का निर्देशन नवोदित निर्देशक रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं, जबकि इसे अनफॉर्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। यह फिल्म गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वैभव सूर्यवंशी को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में उभरते क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को खेल में असाधारण प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित किया। 14 साल के वैभव ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही आईपील और अंडर-19 क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक पारियां खेली है उससे उनकी तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी होने लगी है। प्रशसंकों का मानना है जिस प्रकार सचिन अपने कैरियर की शुरुआत में खेलते थे। वैसे ही वैभव भी खेल रहे हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 5 से 18 साल के बच्चों को खेल, बहादुरी, नवाचार, विज्ञान, समाज सेवा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। इस साल कुल 20 बच्चों को इस सम्मान के लिए चुना गया था, जिनमें वैभव शामिल थे।

इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 84 गेंद में 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 छक्के शामिल थे। उन्होंने सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया और लिस्ट ए क्रिकेट इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

वह सबसे उम्र में रणजी और आईपीएल खेलने वाले बल्लेबाज हैं। वैभव को पिछले साल सबसे कम उम्र में आईपीएल अनुबंध मिला था। तब उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। अपने पहले आईपीएल मैच से पहले इस क्रिकेटर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंडर 19 मैच में 58 गेंदों पर ही शतक लगा दिया था। वहीं साल 2024 में अंडर-19 एशिया कप में भी उन्होंने दो अर्धशतक के साथ ही 44 की औसत से 176 रन बनाए थे। वैभव ने

आईपीएल के पहले ही मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। तब उन्होंने 20 गेंदों में 34 रन बनाए थे। अपने पहले आईपीएल में केवल सात पारियों में 14 साल के इस खिलाड़ी ने 36.00 की औसत और 206 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक के साथ ही वह टी20 में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी बन गये। तब उन्होंने केवल 35 गेंदों में ही 7 चौके और 11 छक्के लगाकर शतक बनाया था। वहीं इंडिया अंडर 19 टीम के इंग्लैंड दौरे में वैभव ने 78 गेंदों में 143 रन बनाए जिसमें 13 चौके और 10 छक्के शामिल थे। ये इस टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक था।

विराट लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बने, बेवन का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने दूसरे दिन गुजरात के खिलाफ 77 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर एक और रिकार्ड अपने नाम किया है। विराट अब लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे ज्यादा औसत से रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के माइकल बेवन का रिकार्ड तोड़ा है। विराट ने 57.87 की औसत से रन बनाये जबकि बेवन ने 57.86 की औसत से बनाये थे।

विराट ने पहले मैच में आंध्र प्रदेश के खिलाफ शतक लगाया था। वहीं इस बार उन्होंने 61 गेंदों में 77 रन बनाए की पारी खेली जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने ये रहन 126 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बनाये। इस पारी के बाद लिस्ट ए क्रिकेट में उनका औसत अब सबसे ज्यादा 57.87 पहुंच गय है।

वहीं सबसे अधिक औसत के मामले में तीसरे नंबर पर इंग्लैंड के सैम हैन का औसत 57.76 है। वहीं भारत के चेतेश्वर पुजारा औसत के मामले में चौथे नंबर पर हैं। उनका औसत 57.01 जबकि भारत के ही रुतुराज गायकवाड़ का औसत 56.68 है।

विराट ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के दौरान विराट तीन पारियों में 302 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द सीरीज बने जिसमें उनका औसत 151.00 और स्ट्राइक रेट 117.05 था, जिसमें दो लगातार शतक और एक अर्धशतक शामिल था। दो बार शून्य पर आउट होने के बाद विराट ने अपनी अगली 6 पारियों में 146.00 के औसत से 584 रन बनाए।

रिंकू सिंह ने 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से लगाया शतक, टी20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल होते ही दिखाया दम

राजकोट (एजेंसी)। रिंकू सिंह ने विजय हजारे ट्रॉफी में शतक लगाकर साबित कर दिया कि टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारत की टीम में उनका चयन क्यों हुआ है। रिंकू ने शुक्रवार 26 दिसंबर को राजकोट में चंडीगढ़ के खिलाफ उत्तर प्रदेश के विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 मैच में फॉर्म में वापसी करते हुए 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सिर्फ 56 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। ढ्ढष्टष्टटी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम में शामिल होते ही उन्होंने अपना दम दिखाया और चयन को सही साबित किया।

उत्तर प्रदेश के कप्तान रिंकू ने अपनी टीम को आगे बढ़कर लीड किया और 60 गेंदों में 106* रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे उन्होंने चंडीगढ़ टीम से मैच पूरी तरह छीन लिया। यह रिंकू का दूसरा लिस्ट-ए शतक था। रिंकू की पारी में क्लीन हिटिंग और स्मार्ट शॉट सिलेक्शन देखने को मिला क्योंकि उन्होंने 11 चौके और चार छक्के लगाए। राजकोट में उनके रन 176.67 के शानदार स्ट्राइक रेट से आए।

मैच की बात करें तो अभिषेक गोस्वामी के सस्ते में आउट होने के बाद उत्तर प्रदेश शुरुआती मुश्किल में आ गया था। वहां से, आर्यन जुयाल और ध्रुव जुरेल ने मोर्चा संभाला और चंडीगढ़ के खिलाफ दूसरे विकेट के लिए 96 रनों की अच्छी साझेदारी करके पारी को संभाला। जुयाल ने 118 गेंदों में 7 चौकों और आठ छक्कों की मदद से शानदार 134 रन बनाए, जबकि स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जुरेल ने 57 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 67 रनों का योगदान दिया।

एशेज सीरीज में बॉक्सिंग-डे टेस्ट के पहले ही दिन गिरे 20 विकेट

-ऑस्ट्रेलिया को मिली 46 रनों की बढ़त

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हुए एशेज क्रिकेट सीरीज के बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच का पहला दिन गेंदबाजों के नाम रहा। ऑट्रेलियाई टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 152 रनों पर ही सिमट गयी। इसके बाद लगा कि इंग्लैंड के पास बड़ा स्कोर बनाने का अवसर था पर वह असफल रही और अपनी पहली पारी में 110 रनों पर ही आउट हो गयी। इस प्रकार मैच में एक ही दिन में कुल 20 विकेट गिरे। इंग्लैंड की ओर से जोश टंग ने सबसे अधिक पांच विकेट लिए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से माइकल नेसर ने चार विकेट मिले।

इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 4 रन बना लिए थे। स्कॉट बोलैंड 4 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि ट्रेविस हेड ने अपना खाता नहीं खोला था। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 42 रनों की बढ़ मिली थी। इस प्रकार दिन के अंत में उनकी बढ़त 46 पर पहुंच गयी।

इससे पहले आज सुबह इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। माइकल नेसर ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए, जबकि उस्मान ख्वाजा ने 29 और एलेक्स कैरी ने 20 रन बनाये। टीम के पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। इंग्लैंड की आरे से जोश टंग से सबसे अधिक 5 विकेट लिए जबकि गस एटकिंसन को 2 विकेट मिले, ब्रायडन कार्स और कप्तान बेन स्टोक्स ने 1-1 विकेट लिया।पहली पारी में टीम 45.2 ओवर में ही 152 रन पर ढेर हो गई। कंगारू टीम का एक भी बल्लेबाज अर्धशतक नहीं जमा सका। इंग्लैंड की तरफ से टंग ने अपने टेस्ट करियर में पहली बार एक पारी में पांच विकेट लिए। उन्होंने जैक वेदराल्ड 10, मार्नस लाबुशेन 6, स्टीव स्मिथ 9, माइकल नेसर 35 और स्कॉट बोलैंड 0 का विकेट लिया। वहीं गस एटकिंसन ने दो विकेट लिए। ब्रायडन कार्स और बेन स्टोक्स को एक-एक विकेट मिला।

इसके बाद इंग्लैंड के बड़ा स्कोर बनाने के सपने को ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर की जोड़ी ने तोड़ दिया। टीम ने 16 रनों के अंदर ही चार विकेट खो दिये।

स्टार्क ने जैक क्रॉली को 5 और बेन डकेट को 2 जबकि नेसर ने जैकब बेथेल 1) और स्टार बल्लेबाज जो रूट को खाता खोले बिना ही पेवेलिन भेज दिया। । सबसे अधिक 41 रन हैरी ब्रूक ने बनाये।

इंग्लैंड की पूरी टीम 29.5 ओवर में ही 110 रन पर पेवेलिन लौट गई। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से माइकल नेसर ने 10 ओवर में एक मेडन सहित 45 रन देकर चार विकेट लिए। स्कॉट बोलैंड को तीन विकेट मिले जबकि मिचेल स्टार्क ने दो विकेट लिए। इस मैच में मेजबान टीम की कप्तान स्मिथ कर रहे हैं क्योंकि नियमित कप्तान पैट कमिंस टीम से बाहर हैं। वहीं स्पिनर नाथन लायन भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर हैं। इंग्लैंड ने जोफ्रा आर्चर की जगह गस एटकिंसन को शामिल किया है।

अमित मिश्रा ने बताया प्लेऑफ में पहुंच सकती हैं ये चार टीमें

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर अमित मिश्रा ने कहा है कि कोलकाता नाइटराइडर्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद और डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2026 के प्ले ऑफ में पहुंच सकती हैं। इस पूर्व स्पिनर के अनुसार गुजरात टाइटंस को भी खिताबी दौड़ में कमजोर नहीं माना जा सकता है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, केकेआर, एमआई, एसआरएच, आरसीबी और जीटी। मेरे ख?याल से इन पांच में से कोई चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेगी। वहीं अमित ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को खिताबी दावेदार नहीं माना है जिससे सभी को हैरानी हुई है। सीएसके पांच बार की विवेता रही है। मुंबई इंडियंस और आरसीबी ने नीलामी से पहले ही पसंदीदा खिलाड़ियों का रिटेन कर अपनी टीम मजबूत की है। वहीं अन्य टीमों ने मिनी नीलामी के जरिये टीम की ताकत बढ़ायी है। केकेआर ने कैमरन ग्रीन को रिकॉर्ड 25.2 करोड़ रुपये में खरीदा जबकि सनराइजर्स ने लियाम लिविंगस्टन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी और फाइनल मुकाबला 31 मई को खेला जाएगा

वेंकटेश अय्यर के लिए आरसीबी की प्लेइंग 11 में जगह बनाना मुश्किल : पूर्व कप्तान

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की मिनी नीलामी में वेंकटेश अय्यर के लिए 7 करोड़ रुपए खर्च किए लेकिन पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इस आकर्षक टी20 लीग के शुरुआती चरण में इस तेज गेंदबाजी हरफनमौला को एकादश में जगह मिलना मुश्किल होगा। मौजूदा चैंपियन RCB ने इस महीने की शुरुआत में नीलामी में अय्यर की पूर्व टीम कोलकाता नाइट राइडर्स को पीछे छोड़कर इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने 16 दिसंबर को अबू धाबी में हुई नीलामी में अय्यर, जैकब डफी और मंगेश यादव समेत कई खिलाड़ियों को खरीदकर अपनी टीम को और मजबूत किया। 'जियोस्टार' के विशेषज्ञ कुंबले ने कहा, 'वेंकटेश अय्यर के लिए शुरुआती एकादश में जगह बनाना मुश्किल होगा। आप जीतने वाली टीम में संदेह पैदा नहीं करना चाहते। इसी सोच के चलते फ्रेंचाइजी ने रवि बिश्नोई पर बोली नहीं लगाई ताकि सुयश शर्मा को किसी अनुभवी भारतीय स्पिनर से खतरा महसूस न हो।' उन्होंने कहा, 'RCB को लगा था कि अय्यर को कोई और फ्रेंचाइजी अधिक बोली लगाकर खरीद लेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ, इसलिए वे वेंकटेश अय्यर को पाकर खुश हैं।' कुंबले की कप्तानी में आरसीबी 2009 सत्र का उपविजेता बना था। वह 2011 में इस टीम के मुख्य कोच बने थे। इस अनुभवी खिलाड़ी ने कहा कि फ्रेंचाइजी ने आईपीएल विजेता टीम के मूल खिलाड़ियों को बरकरार रखकर अच्छा काम किया है।

चोपड़ा ने टी20 विश्वकप की अपनी पसंदीदा टीम में भी शुभमन को नहीं किया शामिल

-श्रेयस को कप्तान बनाया

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप के लिए अपनी पसंदीदा टीम चुनी है। चोपड़ा की इस टीम में श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है पर अनुभवी बल्लेबाज शुभमन गिल को शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले टी20 विश्वकप के लिए जो भारतीय टीम घोषित की गयी थी उसमें भी शुभमन को जगह नहीं मिली थी। वहीं अब चोपड़ा ने उन 15 खिलाड़ियों को शामिल किया, जो विश्व के लिए चुने जाने के दावेदार थे, पर उन्हें जगह नहीं मिली थी। दोनो ही टीमों में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अभी शुभमन को शीर्ष टॉप-30 टी20 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है।

पसंदीदा टीम घोषित करने के बाद चोपड़ा ने कहा कि शुभमन को इसलिए जगह नहीं दी है क्योंकि उन्हें टीम के लिए किसी एंकर की जरूरत नहीं थी। इस पूर्व बल्लेबाल ने कहा, हमने उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट के लिए छोड़ दिया है। इस समय जो माहौल बनाया गया है, उसके अनुसार ही हमने उन्हें नहीं जगह दी है जबकि कहा जा रहा है कि हमें उन्हें लेना चाहिए था। कई लोग कहते हैं कि मैं शुभमन का समर्थन करता रहा हूं। इस बार तो मैंने भी उन्हें जगह नहीं दी है। वहीं विश्वकप के लिए चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने कहा कि शुभमन की योग्यता पर कोई सवाल नहीं है पर इस समय टीम को किसी बल्लेबाज की नहीं बल्कि एक बैकअप विकेटकीपर की जरूरत थी। गौरतलब है कि भारतीय टीम टी20 विश्वकप में सैमसन और अभिषेक को सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतार सकती है जबकि ईशान किशन को रिजर्व खिलाड़ी रखा गया है।

शुभमन की जगह पर चोपड़ा ने भी यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ को पारी की शुरुआत के लिए रखा है। वहीं विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और जितेश शर्मा को शामिल किया है। केएल राहुल रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखे गये हैं। चोपड़ा ने साफ किया कि राहुल उनकी अंतिम ग्यारह में नहीं रहेंगे। चोपड़ा ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या को भी दल में शामिल किया है। चोपड़ा ने आईपीएल में अच्छे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए इन दोनों को शामिल किया है।

चोपड़ा की टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय पसंदीदा टीम

मुख्य खिलाड़ीः श्रेयस अय्यर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋतुराज गायकवाड़, ऋषभ पंत, जितेश शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, क्रुणाल पंड्या, दीपक चाहर, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज और भुवनेश्वर कुमार।

बेंचः मोहम्मद शमी, केएल राहुल, विप्रज निगम, शशांक सिंह।

पहली बार आईपीएल खेलने को लेकर उत्साहित हैं मंगेश

नई दिल्ली । पहली बार आईपीएल खेलने जा रहे मध्यप्रदेश के बांए हाथ के युवा तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मंगेश यादव बेहद उत्साहित है। मंगेश ने कहा कि मिनी नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरबीसी) ने जब उन्हें 5.2 करोड़ रुपए में खरीदा तो उन्हें इसका भरोसा नहीं हुआ। ये उनके लिए किसी सपने के सच होने के समान है। मंगेश के अनुसार चार फेंचाइजियों के बोली लगाने से भी वह हैरान थे। मंगेश 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। आरसीबी में वह तेज गेंदबाज यश दयाल की जगह शामिल किये गये हैं। इस युवा तेज गेंदबाज ने कहा है कि उन्हें अपने राज्य के अनुभवी खिलाड़ियों से जो सलाह मिली उससे भी उससे लाभ मिला है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मुझे सीनियर क्रिकेटरों रजत पाटीदार, वेंकटेश अय्यर और आनंद राजन से भी सहयोग मिला है। आईपीएल में सफलता के उत्साह के बाद भी मंगेश का माना है कि घरेलू क्रिकेट सबसे अहम है और उसकी पर उनका ध्यान रहेगा। साथ ही कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता विजय हजारे ट्रॉफी में मध्य प्रदेश की ओर से अच्छा प्रदर्शन करना है।

इरफान पठान ने सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 के लिए की लखनऊ सुपर जायंटस की बल्लेबाजी को कमजोर बताया है। पठान ने कहा कि जिस प्रकार से टीम ने मिनी नीलामी में खरीददारी की है। उसमें भी उसने गेंदबाजी पर ही जोर दिया। इससे उसके पास अच्छे गेंदबाज तो काफी हो गये हैं पर अच्छे बल्लेबाजों की उसे कमी है। की जरूरत है। पठान ने कहा टीम के पासा एनरिक नॉर्टजे जैसा तेज गेंदबाज और वानिन्दु हसरंगा जैस स्पिनर है। उसके पास तेज गेंदबाजी सहित सभी क्षेतों में अच्छे विकल्प हैं पर बल्लेबाजों की कमी नजर आती है। पठान ने कहा, आयुष बडोनी और अब्दुल समद के अलावा उसे एक और अच्छे बल्लेबाज की जरुरत है। मुझे उम्मीद थी कि वह लिविंगस्टोन जैसे किसी खिलाड़ी को खरीदेगा पर ऐसा नहीं हुआ। कुल मिलाकर टीम को अभी भी कम से कम पांच अच्छे स्तर के बल्लेबाज चाहिये। उन्होंने स्ट्रेलियाई विकेटकीपर जोश इंग्लिस को 8.6 करोड़ रुपए में खरीदने पर भी सवाल उठाते हुए कह कि उसे केवल चार आईपीएल मैचों के लिए खरीदना फायदेमंद नहीं है। हैं। वहीं पूर्व बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने कहा, अगर आप सुपरजायंटस के बल्लेबाजी क्रम को देखें तो वह भी सनराइजर्स की ही तरह ही आक्रामक हैं पर उसके बल्लेबाज लंब पारियां नहीं खेल सकते। इंग्लिस अगर पूरे सत्र के लिए उपलब्ध होते तो भी फायदेमंद नहीं रहते। इसका कारण है कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिए नहीं रखे गये हैं। अब्दुल समद, आयुष बडोनी, एडेन मार्करम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (कप्तान), निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, अवेश खान, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिगवेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंह।

हॉकी इंडिया लीग के बाद विश्वकप में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा लक्ष्य हरमनप्रीत

चेन्नई । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि टीम का लक्ष्य विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना है। । हरमनप्रीत ने कहा कि हॉकी इंडिया लीग के बाद टीम विश्व कप की तैयारी करेगी। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, पिछले दो ओलंपिक में हमने कांस्य पदक जीते हैं जिससे विश्वकप में हम बढ़े हुए मनोबल से उतरेंगे। हॉ लीग के बाद हमारे पास विश्व कप की तैयारी के लिए पर्याप्त समय रहेगा। हॉकी इंडिया लीग 3 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी। लीग की शुरुआत 3 जनवरी को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तमिलनाडु ड्रैगन्स बनाम हैदराबाद तूफान्स मुकाबले से होगी। इस लीग में कुल आठ टीमें शामिल होंगी जिसमें तमिलनाडु ड्रैगन्स, हैदराबाद तूफान्स, जेएसडब्यू सूरमा हॉकी क्लब, श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स (डिफेंडिंग चैंपियन), वेदांता कलिंगा लांसर्स, रांची रॉयल्स, एसजी पाइपर्स और एचआईएल गवर्निंग काउंसिल हैं। लीग सिंगल राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगी, जिसमें शीर्ष चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचेंगी। इसमें 23 और 25 जनवरी को क्वालीफायर मुकाबले के बाद 26 जनवरी को भुवनेश्वर में फाइनल खेला जाएगा।

सूरज शर्मा ने जीते सीनियर और जूनियर 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल राष्ट्रीय खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सूरज शर्मा ने शुक्रवार को 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (RFP) पुरुष वर्ग में सीनियर और जूनियर दोनों राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित इस प्रतियोगिता में सूरज ने पहले जूनियर फाइनल में 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता और बाद में सीनियर फाइनल में भी दबदबे के साथ खेलते हुए 31 हिट्स के साथ दूसरा खिताब हासिल किया।

सीनियर फाइनल में सूरज ने दमदार शुरुआत करते हुए अपने पहले 20 में से 19 निशाने साधे और कुल 31 हिट्स के साथ मुकाबला समाप्त किया। वह पंजाब के डिफेंडिंग चैंपियन विजयवीर सिद्धू से तीन हिट्स आगे रहे, जिन्हें 28 हिट्स के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। राजस्थान के भावेश शेखावत ने 24 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। अंकुर गोयल 14 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहे। उन्हें आंध्र प्रदेश के मुकेश नेलावल्ली के खिलाफ लगातार तीन शूट-ऑफ खेलने पड़े, जिसके बाद मुकेश 12 हिट्स के साथ पांचवें स्थान पर रहे।

हरियाणा के आदर्श सिंह ने पांच हिट्स के साथ छठा स्थान हासिल किया। क्वालिफिकेशन राउंड में अंकुर गोयल ने 582-203 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। विजयवीर सिद्धू 580-183 के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि आदर्श सिंह ने 579-223 के साथ तीसरा स्थान पाया। मुकेश नेलावल्ली 579-173 के साथ चौथे स्थान पर रहे। बाद में स्वर्ण पदक जीतने वाले सूरज शर्मा ने 579-123 के साथ पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया था, जबकि भावेश शेखावत ने 577-223 के साथ शीर्ष छह में जगह बनाई।

जूनियर पुरुष आरएफपी फाइनल में भी सूरज शर्मा ने संयमित प्रदर्शन करते हुए 30 हिट्स के साथ स्वर्ण पदक जीता। मुकेश नेलावल्ली ने 25 हिट्स के साथ रजत पदक हासिल किया। हरियाणा के जतिन ने शूट-ऑफ के बाद 22 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। समीर 17 हिट्स के साथ चौथे, भाव्या शर्मा आठ हिट्स के साथ पांचवें और अभिनव चौधरी छह हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहे। सीनियर टीम स्पर्धा में पंजाब ने 1725 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में विजयवीर सिद्धू, उधयवीर सिद्धू और राजकंवर सिंह संधू शामिल थे।

हरियाणा ने 1722 के स्कोर के साथ रजत पदक हासिल किया जबकि नेवी ने 1711 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर टीम वर्ग में हरियाणा ने 1705 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मध्य प्रदेश ने 1689 के साथ रजत और नेवी ने 1667 के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिताएं शनिवार, 27 दिसंबर 2025 को भोपाल स्थित एमपी स्टेट शूटिंग अकादमी में जारी रहेंगी, जहां 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस महिला फाइनल आयोजित किए जाएंगे। दिन का पहला फाइनल सुबह 9ः00 बजे शुरू होगा।

नवजात की सौदेबाजी : 7 दिन के बच्चे को 6 लाख में बेचने की कोशिश, पांच गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां महज सात दिन के एक नवजात शिशु को 6 लाख रुपये में बेचने की कोशिश करते हुए पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर पुलिस की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल ने खुफिया सूचना के आधार पर की। पुलिस के अनुसार, बुधवार रात पश्चिम इलाके में एक होटल के पास जाल बिछाया गया। गिरोह की गतिविधियों की पुष्टि के लिए पुलिस ने एक नकली ग्राहक (डिकॉय बायर) को इस्तेमाल किया। सौदे की शुरुआती पुष्टि के तौर पर गिरोह को 20 हजार रुपये यूपीआई के जरिए दिए गए, जबकि बाकी 5.8 लाख रुपये नकद देने की बात तय हुई थी। जैसे ही डिकॉय ग्राहक ने सौदे की सूचना पुलिस को दी, टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और सभी पांच आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर संभाजी मनोहर (36), रेशमा शाहाबुद्दीन शेख (35), इगतपुरी निवासी एजेंट नितिन संभाजी मनोहर (33) और शेखर गणेश जाधव (35) तथा मुंबई के मानखुर्द निवासी एजेंट आसिफ चांद खान (27) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरोह की एक अन्य सदस्य सबीना फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मामला केवल एक नवजात तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके पीछे शिशु तस्करी का बड़ा रैकेट सक्रिय हो सकता है, जिसमें नि:संतान दंपतियों को निशाना बनाया जाता है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, अब बच्चे की जैविक मां की पहचान की जा रही है और यह भी जांच की जा रही है कि क्या किसी अस्पताल या नर्सिंग होम की इसमें भूमिका है। बरामद नवजात को फिलहाल एक विशेष देखभाल केंद्र में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की गहराई से जांच की जा रही है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां संभव हैं।

वायु प्रदूषण बन रहा बड़ा स्वास्थ्य संकट, अस्पतालों में बढ़ी नए मरीजों की संख्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वायु प्रदूषण कोविड-19 महामारी के बाद सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बन गया है। ब्रिटेन में काम करने वाले भारत के कई सीनियर डॉक्टरों ने इसको लेकर चिंता जाहिर की और दावा किया है। डॉक्टरों ने कहा कि आने वाले सालों में प्रदूषण से लोगों की सेहत और देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। अगर तत्काल ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या हर साल और गंभीर होती जाएगी। पिछले 10 सालों में हृदय रोगों में बढ़ोतरी को मोटापे से जोड़ा गया, लेकिन इसमें कारों और विमानों से निकलने वाले जहरीले तत्वों की बड़ी भूमिका है। भारत सरकार की कोविड-19 एडवाइजरी कमेटी के पूर्व सदस्य मनीष गौतम ने कहा कि वायु प्रदूषण पर सरकार का फोकस जरूरी है, लेकिन इसमें काफी देरी हो चुकी है। उत्तर भारत में रहने वाले लाखों लोगों में नुकसान पहले ही हो चुका है। जो इलाज हो रहा है, वह समस्या का केवल एक छोटा हिस्सा है। सिरदर्द, थकान, हल्की खांसी, गले में जलन, पाचन संबंधी दिक्कत, आंखों में सूखापन, त्वचा पर रैश और बार-बार संक्रमण जैसे शुरुआती लक्षण अक्सर मामूली समझकर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, जबकि ये गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक दिसंबर में दिल्ली के अस्पतालों में सांस संबंधी मरीजों की संख्या में 20 से 30फीसदी बढ़ी है। इनमें कई युवा और पहली बार इलाज कराने वाले मरीज शामिल थे।

अभिनेत्री पर्णो मित्रा टीएमसी में शामिल, बंगाल चुनाव से पहले बीजेपी को बड़ा झटका

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव पहले ही नेताओं के एक से दूसरी पार्टी में जाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ चुकी बंगाली अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने पार्टी छोड़ दी। पर्णो मित्रा ने बीजेपी छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया है। पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध टीवी अभिनेत्री पर्णो मित्रा ने कार्यक्रम के दौरान औपचारिक रूप से टीएमसी की सदस्यता ग्रहण कर ली। टीएमसी में पहुंचते ही पर्णो ने अपने बीजेपी में शामिल होने के फैसले को गलती बताया है। उन्होंने कहा कि अब

उन गलतियों को सुधारने का समय है। बंगाली अभिनेत्री पर्णो ने सीएम ममता बनर्जी की अगुवाई में टीएमसी शामिल करने को अपने लिए बड़ा मौका भी बताया। उन्होंने बीजेपी को लेकर कहा कि छह साल पहले मैं बीजेपी में शामिल हुई थी। वहां चीजें ठीक नहीं थीं। गौरतलब है कि पर्णो मित्रा बंगाल में टीवी का लोकप्रिय चेहरा हैं। बीजेपी ने 2021 के बंगाल विधानसभा चुनाव में पर्णो को उम्मीदवार भी बनाया था। हालांकि, पर्णो मित्रा तब चुनाव हार गई थीं। चुनाव प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमले की घटना भी हुई थी, जिसके बाद सियासत गर्मा गई थी।

सेंगर को जमानत के विरोध में कोर्ट के बाहर महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के बाहर उन्नाव रेप केस में दोषी पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को मिली सशर्त जमानत के खिलाफ महिलाओं और अन्य प्रदर्शनकारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्नाव रेप पीड़िता के परिवार और महिला कार्यकर्ताओं ने कोर्ट परिसर के बाहर प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस ने कहा कि वहां विरोध प्रदर्शन गैर-कानूनी है और प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर जाने की सलाह दी। पीड़िता की मां ने जमानत को अवैध बताकर कहा कि वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी। उन्होंने कहा कि सेंगर की जमानत तुरंत खारिज होनी चाहिए और यदि न्याय नहीं मिला तो वे अन्य देशों में भी कानूनी उपाय ढूंढेंगी। महिला कार्यकर्ता योगिता भयाना ने बताया कि वे शांतिपूर्वक न्याय की मांग लेकर आई हैं और अगर याचिका पर सुनवाई नहीं हुई, तब विरोध किया जाएगा। कांग्रेस नेता मुमताज पटेल ने हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना कर इस महिलाओं के आत्मविश्वास को कम करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि सेंगर को तकनीकी कारणों से क्लीन चिट देना देश में गलत मिसाल साबित करता है। दरअसल दिल्ली हाईकोर्ट ने सेंगर को जमानत दी है, जबकि वह फिलहाल नाबालिग से रेप और पिता की हत्या मामले में जेल में हैं। जमानत शर्तों में 15 लाख रुपये का बेल बॉन्ड जमा करना शामिल है। सेंगर को पीड़िता के 5 किलोमीटर के इलाके में नहीं जाने और परिवार से संपर्क न करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पिता की हत्या के मामले में उनका जेल में ही रहना तय है और दिल्ली हाईकोर्ट में अपील लंबित है।

हाईकोर्ट ने कहा- भारत में भी बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के उपायों पर करें विचार

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा और इंटरनेट पर अश्लील सामग्री की आसानी से उपलब्धता को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। एक महत्वपूर्ण जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि वह ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून की संभावनाओं पर गंभीरता से विचार करे। न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन और न्यायमूर्ति के. के. रामकृष्णन की पीठ ने माना कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चे बेहद संवेदनशील और असुरक्षित स्थिति में हैं, जिन्हें इंटरनेट के खतरों से बचाना अनिवार्य है।

यह मामला वर्ष 2018 में मदुरै निवासी एस. विजयकुमार द्वारा दायर एक जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को पैरेंटल कंट्रोल या पैरेंटल विंडो जैसी सेवाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं, ताकि बच्चों को पोर्नोग्राफिक और आपत्तिजनक सामग्री तक पहुंचने से रोका जा सके। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने ऑस्ट्रेलिया के उस हालिया कानून का उदाहरण दिया, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया गया है। अदालत ने इस तर्क से सहमति जताते हुए कहा कि भारत को भी इस दिशा में ठोस विधायी कदम उठाने की आवश्यकता हो सकती है।

अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि संबंधित प्राधिकरणों और बाल अधिकार संरक्षण आयोगों द्वारा पेश किए गए हलफनामे यह विश्वास दिलाने में विफल रहे हैं कि वे अपनी वैधानिक जिम्मेदारियों का पूरी तरह निर्वहन कर रहे हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि केवल कुछ वेबसाइटों को ब्लॉक कर देना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि बाल यौन शोषण और अश्लील सामग्री ऑनलाइन जगत में अलग-अलग रूपों में मौजूद रहती है। इस पर प्रभावी नियंत्रण तभी संभव है जब यूजर-स्तर पर पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स उपलब्ध हों और अभिभावकों को इसके प्रति जागरूक किया जाए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि स्कूलों में चलाए जा रहे वर्तमान जागरूकता कार्यक्रम नाकाफी हैं। पीठ ने केंद्र और राज्य स्तर के बाल अधिकार संरक्षण आयोगों को निर्देश दिया कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में बाल अधिकारों और ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को लेकर एक ठोस कार्ययोजना तैयार करें। अदालत ने अंत में टिप्पणी की कि हालांकि किसी सामग्री तक पहुंचना व्यक्ति का चुनाव हो सकता है, लेकिन बच्चों के मामले में समाज और सरकार की जिम्मेदारी कहीं अधिक बढ़ जाती है। इसी के साथ अदालत ने उम्मीद जताई कि भविष्य में इस दिशा में सख्त कानून और व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे।

पावर सेंटर 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार की विदाई, रातों रात खाली हुआ राबड़ी का आवास

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सरकारी आवास और बिहार की सियासत में करीब दो दशकों तक सत्ता और विपक्ष की धुरी रहा 10 सर्कुलर रोड बंगला अब खाली होने होने लगा है। राबड़ी देवी को राज्य सरकार द्वारा जारी नोटिस के बाद अब वहां से सामान शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार देर रात इस आवास से पिक-अप वैन के जरिए सामान बाहर निकलते देखा गया, जिसने राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह समाना किस स्थान पर भेजा गया है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, देर रात तक पिकअप वाहनों की आवाजाही जारी रही। नई सरकार के गठन के बाद भवन निर्माण विभाग ने राबड़ी देवी को एक महीने पहले बंगला खाली करने का निर्देश दिया था। 2006 से 10 सर्कुलर आवास में रह रहे लालू परिवार के लिए सरकार ने हार्डिंग रोड में नया आवास आवंटित किया है। हालांकि, तब आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने इस आदेश का कड़ा विरोध किया था और इसे राजनीतिक विद्वेष बताया था। लेकिन अब सामान की शिफ्टिंग से स्पष्ट हो गया है कि परिवार ने बंगला खाली करने का मन बना लिया है। साल 2005 में सत्ता गंवाने के बाद लालू-राबड़ी परिवार 1 अणे मार्ग से निकलकर 10 सर्कुलर रोड में शिफ्ट हुआ था। तब से यह आवास राजद की हर छोटी-बड़ी गतिविधि का गवाह रहा है। इधर, पटना के महुआबाग इलाके में लालू-राबड़ी परिवार का निजी बंगला भी लगभग तैयार है। कहा जा रहा है कि भविष्य में लालू परिवार उसी निजी आवास में शिफ्ट हो सकता है।

महाराणा प्रताप पर टिप्पणी के बाद पंजाब के राज्यपाल को मिली जान से मारने की धमकी

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को जान से मारने की धमकी मिली है। सोशल मीडिया पर दी गई इस धमकी का कुछ लोग समर्थन करते भी नजर आ रहे हैं। ये धमकी क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नाम से की गई एक पोस्ट में कटारिया के खिलाफ अपमानजनक और हिंसक भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

यह धमकी तीन दिन पहले उदयपुर जिले के गोगुंदा क्षेत्र में महाराणा प्रताप को लेकर दिए गए कटारिया के बयान के बाद सामने आई है। बता दें कि 22 दिसंबर को गोगुंदा में एक कार्यक्रम के दौरान कटारिया ने महाराणा प्रताप और उनके शासन को लेकर बयान दिया था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया। पुलिस ने साफ किया है कि सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की धमकी या भड़काऊ बयानबाजी को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कटारिया के इस बयान को लेकर विभिन्न संगठनों और लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग धमकी भरी पोस्ट का समर्थन करते भी नजर आए, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। हालांकि, अब तक राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की ओर से इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई है। कटारिया ने भी इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। इस बीच उदयपुर के पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और सोशल मीडिया पोस्ट की जांच की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पोस्ट किस अकाउंट से और किन हालात में की गई थी, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि कहीं इसके पीछे किसी साजिश या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का इरादा तो नहीं है।

राहुल गांधी के विदेश दौरों पर भारतीय दूतावास के अधिकारी रखते हैं नजर

-ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा का दावा

तिरुवंतमपुरम (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने दावा किया है कि राहुल गांधी के विदेश दौरों के दौरान भारतीय दूतावास के अधिकारी उन पर नजर रखते हैं और कई बार विदेशी नेताओं से उन्हें न मिलने को कहा जाता है। पित्रोदा ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर यह दावा किया है। इसमें उन्होंने कहा कि मैने खुद देखा है कि राहुल गांधी के होटल, मीटिंग्स और एयरपोर्ट पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाती है। हालांकि इसके सबूत नहीं हैं, लेकिन अनुभव के आधार पर यह बात कह रहा हूं।

वहीं सैम पित्रोदा ने बीजेपी के राहुल गांधी पर देश की छवि को नुकसान पहुंचाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। जर्मनी दौरे की टाइमिंग पर उन्होंने कहा कि विदेश यात्राएं अचानक तय नहीं होतीं, बल्कि महीनों पहले से उनका कार्यक्रम बनता है। राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत की छवि खराब करने के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सच तो सच होता है, चाहे वह भारत में बोला जाए या विदेश में। डबल स्टैंडर्ड नहीं हो सकते।

जॉर्ज सोरोस और विदेशी फंडिंग से जुड़े आरोपों पर पित्रोदा ने कहा कि ये पूरी तरह बेबुनियाद हैं। राहुल गांधी या कांग्रेस का किसी भी तरह के एंटी-इंडिया नेटवर्क से कोई संबंध नहीं है। सब बकवास है। हम यूनिवर्सिटी जाते हैं, पब्लिक स्पेस में बात करते हैं। कौन किससे जुड़ा है, हमें न पता है और न हमें फर्क पड़ता है। क्रिसमस के दौरान चर्चों पर हमलों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा पर उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की हिंसा की समाज में कोई जगह नहीं है। ऐसी घटनाएं भारत की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं और यह नफरत का नतीजा हैं।

सैम पित्रोदा ने कहा कि मनरेगा की जगह लाए गए जी-राम-जी कानून में राम के नाम का इस्तेमाल क्यों किया गया। महात्मा गांधी के नाम से योजना चल रही थी, उसमें क्या दिक्कत थी? प्रधानमंत्री किसी एक समुदाय के नहीं, पूरे देश के होते हैं। धर्म निजी आस्था हो सकती है, लेकिन शासन की प्राथमिकता नहीं। लोकतंत्र और चुनाव प्रणाली पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि भारत समेत कई देशों में संस्थाएं दबाव में हैं। ईवीएम, वोटर लिस्ट और चुनाव आयोग को लेकर भरोसे की कमी है। दुनिया के कई देशों हंगरी, तुर्की, अमेरिका और भारत में लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर पित्रोदा ने कहा कि भारत को सबसे पहले अपने पड़ोस पर ध्यान देना चाहिए। हिंसा कहीं भी हो, उसका कोई औचित्य नहीं है। भारत अगर 'विश्व गुरु' बनना चाहता है तो पहले अपने पड़ोस बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान में स्थिरता और शांति के लिए नेतृत्व दिखाना होगा।

अरावली पहाड़ी मामला: जयराम रमेश ने उठाए सवाल कहा- ये केवल विनाशकारी कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने अरावली पर्वतमाला को लेकर मोदी सरकार द्वारा दी गई नई परिभाषा पर कड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने इसे न केवल विशेषज्ञों की राय के विरुद्ध, बल्कि खतरनाक और पर्यावरण के लिए विनाशकारी बताया है।

जयराम रमेश ने फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) के आधिकारिक और प्रामाणिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि अरावली को ऊँचाई के आधार पर परिभाषित करना पूरी तरह से अवैज्ञानिक और संदिग्ध है। एफएसआई के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली अरावली पहाड़ियों में से केवल 8.7 प्रतिशत ही 100 मीटर से अधिक ऊँची हैं। वहीं, यदि एफएसआई द्वारा चिन्हित सभी अरावली पहाड़ियों को शामिल किया जाए, तो उनमें से 1 प्रतिशत से भी कम 100 मीटर से अधिक ऊँचाई वाली हैं।

एफएसआई का स्पष्ट और संतुलित मत है कि ऊँचाई के आधार पर सीमाएँ तय करना उचित नहीं है, और अरावली की पूरी पर्वतमाल चाहे उसकी ऊँचाई कुछ भी हो उसको संरक्षण मिलना चाहिए। लेकिन सरकार की नई परिभाषा इसके ठीक उलट दिशा में जाती दिखाई दे रही है।

क्षेत्रफल के लिहाज़ से इसका सीधा अर्थ यह निकलता है कि सरकार की नई परिभाषा लागू होने पर अरावली का 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा संरक्षण से बाहर हो जाएगा। इससे यह क्षेत्र खनन, रियल एस्टेट और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए खोल दिया जाएगा, जो पहले से ही गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त इस नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र पर और भी गहरा आघात पहुँचाएगा।

जयराम रमेश ने इसे मोदी सरकार द्वारा पारिस्थितिक संतुलन पर सुनियोजित हमले का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रदूषण मानकों को कमजोर करने, पर्यावरण और वन कानूनों को शिथिल करने, तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) और पर्यावरणीय शासन से जुड़ी संस्थाओं को निष्प्रभावी करने की उसी नीति का हिस्सा है, जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री द्वारा वैश्विक मंचों पर पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन को लेकर दिए जाने वाले भाषणों और देश के भीतर ज़मीन पर किए जा रहे कार्यों के बीच कोई तालमेल नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरित नेतृत्व की बात करने वाली सरकार, देश के भीतर प्राकृतिक धरोहरों को कमजोर करने वाले फैसले ले रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अरावली पर्वतमाला न केवल उत्तर भारत के भूजल संरक्षण, वायु शुद्धिकरण और जलवायु संतुलन के लिए अहम है, बल्कि यह दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र को मरुस्थलीकरण से बचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में संरक्षण को सीमित करना दीर्घकालिक पर्यावरणीय संकट को जन्म दे सकता है।

अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं, दंगाइयों पर अंकुश लगाना जरुरी: सीएम स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व जरुरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और एक्टर से नेता बने विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब पीएम मोदी क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है। सीएम स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और जरुरी कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

सीएम स्टालिन ने केंद्र में बीजेपी के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में 74 फीसदी की वृद्धि का दावा करते हुए कहा कि यह 'गंभीर खतरे' का संकेत हैं। वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली 'हिंदुत्ववादी भीड़' की कड़ी निंदा की और संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। टीवीके के प्रचार महासचिव के जी अरुणराज ने गिरजाघरों पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करते हुए पीएम मोदी से इन कृत्यों की निंदा करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

दिल्ली में एक्यूआई फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में, जहांगीरपुरी और आनंद विहार सबसे प्रदूषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में दो दिन मामूली सुधार रहने के बाद शुक्रवार को वायु गुणवत्ता एक बार फिर 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गई। दिल्ली का एक्यूआई 310 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबक दिल्ली के 40 निगरानी केंद्रों में से कम से कम 24 केन्द्रों पर वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' दर्ज की गई। इसमें जहांगीरपुरी और आनंद विहार 395 एक्यूआई के साथ सबसे प्रदूषित इलाके रहे। वहीं लोधी रोड पर एक्यूआई 185 दर्ज किया गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में आता है। पिछले दो दिनों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई थी। 'वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली' ने अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में बने रहने का अनुमान लगाया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक वर्तमान में हवा की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटे से कम है, जो प्रदूषक तत्वों के छितराव के लिए प्रतिकूल है। सीपीसीबी के मानकों के मुताबिक 0 से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 को संतोषजनक, 101-200 को मध्यम, 201-300 को खराब, 301-400 को बेहद खराब और 401-500 को गंभीर माना जाता है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान छह से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

कोहरे ने धीमी की ट्रेनों की रफ्तार

दिल्ली में घने कोहरे के कारण 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो रही है। राजधानी और हमसफर एक्सप्रेस जैसी अहम ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से ट्रेनों के संचालन में दिक्कत आ रही है। रेलवे प्रशासन यात्रियों को अपडेटेड जानकारी प्राप्त करने की सलाह दे रहा है।

दो घंटे से अधिक लेट चलने वाली ट्रेनों में रक्सौल-आनंद विहार टर्मिनल सद्भावना एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सप्त क्रांति एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बलिया-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष सवा चार घंटे, बनारस-आनंद विहार टर्मिनल गरीब रथ एक्सप्रेस, सवा दो घंटे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस छह घंटे, मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर एक्सप्रेस पौने सात घंटे, हल्दिया-आनंद विहार टर्मिनल साप्ताहिक सुपरफास्ट छह घंटे, दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल जनसाधारण एक्सप्रेस छह घंटे, बनारस-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, बलिदानी कैप्टन तुषार महाजन ऊधमपुर-कोटा एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली एसी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, कानपुर-नई दिल्ली श्रम शक्ति एक्सप्रेस चार घंटे, राजगीर-नई दिल्ली श्रमजीवी एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सवा पांच घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली हमसफर एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, गोरखपुर-बठिंडा गोरखधाम एक्सप्रेस साढ़े पांच घंटे, प्रयागराज-नई दिल्ली प्रयागराज एक्सप्रेस चार घंटे लेट चल रही हैं। वहीं सीएसएमटी-अमृतसर एक्सप्रेस साढ़े आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा चार घंटे, ललित ग्राम-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस सवा चार घंटे, बनारस-नई दिल्ली शिव गंगा एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे, दरभंगा-नई दिल्ली हमसफर विशेष आठ घंटे, डिब्रुगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रे ढाई घंटे, सियालदह-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस सवा दो घंटे, बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस सवा तीन घंटे, बरौनी-नई दिल्ली हमसफर विशेष चार घंटे, रांची-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस तीन घंटे, हावड़ा-नई दिल्ली कोलकाता राजधानी साढ़े चार घंटे, वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, लखनऊ-नई दिल्ली तेजस एक्सप्रेस आठ घंटे, राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस छह घंटे, लोकमान्य तिलक टर्मिनल मुंबई-हरिद्वार एसी एक्सप्रेस सात

प्रयागराज-भिवानी कालिंदी एक्सप्रेस पौने चार घंटे, मां बेल्हा देवी प्रतापगढ़-पुरानी दिल्ली पद्मावत एक्सप्रेस चार घंटे, बलुरघाट-बठिंडा फरक्का एक्सप्रेस साढ़े चार घंटे, प्रयागराज-चंडीगढ़ ऊंचाहार एक्सप्रेस साढ़े सात घंटे, कामख्या-पुरानी दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, पौने आठ घंटे, आजमगढ़-पुरानी दिल्ली कैफियत एक्सप्रेस सवा छह घंटे, कटिहार-पुरानी दिल्ली चंपारण एक्सप्रेस ट्रेनें लेट चली रही हैं।

वहीं सवा नौ घंटे, देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में नई दिल्ली-अमृतसर शान-ए-पंजाब एक्सप्रे सवा चार घंटे, नई दिल्ली-सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस पौने पांच घंटे नई दिल्ली-राजगीर श्रमजीवी एक्सप्रेस एक घंटे, नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष पांच घंटे लेट चल रही है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशन्स एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, निवर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नंदू कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902